रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.2	24.5
जमशेदपुर	34.2	23.8
डालटनगंज	32.8	25.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

विश्व हृदय दिवस आज

www.lagatar.in | रांची, रविवार 29 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 171 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एयर स्ट्राइक में मारा गया हिजबुल्लाह चीफ

नसरल्लाह

एजेंसियां। बेरूत

हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह मारा गया है. इजरायली सेना (आइडीएफ) के साथ-साथ ईरान व हिजबुल्लाह की तरफ से भी शनिवार को इसकी पुष्टि हो गई. इजरायल का कहना है कि अब दुनिया को नसरल्लाह नहीं डरा पाएगा. सेना ने नसरल्लाह के हिजबुल्लाह के कई कमांडरों और ऑपरेटिव्स को भी मार गिराया है. इससे पहले इजरायली सेना ने शनिवार को कहा, हमने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह की मिसाइल यूनिट के कमांडर, मो. अली इस्माइल और उनके डिप्टी, हुसैन इस्माइल पर हमला कर उन्हें मार गिराया.

सेना के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा, हमने हिज्बुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह और दक्षिणी मोर्चे के कमांडर अली कराकी समेत अन्य कमांडरों को मार गिराया है. बेरूत में हिज्बुल्लाह हेडक्वार्टर पर हुए एयरस्ट्राइक में नसरल्लाह और उसकी बेटी जैनब मारे गए.

ईरान और हिजबुल्लाह ने भी की मौत की पुष्टि

हगारी ने कहा, सटीक खुफिया जानकारी पर हमारी एयरफोर्स के विमानों ने हिज्बुल्लाह के सेंट्रल हेडक्वार्टर पर टारगेटेड अटैक किया, जो बेरुत में रेजिडेंशियल बिल्डिंग के बेसमेंट में था. यह हमला तब हुआ, जब हिज्बुल्लाह की लीडरशिप आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की रणनीति पर काम कर रही थी. डेनियल हगारी ने कहा कि हसन नसरल्लाह ने 32 साल में कई इजरायली नागरिकों और सैनिकों की हत्या और हजारों आतंकी गतिविधियों और उनके कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार था.

▪ हमले में हिजबुल्लाह चीफ की बेटी जैनब और कई कमांडर भी मारे गए

इजरायल को पछताना होगा, ईरान ने दी धमकी : हिजबुल्लाह चीफ हसन नरसल्लाह की मौत बाद ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई ने कहा कि ईरान हिजबुल्लाह के साथ खड़ा है. उन्होंने कहा कि लेबनान में निहत्थे लोगों की हत्या ने एक बार फिर क्रूरता को उजागर कर दिया और इसने सत्ताधारी शासन के नेताओं की अदूरदर्शिता और मूर्खतापूर्ण नीति को भी प्रमाणित कर दिया. ईरान के टॉप लीडर ने इजरायल को धमकी देते हुए कहा कि दुश्मनों को पछताना पड़ेगा. उन्होंने कहा, एक ओर, लेबनान में निहत्थे नागरिकों की हत्या ने जायोनीवादियों की बर्बरता को सबके सामने उजागर कर दिया. दूसरी ओर, इसने यह भी साबित किया है कि कब्जा करने वाले नेताओं की नीतियां कितनी अदूरदर्शी और पागलपन भरी हैं. वहीं, हिजबुल्लाह ने भी नसरल्लाह की मौत की घोषणा की. हिजबुल्लाह ने पुष्टि की कि हसन नसरल्लाह शुक्रवार को इजरायली हवाई हमले में मारा गया.

जमीन के 50 फीट नीचे हिजबुल्लाह चीफ को कैसे मारा : इजरायल को सूत्रों से पता चला था कि नसरल्लाह बंकर में है, जिसके बाद उसके विमानों ने बेरूत के लिए उड़ान भरी. हमले की योजना बेहद गुप्त थी. यहां तक कि अमेरिका को तब बताया जब इजरायली विमान ऑपरेशन 'न्यू ऑर्डर' के लिए हवा में थे. इजरायली पीएम नेतन्याहू की एक तस्वीर जारी की गई, जिसमें वह हमले का आदेश दे रहे हैं. हमला इतना बड़ा था कि नसरल्लाह का बच पाना मुश्किल था. हमले के बाद बेरूत शहर पर धुएं के बादल छा गए. हमले के लिए 3000 किलो विस्फोटक बमों का इस्तेमाल हुआ. हमले के वक्त नसरल्लाह जमीन के अंदर 50 फीट गहरे बंकर में मौजूद था. हमले में 2000 किलो के लेजर और जीपीएस-गाइडेड जीबीयू-28 और 1000 किलो के ब्लू-109 बंकर बमों का इस्तेमाल हुआ. विस्फोट होने से पहले ये जमीन में 200 फीट के नीचे तक धंस गए.

बड़ा सवाल : नसरल्लाह के बाद कौन हो सकता है हिजबुल्लाह चीफ

हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह की मौत के बाद अब अगले चीफ की अटकलें लगाई जाने लगी हैं. अभी हाशेम सफीद्दीन को नसरल्लाह का वारिस माना जा रहा है. वह हिजबुल्लाह के पॉलिटिकल मामलों को देखता है और नसरल्लाह का चचेरा भाई भी है. अमेरिका ने सफीद्दीन को 2017 में आतंकवादी घोषित किया था. वह हिजबुल्लाह का अगला प्रमुख हो सकता है, क्योंकि कमान उसी को दी जानी है, जोकि न सिर्फ संगठन को चला सके, बल्कि ईरान को भी वह मंजूर हो. सफीद्दीन के ईरान से भी अच्छे रिश्ते हैं. उसने हिजबुल्लाह में बड़ी भूमिका निभाई है और उसे लंबे समय से नसरल्लाह का वारिस माना जाता रहा. नसरल्लाह भी संगठन के भीतर विभिन्न पदों के जरिए लंबे समय से सफीद्दीन को नेतृत्व के लिए तैयार कर रहा था. -पेज 12 भी देखें

ब्रीफ खबरें

केंद्रीय वित्त मंत्री पर दर्ज होगी एफआईआर

बेंगलुरु। बेंगलुरु की विशेष अदालत ने अब बंद हो चुकी चुनावी बॉन्ड योजना के जरिए जबरन वसूली के आरोपों को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है. जनाधिकार संघर्ष संगठन के आदर्श अय्यर की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में निर्मला सीतारमण और अन्य पर चुनावी बॉन्ड की आड़ में जबरन वसूली का रैकेट चलाने का आरोप लगाया गया था.

इसरो के 'शुक्र मिशन' में स्वीडन हुआ शामिल

नयी दिल्ली। स्वीडन इसरो के शुक्र ऑर्बिटर मिशन (वीओएम) में शामिल हो गया है. पिछले हफ्ते केंद्रीय कैबिनेट ने इस मिशन को मंजूरी दी थी. स्वीडिश इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस फिजिक्स कथित तौर पर इसरो को वीनसियन न्यूट्रल्स एनालाइजर इंस्ट्रूमेंट (वीएनए) प्रदान करेगा. यह एक हल्का, लो-पावर वाला लेकिन अत्यधिक सक्षम ऊर्जावान न्यूट्रल एटम (ईएनए) विश्लेषक है. वीएनए सूर्य और शुक्र के वायुमंडल एवं बहिर्मंडल से आने वाले चार्ज्ड पार्टिकल्स के बीच परस्पर क्रिया की स्टडी करेगा.

हरियाणा में कांग्रेस ने खोला तोहफों का पिटारा

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 53 पन्नों का डिटेल्ड मेनिफेस्टो जारी कर दिया है. मेनिफेस्टो में सरकारी कर्मियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम और महिलाओं को हर महीने दो हजार रुपए देने सहित कई वादे किए गए हैं. किसानों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी व फसल खराब पर तुरंत मुआवजा देने का वादा किया गया है. हालांकि कांग्रेस के घोषणा पत्र में अग्निवीर को लेकर कोई जिक्र नहीं है. - पेज 12 भी देखें

पेंशनभोगियों को मिली बड़ी राहत

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपने 65 लाख पेंशनरों को बड़ी राहत प्रदान की है. वित्त मंत्रालय ने पेंशन के भुगतान में हो रही देरी को गंभीरता से लिया है. अब सभी पेंशनभोगियों को महीने के आखिर में पेंशन मिल जाएगी. केंद्रीय पेंशन प्रसंस्करण केंद्र (सीपीपीसी) द्वारा महीने के अंतिम कार्य दिवस को एक रिपोर्ट भेजनी होगी, जिसमें बताना होगा कि पेंशनभोगियों के खाते में तय राशि भेज दी गई है.

देश में बेरोजगारी से बड़ा कोई मुद्दा नहीं

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को रोजगार के मुद्दे पर पीएम नरेंद्र मोदी पर जबरदस्त हमला बोला है. खरगे ने कहा कि देश में बेरोजगारी से बड़ा कोई मुद्दा नहीं है. मोदी जी, याद रखिएभारत का एक-एक युवा जिसके रोजगार को आपकी सरकार ने छीनने का काम किया है, वो चुनाव दर चुनाव भाजपा को हराने का एकमात्र काम करेगा.

सौगात : सीएम ने दो कार्यक्रमों में बांटी परिसंपत्तियां और सौंपे नियुक्ति पत्र, बोले

हमारी योजनाओं को रोकने का षड्यंत्र कर रही भाजपा

रवि भारती। रांची

सीएम हेमंत सोरेन ने शनिवार को भाजपा पर राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को बंद कराने का षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया. राजधानी रांची में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, हमने राज्य में आधी आबादी को सम्मान और आर्थिक रूप से मदद के लिए मंईयां सम्मान योजना शुरू की, तो उसे रुकवाने के लिए इनके लोग कोर्ट चले गए. केवल एक यही मामला नहीं है, हमने स्थानीयता नीति बनाई, बच्चों को नौकरी देने के लिए परीक्षाएं कराईं, तो उसके खिलाफ भी ये लोग कोर्ट चले गए. हमारी योजनाएं इन्हें खटक रही हैं. इन्हें सांप सूंघ गया है.

सीएम ने रांची के खेलगांव में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना में विदेशों में पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप स्वीकृति पत्र और कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया. इसके पूर्व उन्होंने एक अन्य कार्यक्रम में श्रम विभाग में नवनियुक्त 444 अफसरों को नियुक्ति पत्र भी सौंपा. सोरेन ने कहा कि सरकार ने मात्र दो साल में युवाओं की पढ़ाई से लेकर रोजगार और नौकरियों के सृजन की कई योजनाएं शुरू की हैं.

उन्होंने कहा कि सीएम रोजगार सृजन योजना के तहत लोग आसान दरों पर लोन लेकर स्वरोजगार शुरू कर रहे हैं. इंजीनियरिंग, मेडिकल और अन्य पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के लिए जरूरतमंद छात्रों की मदद के लिए सरकार ने गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की, जिसमें बगैर किसी गारंटी के अत्यंत कम ब्याज दर पर 15 लाख तक का कर्ज आसानी से मिल रहा है.

इस बार चुनौतियां विशेष रूप से रहीं : सीएम ने कहा कि इस बार चुनौतियां विशेष रूप से रहीं. लेकिन हमलोगों ने कभी हार नहीं माना. कभी थकान महसूस नहीं किया. उन्होंने कहा कि इस साल कैंपस के तहत 3000 विद्यार्थियों को सरकार द्वारा टाटा मोटर्स, होंडा, हिताची, मारुति सूजिकी सहित अन्य कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराया गया. इसके पीछे आपलोगों का प्यार और आशीर्वाद रहा.

हजार चुनौतियां आईं लेकिन हमने कभी हार नहीं मानी

जैप-1 शौर्य सभागार में नियुक्ति पत्र बांटते सीएम हेमंत सोरेन.

- सीएम ने खेलगांव विभिन्न कल्याण योजनाओं के तहत परिसंपत्तियों का किया वितरण
- छात्रवृत्ति योजना के तहत विदेश में पढ़ रहे छात्रों के बीच बांटी स्कालरशिप
- जैप-1 सभागार में 444 आटीआई प्रशिक्षण अधिकारियों को सौंपा नियुक्ति पत्र

अपना राज्य संभल नहीं रहा, यहां कर रहे साजिश

सीएम ने कहा, हम लाखों गरीबों के आवास के लिए केंद्र सरकार के पास नाक रगड़ते रहे, लेकिन उन्होंने पीएम आवास योजना के तहत हमें राशि नहीं दी. इसके बाद हम अपनी सरकार की ओर से अबुआ आवास योजना लेकर आए, जिसमें 20 लाख गरीबों को आवास देने का लक्ष्य रखा है. सोरेन ने कहा कि यहां चुनाव होने हैं, तो पता नहीं कहां-कहां से नेता आ गए हैं. गिद्धों की तरह झारखंड के आसमान को ढंक लिया है. वहां के सीएम भी यहां घूम रहे, जिनका अपना राज्य बाढ़ में डूबा है. उनसे अपना राज्य तो संभल नहीं रहा और यहां अपनी ही पीठ थपथपाने चले आए हैं. ये हमारे खिलाफ साजिश रच रहे हैं.

आज खोजने से भी नहीं मिलता समय

इससे पूर्व सीएम ने आईटीआई के 444 प्रशिक्षण अधिकारियों को 29 ट्रेडों के प्रशिक्षण के लिए नियुक्ति पत्र बांटे. कहा कि अब तकनीक की दुनिया है. इसमें हर व्यक्ति को हुनरमंद होना जरूरी है. क्योंकि अब वक्त की गति बढ़ गई है. ये कार्यक्रम जैप वन के शौर्य सभागार में श्रम नियोजन विभाग द्वारा आयोजित किया गया था.उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित केंद्रों से आपको नई दिशा दी गई. सरकार की नीतियों के अनुसार आपको राज्य और देश के विभिन्न कंपनियों में काम करने का मौका मिलेगा.

सीएम ने सांकेतिक रूप से इन्हें सौंपा नियुक्ति पत्र : सीएम ने सांकेतिक रूप से निर्मल कुजूर, अल्फोंसा मुर्मू, अजीत सिंह मुंडा,शिवानी प्रधान, अमित भुईयां, नितेश बैठा,शशि प्रताप कुजूर, सुनीता कुमारी, जीतेंद्रनाथ मुर्मू, ज्ञान प्रकाश हेंब्रम, सुनील कुमार यादव,उफरान अख्तर, सोना कुमारी, जीतेंद्र रजक, विष्णु उरांव, ऊषा किरण मुर्मू, जयंत बनर्जी, दिनेश सोरेन, प्रेम किस्कू, विक्रांत सागर मिंज, हीरालाल साहा, जियाराम हेंब्रम, पप्पू कुमार यादव, योगेश कुमार, विभा कुमारी, संजय सांगा, अनिशा खातून, हेमंत कुमार और कुमारी पूजा महतो को नियुक्ति पत्र सौंपा.

परिवर्तन यात्रा : समापन कार्यक्रम में नेताओं का हुआ जुटान

हेमंत सरकार में बेटी-माटी दोनों संकट में हैं: शिवराज

संजीत यादव। डाल्टनगंज

पलामू प्रमंडल में भाजपा की परिवर्तन यात्रा के समापन के दौरान शनिवार को केंद्रीय कृषिमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और अमर बाउरी शिवाजी मैदान पहुंचे. इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने हेमंत सोरेन सरकार पर खूब निशाना साधा. कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार को उखाड़ फेंकना है. हेमंत सरकार ने राज्य को तबाह-बर्बाद कर दिया है. सीएम को याद दिलाते हुए कहा कि सरकार ने पांच लाख नौकरी देने का वादा किया था, लेकिन नौकरी नहीं दे पाई. 4:30 साल तक गायब रहे.

उहोंने कहा कि झारखंड में युवाओं ने सपना देखा था कि उत्पाद सिपाही बहाली में दौड़ कर वर्दी पहन कर घर लौटेंगे, लेकिन वर्दी में नहीं कफन ओढ़ कर लौटे. ये मौत नहीं है, हत्या हुई है. भाजपा की सरकार बनी तो हाई लेवल जांच करा कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी. हेमंत सरकार में पेपर लीक का एक मुद्दा बन गया है. भाजपा सरकार आने पर इसकी जांच होगी और पेपर लीक करने वालों को किसी भी कीमत में नहीं छोड़ेगी. झारखंड में बेटी और माटी संकट में हैं.

उहोंने कहा कि भाजपा किसानों के हितैषी है. शिवराज ने मंईयां सम्मान योजना पर जेएमएम सरकार को घेरा. कहा, यह तो हमारा प्रोजेक्ट है, हेमंत चुनाव से पहले लाडली बहना योजना की नकल कर रहे. हमारा घोषणा पत्र आने वाला है. हरियाणा में जैसे हमने घोषणा पत्र बांटा, उसमें बहनों को 2,100 रुपए हर माह डालने का संकल्प है. शिवराज ने वादा किया कि राज्य में बीजेपी की सरकार आने पर महिलाओं को दो हजार रुपए हर महीने देंगे. वही परिवर्तन यात्रा सभा समापन के दौरान पलामू सांसद वीडी राम, विधायक आलोक चौरसिया, शशि भूषण मेहता, पुष्पा देवी, राम चन्द्र चन्द्रवंशी, मनोज सिंह, अमित तिवारी, अरुणा शंकर, ज्योति पांडेय, मंगल सिंह समेत हजारों भाजपा के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए. इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हेमंत सोरेन ने पांच वर्षों में सिर्फ जनता को ठगने का काम किया है. हेमंत सोरेन की सरकार ने पांच लाख नौकरी देने की बात कही थी, लेकिन नौकरी के नाम पर सिर्फ धोखा ही मिला नौकरी नही मिली, नौकरी देने के नाम पर परीक्षा का भी आयोजित करते हैं, तो परीक्षा से पहले ही पेपर लीक हो जाता है.

उन्होंने जनता से अपील की कि झारखंड से झामुमो की सरकार को हटाना है, भाजपा की सरकार बनाना है. साथ ही प्रधानमंत्री के द्वारा चलाई जा रही सभी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जनता को बताया.

परिवर्तन यात्रा की समापन सभा को संबोधित करते शिवराज सिंह चौहान.

दो अक्टूबर के बाद एनडीए का होगी सीट शेयरिंग फाइनल

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव के एनडीए की सीट शेयरिंग दो अक्टूबर के बाद फाइनल हो जाएगी. जानकारी के अनुसार विधानसभा की 99 फीसदी सीटों पर बातचीत हो चुकी है. सिर्फ एक-दो सीटों पर ही पेंच है. असम के सीएम सह झारखंड बीजेपी के विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने भी स्पष्ट कहा है कि पितृपक्ष के बाद सीटों की घोषणा कर दी जाएगी. प्रदेश भाजपा तीन अक्टूबर से घोषणा पत्र के प्रमुख बिंदुओं को जारी करेगी. दो अक्टूबर को पीएम नरेंद्र मोदी झारखंड दौरे पर आएंगे. हजारीबाग में आयोजित परिवर्तन यात्रा के समापन समारोह को संबोधित करेंगे. बताते चलें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 20 सितंबर को परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की थी.

उत्तर प्रदेश

ट्रेंडिंग न्यूज

मौलवी से 'राम-राम' सुन कर चौंके योगी

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने जम्मू-कश्मीर दौरे के बारे में बताया, मैं वहां पिछले दो दिनों से वहां था. इस दौरान एक व्यक्ति ने मुझसे योगी साहब राम-राम किया.मौलवी से राम राम सुन मैं चौंक गया, लेकिन पीएम मोदी के राज में यह बहुत बड़ा बदलाव है.

फिल्म

पंजाब में नहीं दिखेगी 'इमरजेंसी'

बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी पंजाब में नहीं चलने दी जाएगी. शनिवार को हुई शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की आंतरिक समिति की बैठक में यह फैसला लिया गया है.

क्रिकेट

आईपीएल 2025: पांच खिलाड़ी होंगं रिटेन

आईपीएल 2025 के लिए सभी टीमों के पास पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने का विकल्प होगा. इसके अलावा टीमों के पास नीलामी में एक राइट टू मैच कार्ड का भी विकल्प होगा. हालांकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की गई है.

हैकर्स की चाल त्योहारों के सीजन में फेक शॉपिंग वेबसाइट्स से भी रहें सावधान

आईआरसीटीसी का नकली ऐप खाली कर देगा बैंक अकाउंट

एजेंसियां। नयी दिल्ली

मोबाइल यूजर्स के ऊपर ऑनलाइन फ्रॉड का बड़ा खतरा मंडरा रहा है. एक रिपोर्ट के अनुसार साइबर सिक्योरिटी सल्यूशन प्रोवाइडर क्विक हील ने उन खतरों को लेकर एडवाइजरी जारी की है, जिनसे हैकर यूजर्स को शिकार बना रहे हैं. फेक आईआरसीटीसी ऐप और फर्जी शॉपिंग वेबसाइट से होनेवाले स्कैम इन्हीं में से एक हैं.

साइबर सिक्योरिटी रिसर्चर्स ने एक हाइटेक स्पाइवेयर की पहचान की है, जो आईआरसीटीसी ऐप की तरह है. यह मलीशियस ऐप यूजर के फेसबुक और गूगल अकाउंट के यूजर नेम व पासवर्ड को चुरा लेता है, ताकि हैकर गूगल ऑथेंटिकेटर से कोड्स को ऐक्सेस कर सकें. साथ ही यह यूजर के जीपीएस और लोकेशन की डीटेल भी हैकर को दे देता है. यह ऐप यूजर के बैंकिंग डीटेल्स को भी चुरा सकता है. चिंता की बात यह है कि इस मैलवेयर की मदद से हैकर यूजर के फोन के कैमरे से वीडियो रिकॉर्ड करके उसे कहीं भी सेंड कर सकते हैं. ये ऐप फोन में इंस्टॉल्ड ऐप्स के डेटा को कलेक्ट करके कमांड और कंट्रोल सेंटर को भेज देता है.

फेस्टिव सीजन में फेक शॉपिंग वेबसाइट का खतरा

दशहरा, दिवाली और क्रिसमस जैसे बड़े त्योहारों में यूजर खूब सारी शॉपिंग करतेहैं. फेस्टिव सीजन हैकर्स के लिए भी काफी खास होता है. इसमें हैकर असली शॉपिंग वेबसाइट जैसी दिखने वाली फेक वेबसाइट क्रिएट करके यूजर्स के साथ फ्रॉड करते हैं. इन वेबसाइट्स का नाम असली से काफी मिलता-जुलता होता है. साइबर क्रिमिनल्स शॉर्ट यूआरएल का इस्तेमाल करते हैं, ताकि यूजर असली और नकली वेबसाइट की पहचान न कर सकें. इन फेक वेबसाइट के फर्जी ऑफर वाले लिंक को जालसाज वॉट्सऐप, एसएमएस और ईमेल पर भेज कर यूजर्स को अपने जाल में फंसाते हैं.

इन लिंक्स में यूजर्स : को पर्सनल डीटेल्स को एंटर करने के अलावा कॉन्टैक्ट्स, मेसेजेस और कॉल रिकॉर्ड को ऐक्सेस करने की परमिशन देने को कहा जाता है. हैकर्स यूजर्स को फेक वेबसाइट वाले फ्रॉड में फंसानेके लिए स्पेशल दिवाली गिफ्ट जैसे कई लुभावनेऑफर देते हैं.

क्यूआर कोड फिशिंग : क्यूआर कोड फिशिंग स्कैम आजकल काफी ट्रेंड में है. इसमें साइबर क्रिमिनल यूजर्स को टेक्स्ट मेसेज, सोशल मीडिया ऐप या ईमेल के जरिए क्यूआर कोड भेजते हैं. स्कैन किए जानेपर ये कोड यूजर्स को फेक वेबसाइट पर रीडायरेक्ट कर देते हैं, जो दिखने में असली जैसी लगती है.

गिफ्ट कार्ड स्कैम : गिफ्ट कार्ड से होनेवाले फ्रॉड की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है. हैकर यूजर्स को इनाम जीतने या गिफ्ट कार्ड क्लेम करने के लिए फेक मेसेज भेजते हैं. गिफ्ट पाने के लिए इन मैसेज में दिए गए लिंक्स पर क्लिक करने को कहा जाता है. लिंक पर क्लिक करते ही यूजर बुरी तरह फंस जाते हैं.

ये नया भारत है, घर में घुस कर मारता है: पीएम मोदी

एजेंसी। जम्मू

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जम्मू में एक जनसभा में कहाकि उन्हें जम्मू-कश्मीर में भाजपा के प्रति भारी उत्साह देखने को मिल रहा है. मोदी ने कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस व पीडीपी पर निशाना साधते हुए कहा कि लोग तीन परिवारों की राजनीति से त्रस्त हैं. यहां के लोग अब आतंकवाद और खून-खराबा नहीं चाहते. वे अपने बच्चों के लिए बेहतर भविष्य और शांति की चाह रखते हैं. यही कारण है कि लोग भाजपा सरकार को समर्थन दे रहे हैं.

पीएम मोदी ने पिछले दो चरणों के भारी मतदान का उल्लेख करते हुए कहा कि कि जम्मू-कश्मीर की जनता का मूड भाजपा के पक्ष में है. उन्होंने दावा किया कि राज्य में भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली पहली सरकार बनने जा रही है. 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक को याद करते हुए कहा, आज ही की रात सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी. हमने दुनिया को बताया था कि यह नया भारत है, जो घर में घुस कर मारता है. उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस आज भी इस मुद्दे पर पाकिस्तान की भाषा बोलती है.

- जम्मू की चुनावी रैली में पीएम ने सर्जिकल स्ट्राइक की याद दिलाई
- जम्मू-कश्मीर में पहली बार बनने जा रही भाजपा की सरकार

2100 शिक्षक और 7200 आमलोग भी नए आइडिया से हुए रू-ब-रू

राज्य के बच्चे वैज्ञानिक सोच के साथ बढ़ रहे आगे, मिल रहा बढ़ावा

- अबतक 95 हजार बच्चों को मिल चुकी है वैज्ञानिक जानकारी

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने स्कूली बच्चों के वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने की कवायद शुरू की है. इसके लिए साइंस एग्जीविशन बस का संचालन किया जा रहा है.इसका उद्देश्य विज्ञान का प्रचार-प्रसार करने के साथ आम जनों में विज्ञान के प्रति जागरूकता पैदा करना है. इसके जरिये विज्ञान केंद्रों, साइंस सिटी, तारामंडल, इनोवेशन हब की स्थापना करने पर जोर दिया जा रहा है. साथ ही शोध अन्वेषण कार्य, वर्कशॉप, सेमिनार के आयोजन की भी जानकारी दी जा रही है. इन साइंस एग्जीविशन बसों के जरिये राज्य के 183 स्कूलों के 95200 बच्चों, 2100 शिक्षक और 7200 आम लोगों को विज्ञान के विभिन्न आयामों से अवगत कराया जा चुका है.

स्पेस टेक्नोलॉजी के साथ मानव कल्याण की जानकारी भी : साइंस एग्जीविशन बसों के जरिये बच्चों, शिक्षकों और आमलोगों को अब स्पेस टेक्नोलॉजी से मानव कल्याण की जानकारी भी दी जाएगी. इसके लिए और दो अतिरिक्त साइंस एग्जीविशन बसों का संचालन किया जाएगा. इन बसों के संचालन के लिए वर्ष 2024 में एक करोड़ 11 लाख,80 हजार 780 रुपये खर्च किए जाएंगे. वहीं 2025 में एक करोड़ 17 लाख 48 हजार 80 रुपये खर्च किए जाएंगे.

विज्ञान केंद्र में इनकी मिलेगी जानकारी : फन साइंस गैलरी एक्रोबिक स्टीक, ऑल रोड लीड टू रोम, एनामोरफोसिस, एरिया ऑफ सर्किल, ब्रीथिंग स्कावयर, स्केनिमेशन के साथ साइंस पार्क में एक्शन एंड रियेक्शन, कोण रन अपहिल्स, लिफ्ट योरसेल्फ, स्वींग इन पेंडुलम, रोलर कोस्टर, टग ऑफ वार, लूप द लूप, टेलिस्कोम और इनोवेशन हब की सुविधा मिलेगी.

जिला विज्ञान केंद्रों में भी टग ऑफ वार की जानकारी

जिला विज्ञान केंद्रों में बच्चों को विज्ञान से जुड़ी नई खोज और शोध की जानकारी दी जाएगी. राज्य में आठ जिलों,लोहरदगा, गिरिडीह, हजारीबाग, बोकारो, धनबाद, देवघर, दुमका व पलामू में जिला विज्ञान केंद्रों को नये सिरे से विकसित करने की कार्रवाई की जा रही है. इन जिला विज्ञान केंद्रों में छात्रों को विज्ञान के सिद्धांतों को विभिन्न वैज्ञानिक प्रदर्शनी और उपकरणों के माध्यम से सरल ढंग से समझाया जायेगा, जिससे छात्र-छात्राओं को अपने वैज्ञानिक ज्ञान का अधिकतम उपयोग कर सकेंगे और वैज्ञानिक सोच को आगे बढ़ा सकेंगे. फिलहाल धनबाद में स्थापित होने वाले विज्ञान केंद्र के लिए10 करोड़ 62 लाख 77 हजार रुपये उपलब्ध कराए गए हैं.

तोए मोके नी जानिस ला, मोय तो खुदे आदिवासी मने के सबसे बड़का नेता

संजय सिंह

ई बड़ बोला नेताजी पंजा लड़ाईया पार्टिया में हैं. वईसे तो कोशिश कईले रहते हैं कि सभे से भाईचारगी बनल रहे, ईसीलिए लोग ई महोदय को पियार से कभी बंधु,. तो कभी दादा भी बोलते हैं. जनजातीय समुदाय से आते हैं, तो खुदे को आदिवासी का बड़का नेता कह-कह कर अपनी पीठिया खुदे थपथापईले रहते हैं. पॉलिटिकल अंड-बंड बोले में ददवा सुपरेफास्ट हईए हैं. अब देखिए न, ई दादा के थोड़का पईसा ला सूली में चढ़े पड़ गिया. लगता है माल-पत्तरवा के हिसाब-किताब रखे में गड़बड़ कर दीहिन थे, बेचारे छोटका सा रकमवा का हिसाब न दे पाहिन. ओकरे चक्कर में ददवा के विधायकी गुल हो गई. चुनावो न लड़े पार रहे दद्दू. बिटिया के खींच लाइन राजनीति में. बिटाये के सहारे अपनो राजनीतिया चमकाइले हैं. पंजा लड़ावेवाली पार्टिया में ददवा के बड़का जिम्मेवारी मिल गईस थी. जिम्मेवारी की मिली, चउवे पर चले लगे. पंजवा लड़वईया पार्टिया में ढेरे हाफ-डीप देवे लगीन. रह-रह के दिल्ली उडइत रहते थे, पंजा पार्टिया में बड़का पंजवा धरे लगी. लेकिन ई का, ददवा छितराईए गिये. बड़का पदवा लगी लकलाईकले थे, बड़का नेतवान लोगिन के खूबे आगे-पीछे किहीन. लगातार ददवा के हफनी धईले रहिस, लेकिन ई पार्टिया में तो एक से बढ़ कर एक घाघ नेतवन अईसन लंघी मारीस कि छितराईले रह गिये. बड़का पद हाथ से निकल गईस था, तो लौट के बुद्धु घर को आये वाला नियमवा के पालन करे लगे. लेकिन ई नेताजी के बड़का फेंकू भी उनकी पार्टिए वाला लोग बोलइत रहता है. वइसे क्षेत्रवा में बिटिया के साथे घूमते हैं, कोई इड़िंग-बीड़िंग बतायाता है, तो चल से कहता है- अरे तोएं मोके नी जानिस ला. मोय तो खुदे आदिवासी मन कर बड़का नेता. मोर नाम तो तोएं सुईन हिस न. वईसे भी ददा केकरो कुछो बोल जाते हैं. बड़का-बड़का नेतवन लोग के भी पानी पिलाइले रहते हैं. ई ददवा में दल-बदले वाला खासियत भी है. पहिले ददवा अपन अग्गू-भग्गू लोगन के साथे पार्टी बना लीहिस, ले किन सकिस न. फिर एगो बिना नाम सुनल पार्टिया के सिंबल पर विधानसभा पहुंच गईस. कई दफा विधानसबा चुनाउवा पटकनिया भी खा गए ददा. लेकिन राजनीति का नशा तो नशे न हैं. जब झारखंड-बिहार साथे-साथ था, तो ददा लालटेन के रोशनी में राजनीतिक भविष्य तलाशइत घूमईत रहते थे. लालटेन पार्टिया ददवा के एगो चेयरमैनशिप दे दीहिस था. लेकिन चांर दिन की चांदनी, फिर अंधेरिया रात वाली कहावत लागू हो गई. चूंकि ददवा बन मेहनत के सत्ता सुख भेंटा गईल था, तो सत्ता लगी हंफनी धर लीहिस. बिन सत्ता के मने न लगता था. उछल-कूद मचाईले रहिन. लालटेन फोड़ दीहिन. कभी घास-फूस पार्टिया में घुसियाए, तो कभी कंघी से चूल सजावेवाली पार्टिया में जंप लगाईले रहे. कंघी में चांस मिल गईस, लेकिन ऊ पार्टिया के बड़का नेताजी बीचे रास्ता में गच्चा देकर कमल फूल खिलावे लगी पूरा का पूरा का पार्टिया लेले- देले घुसिया गिये, तो ददा एगो संथाल इलाका वाला नेताजी के साथे पंजा लड़ावे लगी घुसिया गिये. ददा के ऊ पार्टिया में जगहवो मिल गईस. अब पैर धरे के जगहवा मिल गईस, तो लगे हथवो फैलावे और पैरवो फैलावे. रांची से लेकर दिल्ली तक हाफ-डीप कईले रहे. लेकिन सेटिंग-गेटिंग में पिछुवा गिये, तो हांफे लगे. ददवा के बुझाए लग गिया कि भाई ईहां राह तनिका कठिन है. लेकिन ददा तो ददा ठहरे. कहां हार मानेवाला है. लगल हैं पंजवा में पंजा लडावे के जुगाड़-पानी ला. वईसे बता दें कि ददा पहिले बैंकों के नौकरिया कर लीहिन हैं. लेकिन कहे न मैथ्सवा में स्कूले लेवल से कमजोर रहिन थे, तो बैंकवो वाला नौकरिया में भी गलती-सलती कर दीहिन. बैंकवों की नौकरिया से हाथ धोवे पड़ गईस था. अब मैथ्सवा में कमजोर होवे के कारण छोटा-छोटा अमाउंटवा के भी हिसाब-पत्तर रखे में पिछुवा गिये, तो फंसिए गिये. अईसन हो गिया कि ददा चुनावे न लड़ पा रहिन हैं, लेकिन बेटी के विधायक बनवा के ओकरे सहारे अपनो नेतागिरी चमकाईले हैं. अब आगे-आगे देखिए होता है क्या. ददवा के पंजवा लड़वईया पार्टिया में तनिका धाक तो जरूर है, लेकिन ऊ पार्टिया में एक से बढ़कर एक घाघवन ढुकल है, तो ओकरे से पार पावे में पसीनवा छूट जा रहिस है. लेकिन बड़ बोलू नेताजी अपनी आदत से कहां बाज आनेवाले हैं, खुद को आदिवासियों को बड़का नेता बताइले अपने पीठवा खुदे थपथपाईले घूमईत रहते हैं. दिन रात जुगाड़े मैनेजमेंट लगल रहते हैं.

चुनावी चकल्लस

नयी दिल्ली के आईसीसीआर परिसर में कार्यक्रम का आयोजन

आईसीसीआर और झारखंड पर्यटन कला संस्कृति विभाग के बीच एमओयू साइन

संवाददाता। रांची

एमओयू साइन करने के बाद पदाधिकारी.

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) और झारखंड पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के बीच एमओयू हुआ. नई दिल्ली के आईसीसीआर परिसर में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया. आईसीसीआर के महानिदेशक कुमार तुहिन की उपस्थिति में झारखंड सरकार के कला संस्कृति निदेशक आसिफ एकराम ने और आईसीसीआर की उप महानिदेशक अंजू रंजन ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये. कार्यक्रम में झारखंड सरकार के सांस्कृतिक कार्य निदेशालय के उप निदेशक जितेंद्र बहादुर सिंह और प्रशाखा पदाधिकारी विवेक कुमार सिंह उपस्थित रहे.

कलाकारों को विदेशों में कला का प्रदर्शन करने के लिए मिलेगा विस्तृत मंच : झारखंड सरकार ने पहली बार आईसीसीआर के साथ राज्य की कला और संस्कृति की अभिव्यक्ति, प्रचार-प्रसार और विकास के क्षेत्र में एमओयू किया है. इससे राज्य की समृद्ध कला संस्कृति का प्रचार-प्रसार विदेशों में किया जा सकेगा. राज्य के कलाकार विदेशों में अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए विस्तृत मंच प्राप्त होगा. इस सांस्कृतिक आदान प्रदान से राज्य के कलाकारों को भी लाभ प्राप्त होगा. बता दें कि 11 नवंबर 2022 को आयोजित सांस्कृतिक सम्मेलन में 21 राज्यों ने पहले ही आईसीसीआर के साथ एमओयू कर लिया है.

सरकार का विदेशों में बढ़ेगा सांस्कृतिक और राजनयिक संबंध : आईसीसीआर के महानिदेशक कुमार तुहिन ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष की बात है कि झारखंड सरकार ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किया है. इससे आईसीसीआर और झारखंड सरकार के बीच संबंध बेहतर होंगे. सरकार का सांस्कृतिक और राजनयिक संबंध विदेशों में बढ़ेगा. वहीं झारखंड सांस्कृतिक कार्य निदेशक आसिफ एकराम ने कहा कि इस समझौते पर हस्ताक्षर होने से झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का भारत और विदेशों में प्रचार प्रसार होगा. राज्य के कलाकारों को विदेशों में अपनी कला का प्रदर्शन के लिए विस्तृत मंच प्राप्त होगा. साथ ही विदेशों की कला संस्कृति का झारखंड में प्रदर्शन होने से पर्यटन और कला संस्कृति का विकास होगा. बता दें विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), देश और विदेश में विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक और कला से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन और संचालन करती है.

ब्रीफ खबरें

बदले गये 91 अंचल के सीओ राम प्रवेश भेजे गए नामकुम

रांची। राज्य सरकार ने बड़े पैमाने पर अंचल अधिकारियों का तबादला किया है. भू-राजस्व विभाग ने 91 अंचल अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग से संबंधित अधिसूचना शुक्रवार देर रात जारी की है. राम प्रवेश कुमार को नामकुम का सीओ बनाया गया है. वहीं मो. अनीस को इटकी, राजेश कुमार को नगड़ी, चंचला कुमार को मांडर, हंस हेंब्रोम को बुंडू, प्रवीण कुमार सिंह को सिल्ली, शिशुपाल आर्य को खूंटी सदर, मनोज कुमार चौरसिया को पतरातू रामगढ़, मनोज कुमार को बड़कागांव (हजारीबाग) और बिजय कुमार महतो को कटकमदाग (हजारीबाग) का सीओ बनाया गया है.

चार सार्जेंट मेजर का तबादला एक का ट्रांसफर रद्द

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने चार सार्जेंट मेजर का तबादला किया है. वहीं एक सार्जेंट मेजर का ट्रांसफर रद्द कर दिया है. डीजीपी के आदेश पर डीआईजी कार्मिक ने इससे संबंधित आदेश जारी किया है. जारी आदेश के मुताबिक, ब्रजेश कुमार को स्पेशल ब्रांच, अजीत कुमार चौबे को जामताड़ा, राजेश रंजन को सीटीसी मुसाबनी और विधान चंद्र शर्मा को सीटीसी मुसाबनी में तबादला किया गया. जबकि अभिनव पाठक का ट्रांसफर रद्द करते हुए उन्हें केंद्रीय वस्त्र भंडार रांची में पदस्थापित किया गया.

संदीप नागपाल बने रेलवे के डीआरयूसीसी सदस्य

रांची। रांची नागरिक समिति के सचिव छोटानागपुर पैसेंजर एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष संदीप नागपाल एक बार फिर से रेलवे के डीआरयूसीसी सदस्य मनोनीत किए गए. मालूम हो कि संदीप नागपाल पिछले कई वर्षों से रेलवे में यात्रियों की जन सुविधाओं की आवाज को रेलवे अधिकारियों एवं रेल मंत्रियों तब हमेशा उठाते आए हैं, ताकि यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सके. वे पिछले कई वर्षों से रेलवे के सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में भी योगदान दे चुके हैं. नागपाल के डीआरयूसीसी सदस्य का कार्यकाल 16 अगस्त 2026 तक रहेगा, उनके रेलवे के डीआरयूसीसी सदस्य बनने पर रक्षा राज्य मंत्री एवं सांसद संजय सेठ, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, पूर्व उप महापौर संजीव विजय वर्गीय, पवन मंत्री, भाजपा महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, अरुण जोशी, आशीष भाटिया, अश्वनी मल्होत्रा, पूनम आनंद, आदित्य मल्होत्रा, रतन चोपड़ा, गुनीश अरोड़ा, संजय जैन, शंभू प्रसाद ने बधाई दी है.

5277 पंडालों में होगी दुर्गा पूजा
2346 लाइसेंसी व 2931 गैर लाइसेंसी

सौरभ सिंह। रांची

दुर्गा पूजा की शुरुआत 3 अक्टूबर से होगी. झारखंड के सभी जिलों में भव्य तरीके से दुर्गा पूजा का आयोजन किया जाएगा. सभी जगहों पर पूजा पंडाल का निर्माण लगभग पूरा कर लिया गया है. झारखंड पुलिस की रिपोर्ट की मानें तो राज्य में इस बार 5277 पंडालों में दुर्गा पूजा का आयोजन किया जाएगा. इनमें 2346 पूजा पंडाल लाइसेंसी और 2931 गैर लाइसेंसी हैं. रिपोर्ट के अनुसार, जमशेदपुर में सबसे अधिक 408 लाइसेंसी दुर्गा पूजा पंडाल हैं. वहीं गढ़वा में 640 गैर लाइसेंसी दुर्गा पूजा पंडाल बन रहे हैं. दुर्गा पूजा के दौरान राज्य में विधि व्यवस्था की कोई समस्या उत्पन्न ना हो, इसको लेकर भी झारखंड पुलिस सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर रही है. मुख्य सचिव ने शुक्रवार को विधि व्यवस्था रांची में एक अहम बैठक की थी. इसमें पुलिस के आला अधिकारी भी शामिल हुए. मुख्य सचिव एल खियांग्ते ने पुलिस पदाधिकारियों को इस बैठक में जरूरी निर्देश दिये. उन्होंने थाना स्तर पर शांति समिति की बैठक करने को कहा है. साथ ही समाज के प्रबुद्ध व्यक्तियों को अपने साथ जोड़ने और विधि-व्यवस्था बनाये रखने में उनकी मदद लेने को भी कहा है.

झारखंड पुलिस की रिपोर्ट

जानें किस जिले में कितने लाइसेंसी व गैर लाइसेंसी दुर्गा पूजा पंडाल

जिला	लाइसेंसी	गैर लाइसेंसी
रांची	130	277
खूंटी	33	28
सिमडेगा	31	19
गुमला	49	40
जमशेदपुर	408	128
चाईबासा	97	10
सरायकेला	89	97
बोकारो	147	177
धनबाद	241	105
रामगढ़	81	59
हजारीबाग	163	54
चतरा	71	119
गिरिडीह	120	80
कोडरमा	57	6
लातेहार	67	54
पलामू	96	454
गढ़वा	27	640
देवघर	46	149
जामताड़ा	74	59
दुमका	101	115
गोड्डा	34	64
साहिबगंज	48	60
पाकुड	45	72
कुल	**2346**	**2931**

कोर्ट की खबरें

हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी राज्य सरकार

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

संथाल परगना इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठ को रोकने और इसकी जांच के लिए दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट द्वारा दिये गये आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी. राज्य सरकार की ओर से अगले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) दाखिल कर हाईकोर्ट के आदेश को निरस्त किये जाने की मांग की जाएगी. एसएलपी दायर करने से पहले सभी कानूनी पहलुओं पर विचार कर लिया गया है. राज्य सरकार हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देगी, जिसमें अदालत ने घुसपैठ की जांच के लिए केंद्र और राज्य सरकार से फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित करने और इसके लिए दो अधिकारियों का नाम 30 सितंबर से पूर्व अदालत को बताने का निर्देश दिया था.

बांग्लादेशी घुसपैठ मामला

हाईकोर्ट में एक अक्टूबर को होगी सुनवाई : बता दें कि जमशेदपुर के रहने वाले दानयल दानिश ने बांग्लादेशी मूल के लोगों द्वारा संथाल के इलाके में घुसपैठ का मामला उठाते हुए हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है. इस याचिका पर अब तक की हुई सुनवाई में केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा है कि संथाल इलाके में आदिवासियों की संख्या घटी है और वहां की जमीन मुस्लिम धर्म के लोगों को गिफ्ट डीड के जरिये दी जा रही है. वहीं केंद्र ने अपने हलफनामे में यह भी बताया है कि संथाल इलाके में ईसाई समुदाय के लोगों की संख्या में कई गुणा इजाफा हुआ है और आदिवासियों की आबादी 44 फीसदी से मात्र 28 फीसदी रह गयी है. हालांकि बांग्लादेशी मूल के व्यक्तियों द्वारा घुसपैठ किये जाने को लेकर कोई ठोस जानकारी नहीं दी गयी है. दानयाल दानिश की जनहित याचिका 1 अक्टूबर को सुनवाई के लिए हाईकोर्ट के सूचीबद्ध है.

लोक अदालत में 36 मामलों का निष्पादन

रांची। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के निर्देश पर शनिवार को हाईकोर्ट में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया. हाईकोर्ट के न्यायाधीश रंगन मुखोपाध्याय, जस्टिस रत्नाकर भेंगरा और जस्टिस दीपक रौशन की अध्यक्षता में कुल तीन बेंचों का गठन किया गया. तीनों बेंचों में हाईकोर्ट में लंबित रिट, पेंशन, मोटर एक्सीडेंट क्लेम, भूमि विवाद और सुलहनीय अपराधिक मामलों की सुनवाई हुई. पेंशन तथा वाहन दुर्घटना मामले से संबंधित इंश्योरेंस कंपनियों के पदाधिकारी, पक्षकारों व उभय पक्षों के अधिवक्ताओं के सकारात्मक प्रयासों के फलस्वरूप तीन करोड़ रुपये से अधिक राशि का लाभ विभिन्न लाभुकों को प्राप्त हुआ. लोक अदालत में कुल 36 मामलों का निष्पादन किया गया. अनुकंपा के आधार पर सीसीएल के कुल 10 लाभुकों को नियुक्ति पत्र भी दिये गये.

झारखंड में 14,16,114 मामले निष्पादित

विधि संवाददाता। रांची

झालसा के दिशा-निर्देश पर हाईकोर्ट समेत जिला अदालतों में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत लगाई गई. जिसका उद्घाटन हाईकोर्ट के न्यायाधीश सह झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने किया.

राष्ट्रीय लोक अदालत में झारखंड में कुल 14,16,114 मामलों का सफलता पूर्वक निष्पादन किया गया. वहीं 13,82,76,78,746 रुपए का सेटलमेंट किया गया. हाईकोर्ट से लेकर अनुमंडल न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत लगायी गयी थी. लोक अदालत में अलग अलग कोर्ट में लंबित 1,11,405 मामले और प्री-लिटिगेशन के 13,04,709 मामलों का निष्पादन किया गया. हाईकोर्ट में आयोजित लोक अदालत में कोर्ट में लंबित 26 एवं प्री-लिटिगेशन के 10 मामले कुल 36 मामलों का निष्पादन किया गया.

क्लासिफाइड

Yashvi RESTRO-BAR
यशवी बार एंड रेस्टोरेंट
YASHVI
RESTRO-BAR
अपोजिट गंगौर स्वीट्स कालीमाटी रोड
नियर बाय सागर होटल

विधानसभा चुनाव — इंदर सिंह नामधारी अभी वेट एंड वॉच की स्थिति में

आलोक या त्रिपाठी, कहीं फिर नामधारी नाम न चले

- भाजपा विधायक आलोक चौरसिया हैट्रिक लगाने की तैयारी में
- वर्ष 2009 में केएन त्रिपाठी ने दिलीप नामधारी को हराया था
- 17 चुनाव में से छह बार नामधारी और चार बार पूरनचंद ने जीत हासिल की

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर सभी राजनीतिक दलों के साथ ही चुनाव लड़ने को इच्छुक नेताओं ने भी अपनी तैयारियां शुरू कर दी है. डालटनगंज विधानसभा सीट से छह बार चुनाव में विजयी रहे इंदर सिंह नामधारी अब अपनी राजनीतिक विरासत पुत्र दिलीप सिंह नामधारी को सौंपना चाहते हैं. वहीं वर्तमान विधायक आलोक चौरसिया इसबार हैट्रिक मारने की तैयारी मै है.2014 में झाविमो से पहली बार विधायक चुनकर कर विधानसभा पहुंचे,पाला बदलकर भाजपा में शामिल हुए आलोक इस बार हैट्रिक लगाने की चैयारी कर रहे है. वहीं पिछले दिनों इंदर सिंह नामधारी ने नई दिल्ली जाकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात कर चुके हैं. इसके अलावा पुत्र को टिकट दिलवाने के लिए नामधारी बीजेपी नेताओं से भी संपर्क में हैं. हालांकि वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में डालटनगंज सीट से बीजेपी टिकट पर आलोक चौरसिया ने जीत हासिल की थी. ऐसे में इंदर सिंह नामधारी चाहते हैं कि इस बार आलोक चौरसिया की जगह बीजेपी उनके पुत्र दिलीप सिंह नामधारी को उम्मीदवार बनाए. इससे पहले वर्ष 2009 में भी दिलीप सिंह नामधारी को बीजेपी ने उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्हें जीत नहीं मिली थी.

झारखंड विधानसभा के पहले अध्यक्ष और चतरा से निर्दलीय सांसद रह चुके इंदर सिंह नामधारी की गिनती राज्य के प्रमुख दिग्गज नेताओं में होती है. डालटनगंज विधानसभा सीट से सबसे अधिक छह बार जीतने का रिकॉर्ड भी उनके ही नाम हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से सक्रिय राजनीति से दूर इंदर सिंह नामधारी की कोशिश है कि दिलीप सिंह नामधारी भी झारखंड की राजनीति में स्थापित हो जाए. यही कारण है कि कुछ दिन पहले इंदर सिंह नामधारी ने गुपचुप तरीके से दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से भी मुलाकात की. बताया जाता है कि इस मुलाकात के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से टिकट को लेकर नामधारी को कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया गया. उन्हें सलाह दी गई कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से बात करें और पार्टी में शामिल हो जाए. दूसरी तरफ इंदर सिंह नामधारी बीजेपी के भी कई शीर्ष नेताओं से संपर्क में है. लेकिन बीजेपी विधायक आलोक चौरसिया का टिकट काट कर दिलीप सिंह नामधारी को उम्मीदवार बनाए जाने को लेकर उन्हें कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है. इस कारण अभी उनके लिए ऊहापोह की स्थिति है और वो सही समय का इंतजार कर रहे हैं.

वर्ष 2009 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी ने बीजेपी प्रत्याशी दिलीप सिंह नामधारी को पराजित किया। इस चुनाव के बाद केएन त्रिपाठी झारखंड कांग्रेस में एक बड़े नेता बनकर उभरे. वहीं चुनाव हार जाने के कारण दिलीप नामधारी को बड़ा झटका लगा.

Aaither Infrastructure Pvt. Ltd.
Prop. Sharad Thakur
Harish Pandey path
Anand vihar colony
Main Road Dimna
Jamshedpur, Jharkhand - 831018

MANOJ KUMAR DINESH KUMAR ENTERPRISES
Parsudih Market Near HDFC Bank
Mob. : 9234585332, 9263956400
GSTIN : 20AZCPK8472B1ZS
DISTRIBUTOR : CHAIR- NATIONAL (MUMBAI) ALMIRAH-DIAMOND AND MODI
ADDRESS : MAIN ROAD GAINTADIH, KARANDIH, TATA NAGAR, NEAR WASHING CENTRE

SURYA NURSING COLLEGE
Affiliated by J.N.R.C. Ranchi & INC New Delhi
ADMISSION OPEN
GNM ANM
SCHOLARSHIP FACILITY AVAILABLE
HOSTEL FOR GIRLS
CHAKRADHARPUR, W. SINGHBHUM, JH.
7004337155
9204381636

Hotel Rahul Palace
Family Restaurant
delicious dishes
Fooding & Ladging
Marriage And Party
Anniversary/Birthday Party
A/C Hall/A/C Room Classic
Home Delivery Facility
Veg
Non Veg
Contact No.
7667870045, 7209893445
NH-32, CHANDIL BAZAR

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, रविवार 29 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 171 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

डा. अजय ने किया पेंशन प्रमाण पत्र का वितरण

जमशेदपुर। पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डा. अजय कुमार ने शनिवार को गोलमुरी स्थित दुसाध भवन में 500 लाभुकों के बीच पेंशन का प्रमाण पत्र, राशनकार्ड एवं आयुष्मान कार्ड का वितरण किया. इस दौरान लगभग 200 लोगों के बीच वृद्धा पेंशन का प्रमाण पत्र, 150 राशनकार्ड और 150 लोगों के बीच आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया.

परिमल ने लता मंगेशकर को जयंती पर किया याद

आदित्यपुर। साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था परिमल ने शनिवार को स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद किया. परिमल के एमेच्योर कलाकारों ने लता के गीत गाकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया. इससे पूर्व अतिथियों ने लता मंगेशकर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और कहा कि उनके जाने से जो स्थान रिक्त हुआ है वह कभी भरा नहीं जा सकता.

सही जीवनशैली से रोका जा सकता है हृदय रोग

जमशेदपुर। हृदय रोग और इससे संबंधी बीमारियों के बारे में जागरुकता बढ़ाने और इसके रोकथाम को लेकर लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है. ब्रह्मानंद नारायणा हॉस्पिटल के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अभय कृष्णा ने बताया कि हृदय रोग को सही जीवनशैली विकल्प और समय पर चिकित्सा के जरिए काफी हद तक रोका जा सकता है.

भगत सिंह की जयंती पर निकाली गई प्रभात फेरी

आदित्यपुर। शहीद- ए- आजम भगत सिंह की 117वीं जयंती पर आदित्यपुर में सुबह प्रभात फेरी निकाली गई. शाम में सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉक्टर रूपा सरकार ने भगत सिंह की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया. इसके साथ ही बच्चों के लिए खेल-कूद प्रतियोगिताएं हुईं.

नवरात्र में होगा दोमुहानी संगम घाट का उद्घाटन

जमशेदपुर। स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता के ड्रीम प्रोजेक्ट दोमुहानी (स्वर्णरेखा व खरकई) संगम स्थल का उद्घाटन नवरात्र में कराया जाएगा. इसको लेकर शनिवार की रात में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने संगम स्थल का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने वहां हो रहे कार्य का अवलोकन किया. मंत्री ने बताया कि यहां विशाल प्रवेश द्वार के साथ ही सीढ़ी का निर्माण कराया गया है.

गुवा थाना में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक

किरीबुरु। गुवा क्षेत्र में कुल आठ स्थानों पर दुर्गा पूजा होती है. दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण मनाने को लेकर शनिवार को गुवा थाना में शांति समिति की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता किरीबुरू एसडीपीओ अजय कुमार केरकेट्टा ने की. बैठक के दौरान हाई कोर्ट से मिले आदेश को सभी दुर्गा पूजा कमेटी को कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है. दुर्गा पूजा के दौरान सभी पंडालों में और विसर्जन के दौरान डीजे नहीं बजाना है.

रेफरल जजों व मध्यस्थों के मध्य जागरुकता कार्यक्रम

चाईबासा। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिमी सिंहभूम के तत्वावधान में कोर्ट परिसर स्थित मीटिंग हॉल में न्यायिक पदाधिकारियों के बीच आवश्यक बैठक का आयोजन कर महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णय पर परिचर्चा की गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा मो. शाकिर ने की.

चक्रधरपुर में दो मोटरसाइकिल में सीधी टक्कर, एक की मौत, तीन घायल गंभीर

संवाददाता | चक्रधरपुर

रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग के चक्रधरपुर की आसनतलिया के समीप शनिवार शाम दो मोटरसाइकिल में आमने-सामने टक्कर हो गई. इस दुर्घटना में एक वृद्ध की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रुप से घायल हो गये.

बताया जाता है कि चक्रधरपुर प्रखंड की सिमीदीरी पंचायत के वनालता गांव निवासी 65 वर्षीय वनमाली प्रधान अपने एक साथी लागो प्रधान के साथ मोटरसाइकिल से चक्रधरपुर किसी कार्य से आये थे. चक्रधरपुर में काम निपटाने के बाद वनमाली प्रधान अपने साथी के साथ मोटरसाइकिल से गांव लौट रहे थे. इसी बीच बंदगांव प्रखंड की

अस्पताल में घटना की जानकारी लेते डॉ. विजय सिंह गागराई

कराईकेला के साहुल टोला निवासी प्रमीप साहु अपने परिचित हेमंत साहु के साथ चक्रधरपुर की ओर आ रहे थे. इसी दौरान आसनतलिया के समीप दोनों मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर हो गई. इस घटना में सभी लोग गंभीर रुप से घायल हो गये. इसके बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी घायलों को इलाज के लिए चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया. अनुमंडल अस्पताल में डॉक्टरों ने वनमाली प्रधान को मृत घोषित कर दिया. अन्य घायलों का इलाज चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में किया जा रहा है.

घटना की सूचना पाकर पीपुल्स वेल्फेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई, आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष रामलाल मुंडा, मनोज सिंह, सनातन प्रधान, जयकुमार सिंहदेव समेत स्थानीय लोग अनुमंडल अस्पताल पहुंचे थे. चक्रधरपुर के थाना प्रभारी राजीव रंजन भी अनुमंडल अस्पताल पहुंचकर मामले की जांच में जुट गये हैं.

बोड़ाम में आग से खाक हुआ फूस का घर

विशेष सहयोगी | पटमदा

बोड़ाम थाना क्षेत्र के बोंटा पंचायत अंतर्गत कुटिमाकुली गांव निवासी कार्तिक हांसदा के फूस के मकान में शुक्रवार की देर रात अज्ञात कारणों से आग लग गई. जिसके कारण उसकी फूस का मकान जलकर स्वाहा हो गया. साथ ही घर में रखा धान, चावल, वस्त्र एवं नकद राशि समेत सभी जरूरी सामान जलकर भी खाक हो गए.

बेघर हुआ आदिवासी परिवार, खाद्य सामग्री भी नहीं बची

गांव के उमेश चंद्र महतो ने बताया कि कार्तिक हांसदा पत्नी व बच्चों के साथ ससुराल गया हुआ है. घर में उसके बुजुर्ग माता-पिता ही थे. कार्तिक हांसदा के पिता मकर हांसदा के अनुसार वे लोग सोए हुए थे. उसी दौरान रात करीब तीन बजे कुछ ग्रामीणों ने शोर मचाना शुरू कर दिया, जिससे वे जाग गए. फिर देखा कि घर में लगी आग से सारा सामान धू-धू कर जल रहा है. किसी तरह घर से भागकर दोनों ने जान बचायी. उसके बाद ग्रामीणों ने कैनाल से मोटर पंप के सहारे पानी का छिड़काव किया जिससे आग पर काबू पाया जा सका लेकिन तब तक कुछ भी नहीं बचा.

वाहन चालकों ने दी आग की सूचना

कुटिमाकुली गांव टाटा- पटमदा मुख्य सड़क के किनारे स्थित हैं. रात में उक्त सड़क से वाहनों का आना-जाना होता है. इसी दौरान किसी वाहन के चालक ने आग देखी. उसने गाड़ी रोककर एक ग्रामीण को जगाकर इसकी जानकारी दी. उसके बाद पूरे गांव में हल्ला हो गया. लोग जुटे तथा आग बुझाने का काम शुरू किया. बताया जाता है कि कार्तिक हांसदा का परिवार काफी गरीब है. मजदूरी करके किसी तरह परिवार का गुजारा होता है. इस घटना के बाद परिवार के लोग बेघर हो गए हैं.

मंझारी व कुमारडुंगी पहुंची मंईयां सम्मान यात्रा

कोल्हान वीर भूमि है, कभी झुकता नहीं : कल्पना सोरेन

संवाददाता | चाईबासा

- तांतनगर में शहीद गंगाराम कालुंडिया की मूर्ति पर माल्यार्पण कर पश्चिमी सिंहभूम में यात्रा की शुरुआत
- झारखंड आंदोलनकारियों की धरती, जल-जंगल-जमीन बचाने के लिए निरंतर संघर्ष किया

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना सोरेन शनिवार को मंईयां सम्मान यात्रा की शुरुआत पश्चिमी सिंहभूम के तांतनगर में शहीद गंगाराम कालुंडिया की मूर्ति पर माल्यार्पण व नमन कर की. उसके बाद मंझारी प्रखंड के जलधर व कुमारडुंगी प्रखंड में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुईं. कल्पना सोरेन ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों की धरती है. अंग्रेजों के साथ लड़ाई लड़ते हुए जल, जंगल, जमीन, पहाड़, बुरु सबको बचाने के लिए निरंतर शत्रु से संघर्ष किया. कोल्हान वीर भूमि है. हमारे शहीदों से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि कोल्हान कभी झुकता नहीं है. किसी के साथ कभी समझौता नहीं करता और कोल्हान कभी किसी से डरता नहीं है. यह सीख व प्रेरणा हमें निरंतर आगे बढ़ने के लिए मिलती है. उन्होंने कहा कि आपको झारखंड मुक्ति मोर्चा की विचारधारा को समझना है. आपको झारखंड के हर एक शहीद सिपाही के बारे में जानना होगा. झारखंड मुक्ति मोर्चा गरीब, गुरबा लोगों को आगे बढ़ा रहा है. आपका विश्वास, आपका आत्मविश्वास यह सिखाता है. आज हमारे सामने सांसद जोबा मांझी खड़ी हैं. आप लोगों के प्यार की वजह से वे सांसद हैं. आप लोगों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा पर विश्वास जताया है. आज हम लोग महिला सशक्तीकरण की बात करते हैं. झारखंड के मुख्यमंत्री ने लाखों महिलाओं को 11000 करोड़ क्रेडिट लिंक से जुड़वाया है, ताकि वे स्वावलंबी हो सकें. शुक्रवार को चाईबासा में रात्रि चौपाल में भी कुछ महिलाओं ने अपने अनुभवों से अवगत कराया था. हमारा आचरण और ही हमारी संपत्ति और खजाना है.

मंझारी प्रखंड के जलधर में कल्पना सोरेन, साथ में मंत्री बेबी देवी एवं सांसद जोबा मांझी.

मंईयां सम्मान योजना से भाजपा को हो रही तकलीफ

कल्पना सोरेन ने कहा कि मंईया सम्मान योजना महिलाओं को मजबूत बनाने के लिए लाया गया है. इस योजना से भाजपा को बहुत तकलीफ हो रही है. योजना को रोकने के लिए हर प्रकार का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन हेमंत सोरेन अकेला दिखता है, अकेला है नहीं. राज्य की आधी महिलाओं की आबादी समेत पूरा राज्य उनके साथ खड़ा है. आप लोग बातें सभी की सुनें, लेकिन सही को चुनें. आपके हेमंत सोरेन को बिना सबूत के जेल में डाल दिया गया. पिछले 10 वर्ष से केन्द्र में भाजपा सरकार बैठी है. राज्य को एक लाख 36000 करोड़ नहीं दे रही है. कल्पना ने कहा कि विपक्षी चाहते हैं कि कोल्हान समझौता करे, लेकिन उन्हें मालूम नहीं कि जब कोल्हान की जनता अंग्रेजों के आगे नहीं झुकी, अंग्रेजों के साथ समझौता नहीं की तो बाहरी लोगों को कैसे बर्दाश्त कर सकती है.

हेमंत सोरेन ने महिलाओं को सम्मान देने के लिए योजना बनाई

विधायक निरल पूर्ति ने कहा कि हजारों लोग आज इस कार्यक्रम में शामिल हुए. इसका उद्देश्य आप जानते हैं. चुनाव आने वाला है, इसलिए हमें एक बार मजबूती के साथ फिर से खड़ा होना है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन महिलाओं को सम्मान देने के लिए योजना बनाई. बिजली बिल की समस्या को खत्म किया. पुराने बिजली बिल को माफ किया. 2 लाख तक कृषि ऋण को माफ किया. आप जानते हैं किस तरह बेईमानों की एक यात्रा चल रही है. असम के सीएम हेमंत बिस्वा सरमा अपने राज्य में चाय बागान में काम करने वाले मजदूरों को आदिवासी का अधिकार नहीं दिया और यहां आकर आदिवासियों के अधिकार की बात करते हैं. मधु कोड़ा को चैलेंज मिल चुका है. हमारे एक दादा भी बीजेपी में शामिल हुए हैं. कृषि मंत्री दीपिका पांडेय, महिला एवं बाल विकास मंत्री बेबी देवी, सांसद जोबा मांझी, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोरेन समेत अन्य मौजूद थे.

हेमंत सोरेन कोल्हान में हो भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में लाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं. जब तक वे हो भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं करा देते चैन से नहीं बैठेंगे.

जेएआरडीसीएल एमडी एसडीएम कोर्ट में तलब

आदित्यपुर। आदित्यपुर से कांड्रा टोल पथ और कांड्रा से सरायकेला मुख्य मार्ग की जर्जरता के लिए जिम्मेवार सड़क निर्माण एजेंसी को मुख्य मार्ग के रखरखाव में लापरवाही को लेकर जेएआरडीसीएल के एमडी को चार अक्टूबर को एसडीएम अदालत में हाजिर होने का आदेश जारी हुआ है. बता दें कि इस संबंध में एसडीएम न्यायालय में सामाजिक संस्था जन कल्याण मोर्चा ने जनहित की अनदेखी करने का केस धारा 133 के तहत दर्ज किया है.

मोर्चा अध्यक्ष अधिवक्ता ओम प्रकाश ने बताया कि सड़कों की स्थिति बदतर हो गई है, जबकि एकरारनामा के तहत 2027 तक सडक की मरम्मत और देखरेख सड़क निर्माण एजेंसी को करनी है, जिसके एवज में एजेंसी को हर छह माह पर करीब सात करोड़ रुपये राज्य सरकार देती है.

30 को केंद्रीय शांति समिति की बैठक हंगामेदार होने की संभावना

- जिला प्रशासन 12 व समितियां 13 को विसर्जन का कर रही प्रचार

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

शारदीय नवरात्र का शुभारंभ 3 अक्टूबर को हो रहा है. कलश स्थापना के साथ ही दुर्गा पूजा प्रारंभ हो जाएगी. इस बार 12 अक्टूबर को दशमी पड़ रही हैं. इस लिहाज से जिला प्रशासन ने उसी दिन विसर्जन की तिथि निर्धारित की है. इसका संदेश भी सभी थाने में भिजवा दिया गया है.

उसी के अनुरूप थानास्तर पर शांति समिति की बैठकें हो रही हैं. दूसरी ओर जमशेदपुर दुर्गा पूजा केंद्रीय समिति एवं पूर्वी सिंहभूम सेंट्रल दुर्गा पूजा समिति अपनी बैठकों में 13 अक्टूबर को विसर्जन करने का प्रचार कर रही है. ऐसे में जिला प्रशासन एवं पूजा समितियों में मतैक्य नहीं होने पर विसर्जन को लेकर असमंजस की स्थिति उत्पन्न होगी.

दूसरी ओर जिला प्रशासन की ओर से केंद्रीय शांति समिति की बैठक 30 सितंबर को सिदगोड़ा टाउन हॉल में बुलायी गई हैं. उक्त बैठक में समिति के सदस्यों के अलावे दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों को बुलाया गया है. बैठक में उपायुक्त, एसएसपी, सिटी एसपी, एसडीओ समेत सभी वरीय पुलिस व प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद रहेंगे. ऐसे में विसर्जन की तिथि को लेकर बैठक के हंगामेदार होने के आसार हैं. उम्मीद है केंद्रीय शांति समिति की बैठक में इसका हल निकल जाय. हालांकि थानास्तरीय शांति समिति 12 अक्टूबर को विसर्जन की तिथि मानकर बैठकें आयोजित कर रही हैं.

सिंहभूम चैम्बर की वार्षिक आमसभा संपन्न

व्यापार में एआई एवं अन्य टेक्नोलॉजी का उपयोग समय की मांग : मूनका

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की 73वीं वार्षिक आमसभा शनिवार को चैम्बर भवन में संपन्न हुई. इस दौरान अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने पिछले एक वर्ष के दौरान चैम्बर की ओर से व्यापार एवं उद्योगों से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला. साथ ही आगामी वर्ष का खाका प्रस्तुत किया.

उन्होंने कहा कि आने वाले वक्त में व्यापार के बदलते स्वरूप से तालमेल करते हुए अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निर्वहन के लिए चैंबर तैयार है. व्यापार में एआई एवं अन्य टेक्नोलॉजी का उपयोग समय की मांग है. सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपनी समस्याओं से अवगत कराते रहें ताकि उन्हें संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर निराकरण का प्रयास हो.उन्होंने इस दौरान कहा कि पिछले दिनों रंगदारी के लिये कुछ सदस्यों के पास फोन आये थे. सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करते वरीय पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारियों के संज्ञान में मामले को लाया गया. जिसका नतीजा है कि अपराधियों की गिरफ्तारी हुई.

उन्होंने कहा कि हम स्थानीय व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिये वोकल फॉर लोकल का अभियान लगातार चला रहे हैं. ऑनलाईन व्यापार के आगे परंपरागत दुकानदारों को भी नई टेक्नोलॉजी के माध्यम से बदलना होगा.

मानद महासचिव मानव केडिया ने वार्षिक रिपोर्ट आमसभा में रखी और वर्षभर के कार्यों का विवरण दिया तथा बताया कि चैम्बर पिछले एक वर्ष के दौरान लगभग 90 कार्यक्रमों का आयोजन कर उद्योग विकास से संबंधित समस्याओं का निराकरण का प्रयास कर चुका है.

कोषाध्यक्ष सीए अनिल रिंगसिया ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के ऑडिटेड बैलेंस शीट और खाता-बही को सदस्यों के समक्ष रखा जिसे सर्वसम्मति से सदस्यों ने पास किया. तत्पश्चात चारों उपसमितियों के उपाध्यक्ष एवं सचिवों ने अपने विंग से संबंधित प्रस्तावों और संकल्पों को आमसभा में रखा.

चैंबर की वार्षिक बैठक को संबोधित करते विजय आनंद मूनका.

राजनीति गुड़ाबांदा के भालकी क्लब मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा का कार्यकर्ता मिलन समारोह, मंत्री भी हुए शामिल

आदिवासी नेताओं का हाल झींगा चोपा की तरह कर रही भाजपा : रामदास सोरेन

संवाददाता | डुमरिया

गुड़ाबांदा प्रखंड के भालकी क्लब मैदान में शनिवार को झामुमो ने कार्यकर्ता मिलन समारोह आयोजित किया. इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जल संसाधन एवं उच्च तकनीकी शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन उपस्थित हुए. मंत्री रामदास सोरेन ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि झारखंड के आदिवासी नेताओं को मुख्यमंत्री बनाने का लालच देकर पार्टी में शामिल करा रही है और चुनाव में हराकर झींगा चोपा की तरह बना रही है. उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सीता सोरेन का उदाहरण दिया. उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा बाहरी जनता पार्टी है और झामुमो को गांव घर की पार्टी. भाजपा के शासन में ऐसी नीतियां बनाई जाती थीं कि राज्य के आदिवासी और मूलवासी युवाओं को दूसरे प्रदेशों में जाकर कुली और रेजा का काम करना पड़ता था. हेमंत सोरेन की सरकार ने विधानसभा और कैबिनेट में झारखंड में कार्यरत कंपनियों में चालीस हजार तक वेतनमान वाले नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण का बिल पास कराया जो लागू हो चुका है. मुख्यमंत्री बारह महीने किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो और युवा अपने राज्य में ही बेहतर रोजगार प्राप्त करें इसके लिए काम कर रहे हैं. कम समय में बहुत सारे कार्य करेंगे. आनेवाले समय में भी इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी और हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बनेंगे.

उन्होंने कहा कि भाजपा अगर सरकार में आयेगी तो झारखंड का नाम वनांचल और आदिवासियों को वनवासी कहेगी. ग्रामीणों से कहा कि भाजपा नेताओं को गांव आने पर सवाल करें कि 1932 आधारित नियोजन नीति क्यों बनाया. रामदास सोरेन ने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से 50 लाख महिलाओं का फायदा मिल रहा है. भाजपा इस योजना को बंद कराना चाहती है. इसलिए अपने एजेंट के माध्यम से कोर्ट में पीआईएल दायर कर योजना को खत्म करने की मांग कर रही है. उन्होंने कहा यह योजना किसी भी हाल में बंद नहीं करवाने देंगे. आगे भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बनेंगे. उच्च तकनीकी शिक्षा मंत्री ने गुरुजी क्रेडिट कार्ड, कृषि लोन माफी, 200 यूनिट फ्री बिजली, बकाया बिजली माफी, परदेशीय छात्रवृत्ति योजना समेत राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के संबंध में बताया.

कई लोग झामुमो में शामिल : इस कार्यक्रम के दौरान भालकी व आसपास के पंचायतों से विभिन्न दलों के कार्यकर्ता और समर्थक झामुमो में शामिल हुए. मंत्री रामदास सोरेन ने सबका स्वागत माला और पार्टी का पट्टा पहनाकर किया. इससे पूर्व झामुमो कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने मंत्री का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया. इस अवसर ग्राम प्रधानों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया. मौके पर पूर्व जिला पार्षद बेलोवती मुर्मू, शांति देवी, झामुमो नेता कान्हू सामंत, जगदीश भकत, कालिपदो गोराई, झामुमो गुड़ाबांदा प्रखंड अध्यक्ष सुराई टुडू, मुसाबनी प्रखंड अध्यक्ष प्रधान सोरेन, घाटशिला प्रखंड अध्यक्ष वकील हेंब्रम, धालभूमगढ़ प्रखंड अध्यक्ष अर्जुन चंद्र हांसदा, भालकी पंचायत अध्यक्ष बिमल कर्मकार, ग्राम प्रधान व पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे.

समारोह में झामुमो नेताओं के साथ मंत्री रामदास सोरेन.

असम में टी ट्राइबल्स को मिले एसटी का दर्जा

उन्होंने असम के सीएम हिमंता बिस्वा शर्मा के झारखंड में आदिवासियों की बात करने पर तंज करते हुए कहा कि असम में सौ वर्ष पहले मजदूरी के लिए गये झारखंड के मजदूरों को एसटी का दर्जा नहीं दिया गया है. उन्हें टी ट्राइबल्स का नाम दिया गया है. असम के सीएम अगर आदिवासियों के हितैषी है तो असम में टी ट्राइबल्स को एसटी का दर्जा दे. केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी इसके लिए केंद्र सरकार से बात करें.

कार्यकर्ता मिलन समारोह में उपस्थित महिलाएं.

ब्रीफ खबरें

सुढी समाज का होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर 29 को

जादूगोड़ा । राष्ट्रीय सुढी समाज हाता की ओर से 29 सितम्बर को निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है. शिविर सुबह 10 बजे रामगढ़ आश्रम हाता लगाई जाएगी. यह जानकारी राष्ट्रीय सुढी समाज के महासचिव डॉक्टर अनूप कुमार मंडल ने दी. उन्होंने कहा कि शिविर में डॉक्टर सुब्रत मंडल, डॉ बी महतो, डॉ मनीष प्रसाद, डॉ रेखा दास, डॉ विश्वास, डॉ निशा, डॉ अमित दास, डॉ अनुपम घोषाल, डॉ अलका खेमका व डॉ रवि सिंह अपनी सेवा देंगे.

मानगो में आवारा कुत्तों ने चार को किया जख्मी

जमशेदपुर । मानगो नगर निगम क्षेत्र में इन दिनों कुत्तों का आतंक बढ़ गया है. आए दिन किसी न किसी को कुत्ते काट रहे हैं. शुक्रवार की शाम गोकुलनगर में अपने घर से ट्यूशन जा रही अनिश्री नामक आठ वर्षीय बच्ची को दो कुत्तों ने घेरकर हमला कर दिया. घटना के समय बच्ची की मां साथ में थी. उसके हल्ला करने पर अलग-बगल के लोग जुटे उसके बाद कुत्ते भागे. वहीं शनिवार की सुबह बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रहे तीन लोगों पर कुत्तों ने हमला किया. तीनों व्यक्तियों ने किसी तरह भागकर कुत्तों से अपना पीछा छुड़ाया.

श्रमिक संघ के दूसरी बार अध्यक्ष बने सूर्य सिंह बेसरा

जादूगोड़ा । भारतीय कामगार श्रमिक संघ की जादूगोड़ा यूसील गेस्ट हाउस में शनिवार को बैठक हुई. बैठक में संघ का पुनर्गठन किया गया. बैठक में सूर्य सिंह बेसरा अध्यक्ष बनाए गए. उन्हें दूसरी बार अध्यक्ष बनाया गया है. दुर्गा मांझी सचिव बनाए गए हैं. इसके अतिरिक्त उपाध्यक्ष माधवेंद्र मेहता, सह सचिव अर्जुन कुमार दास, संगठन सचिव बाघराय हो और कोषाध्यक्ष सलमा हांसदा चुने गए हैं.

प्रखंड स्तरीय पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन

बहरागोड़ा । शनिवार को बहरागोड़ा प्रखंड सभागार में मानसी प्लस परियोजना द्वारा प्रखंड स्तरीय पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन किया गया. अंचल पदाधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर पोषण अभियान रथ को रवाना किया गया. उसके पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया. अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. मानसी प्लस की प्रखंड समन्वयक संजू कुमारी नन्दी ने अभियान की पूरी जानकारी दी. अचंल अधिकारी ने कहा कि बच्चों को भोजन में सभी प्रकार की पोषक तत्व मौजूद रहने वाला भोजन खिलाना है.

एमएनपीएस में वार्षिक अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

जमशेदपुर । मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल में शनिवार को वार्षिक अंग्रेजी भाषण का आयोजन किया. इसके बाद कोरल सस्वर पाठ और टेड्क्स मिलेनियल्स 2024 का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में निर्णायक मंडली में आरएमएस हाई स्कूल, बालिचेला की शिक्षिका अविनाश कौर, अर्का जैन विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजकुमारी घोष, जुस्को साउथ पार्क स्कूल के गणित और अंग्रेजी अकादमिक विशेषज्ञ प्रवीण अग्रवाल मौजूद रहे. इस दौरान टेड्क्स मिलेनियल्स के तहत युवा दिमाग की परख की गई. प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित हुई.

अनुकंपा पर नियुक्ति के निर्णय का किया स्वागत

जमशेदपुर । फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन ने झारखंड कैबिनेट द्वारा पीडीएस डीलर्स की अनुकंपा नियुक्ति बहाल करने व ससमय कमिशन उपलब्ध कराने के राज्य सरकार के निर्णय का स्वागत किया. एसोसिएशन के महासचिव प्रमोद गुप्ता ने कहा कि सरकार के इस निर्णय से पीडीएस डीलर्स के आश्रितों का काफी राहत मिली है. एसोसिएशन काफी दिनों से अनुकंपा नियुक्ति को लेकर मुख्यमंत्री, खाद्य आपूर्ति मंत्री व प्रशासनिक अधिकारियों के पास मांग पत्र सौंप रहा था. मुख्यमंत्री के जमशेदपुर दौरे के दौरान एसोसिएशन ने इस समस्या से अवगत कराया था. साथ ही खाद्य आपूर्ति मंत्री से उनके कदमा एवं रांची स्थित आवास पर मिलकर वार्ता की थी. मंत्री ने आश्वस्त किया था कि इस संबंध में सरकार उचित निर्णय लेगी.

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी ईईसीएल का नगर निगम पर 4 करोड़ बकाया

तीन माह से स्ट्रीट लाइट की मरम्मत बंद, 80% खराब

अब पूजा को देखते हुए ठेका पर प्राइवेट मिस्त्री से निगम करवा रहा काम

संवाददाता । आदित्यपुर

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी ईईसीएल का नगर निगम आदित्यपुर पर चार करोड़ रुपये बकाया होने और उसका भुगतान दो साल से लटकाए रखने के कारण कंपनी ने निगम क्षेत्र की स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत करना बंद कर दिया है. कंपनी ने एक जुलाई 2024 से पूरी तरह से स्ट्रीट लाइट की मरम्मत बंद कर दी है. इस वजह से शहरों के गली मोहल्लों का स्ट्रीट लाइट बंद है, जिससे क्षेत्र में चोरी, छिनतई की घटना में व्यापक वृद्धि हुई है.

हालांकि इस संबंध में नगर निगम के नगर प्रबंधक देवाशीष प्रधान ने बताया कि ईईसीएल कंपनी द्वारा स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कार्य बंद करने से हो रही परेशानी और पूजा त्योहार को देखते हुए निगम ने प्राइवेट लाइट मिस्त्री को ठेका पर बहाल कर लिया है. उसने खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत शुरू कर दी है.

इसके बावजूद क्षेत्र की खराब स्ट्रीट लाइटों की प्रॉपर मरम्मत नहीं हो रही है. बता दें कि ईईसीएल ने नगर निगम आदित्यपुर के सभी 35 वार्डों में तकरीबन 8000 स्ट्रीट लाइट लगाए हैं. वर्तमान में क्षेत्र की 80 फीसदी स्ट्रीट लाइटें खराब हैं. रविवार को आदित्यपुर और आरआईटी थानों में दुर्गोत्सव को लेकर हुई शांति समिति की बैठक में खराब स्ट्रीट लाइट का मुद्दा छाया रहा था. इसपर नगर निगम के नगर प्रबंधक ने जरूरी स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत पूजा और मेले के दौरान करा देने का आश्वासन दिया है.

गली मोहल्लों की सड़कों का हाल भी बुरा

बता दें कि नगर निगम क्षेत्र में केवल स्ट्रीट लाइट ही नहीं, गली मोहल्लों की सड़कों का हाल भी बुरा है. जिस भी सड़क को पाइप लाइन या केबल बिछाने के लिए काटा गया उसकी ठीक से मरम्मत नहीं की गई है. इसकी वजह से निगम क्षेत्र की लाखों की आबादी परेशान है.

एनएच पर उड़ती धूल से आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कत

संवाददाता । बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र में अवस्थित नेशनल हाईवे तीन राज्यों की संगम स्थल के साथ-साथ एनएच 18 तथा 49 का मिलन स्थल भी है. यहां एनएच के बाईपास सड़क पर गड्ढे में विगत दिनों केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के वाहन फंस जाने के बाद संबंधित विभाग की ओर से स्लैग और पत्थर से समतलीकरण का कार्य हो रहा है. लेकिन बारिश के कारण बाईपास तथा मुख्य सड़क पर कीचड़ भर गया था. अब धूप निकलते ही कीचड़ धूल में परिणत हो गया है और वाहनों का परिचालन से धूल उड़ रही है. जिससे एनएच के आसपास में रहने वाले स्थानीय लोग एवं राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि धूल के कारण आंखों में जलन तथा सांस लेने में दिक्कत हो रही है. साथ ही घरों में खिड़की दरवाजा बंद करके रहना पड़ रहा है. लोग मांग कर रहे हैं कि संबंधित विभाग द्वारा छिड़काव कर अति शीघ्र धूल पर नियंत्रण किया जाए.

सरायकेला के नए अपर उपायुक्त ने पदभार संभाला

आदित्यपुर । सरायकेला-खरसावां के नए अपर उपायुक्त के रूप में जय बर्द्धन कुमार ने शनिवार को पदभार ग्रहण किया. उन्होंने पदभार ग्रहण करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता सभी प्रकार की सरकारी योजनाओं को जिले के योग्य अभ्यर्थियों तक पहुंचाना होगा, साथ ही जो भी दिशा निर्देश जिला उपायुक्त के माध्यम से प्राप्त होगा उनका सही तरह से अनुपालन कराना हमारी प्राथमिकता रहेगी.

नेशनल लोक अदालत में रिकार्ड 189248 केस का निष्पादन

35 करोड़ 91 लाख 12 हजार 312 रुपये राजस्व की प्राप्ति

नेशनल लोक अदालत में मौजूद पक्षकार.

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर सिविल कोर्ट में शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत में रिकार्ड कुल 189248 मामलों का निष्पादन किया गया. इस दौरान 35 करोड़ 91 लाख 12 हजार 312 रुपये की राजस्व की प्राप्ति हुई. मामलों के निष्पादन के लिए न्यायिक पदाधिकारियों की 13 बेंच का गठन किया गया था. नेशनल लोक अदालत में वाहन दुर्घटना बीमा क्लेम से जुड़े एक मामले में एसबीआई जेनरल इंश्यूरेंस कंपनी की ओर से पीड़ित पक्ष को 60 लाख रुपया मुहैया कराया गया. इससे जुड़ा चेक न्यायिक पदाधिकारी ने उन्हें सौंपा.

इससे पहले सुबह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्रा, कुटुम्ब न्यायालय के न्यायाधीश अजीत कुमार सिंह ने लोक अदालत का उद्घाटन किया. उन्होंने उपस्थित पक्षकारों को लोक अदालत को त्वरित न्याय का माध्यम बताते हुए इसका लाभ लेने की अपील की. इस दौरान उन्होंने एक-एक बेंच का विजिट किया. मौके पर एडीजे-1 विमलेश कुमार सहाय, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, डालसा के सचिव राजेन्द्र प्रसाद आदि मौजूद थे.

घाटशिला में प्रतिमा विसर्जन 13 अक्टूबर को

पूर्वी सिंहभूम सेंट्रल दुर्गा पूजा कमेटी की घाटशिला में हुई बैठक

- पूजा के दौरान नियमित विद्युत आपूर्ति की मांग
- दुर्गा पूजा के समय डीजे बजाने पर रोक का विरोध

संवाददाता । घाटशिला

दुर्गा पूजा कमेटी की बैठक में उपस्थित सदस्य

पूर्वी सिंहभूम सेंट्रल दुर्गा पूजा कमेटी की बैठक शनिवार को घाटशिला के एक होटल में कार्यकारी अध्यक्ष तापस चटर्जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई. इसमें निर्णय लिया गया कि घाटशिला अनुमंडल की सभी पूजा कमेटी द्वारा 13 अक्टूबर को ही प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा.

बैठक के दौरान घाटशिला अनुमंडल के विभिन्न पूजा कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि 25-30 वर्ष के बाद भी प्रशासन की ओर से ग्रामीण क्षेत्र की कई पूजा कमेटी को लाइसेंस नहीं दिया गया है. इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सबसे बड़ी समस्या है. कम से कम पूजा के दौरान नियमित विद्युत आपूर्ति बहाल हो इसके लिए पहल की जानी चाहिए. इसके अलावा प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा के समय डीजे बजाने पर रोक लगा दी जाती है यह नहीं होना चाहिए. बैठक में केंद्रीय दुर्गा पूजा कमेटी के उपाध्यक्ष तपन बरुआ, बबीता मिश्रा, महासचिव ललन यादव, संयुक्त सचिव श्याम शर्मा सहित दुर्गा पूजा कमेटी के मानस दास, उत्तम सिन्हा, अशोक कुमार महाकुड, आशीष राय, नवल सिंह, लोबिन सिंह, हर बल्लभ भगत सहित अन्य उपस्थित थे.

उपायुक्त के समक्ष समस्याओं को रखा जाएगा : दुलाल भुईयां

बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय कमेटी के अध्यक्ष दुलाल भुईयां ने कहा कि सेंट्रल पूजा समिति ग्रामीण क्षेत्र की पूजा कमेटी द्वारा दिए गए सुझाव का स्वागत करती है. सोमवार को सेंट्रल दुर्गा पूजा कमेटी के साथ उपायुक्त की बैठक होगी. उस बैठक में इन समस्याओं को जोरदार तरीके से रखा जाएगा. उन्होंने सभी दुर्गा पूजा कमेटी को कहा कि श्रद्धा एवं भक्ति भाव से पूजा करें कोई भी समस्या उत्पन्न होने पर केंद्रीय दुर्गा पूजा कमेटी आपके साथ खड़ी है.

घाटशिला में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

घाटशिला । घाटशिला व्यवहार न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया. एडीजे केके शुक्ला ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इस मौके पर उपस्थित विभिन्न विभागों के प्राधिकारी एवं लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ अधिक से अधिक लोग लेकर अपने वादों का निपटारा कराएं. कुल तीन बेंच का गठन कर विभिन्न विभागों की लंबित 190 मामलों का निष्पादन किया गया. इस दौरान विभिन्न विभागों के लंबित मामलों से कुल 31,92,419 रुपया राजस्व वसूली की गई. राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रथम बेंच में एडीजे केके शुक्ला, दूसरे बेंच में एसीजेएम एनएन सांगा तथा तीसरे बेंच में एसडीजेएम सह विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव दिनेश बाउरी के अलावा अधिवक्ता एवं न्यायालय के सहायक शामिल थे.

घाटशिला में हुई शांति समिति की बैठक दुर्गा पूजा कमेटी को दिए गए कई निर्देश

विसर्जन के दौरान नशे में पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी : एसडीओ

संवाददाता । घाटशिला

घाटशिला थाना परिसर में शनिवार को दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक पूजा कमेटी के पदाधिकारियों के साथ की गई. बैठक में मुख्य रूप से अनुमंडल पदाधिकारी सुनील चंद्र एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे. पूजा कमेटी को एसडीओ ने निर्देश दिया कि दुर्गा पूजा आपकी भाईचारा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं. उन्होंने कहा कि विसर्जन के दौरान पूजा कमेटी के कोई भी सदस्य यदि नशे में पाए जाते हैं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी. नदी का जलस्तर काफी बढ़ा हुआ है ऐसे में कोई भी अप्रिय घटना ना हो इसका ख्याल रखना होगा. इसके अलावा अन्य दिशा निर्देश दिए गए.

बैठक में बताया गया कि पंडाल के पास अग्निशमन की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरा लगाना, कमेटी के अध्यक्ष सचिव एवं पदाधिकारी का नाम तथा मोबाइल नंबर डिस्प्ले करना, प्रवेश द्वार निकास द्वार की व्यवस्था हर पूजा कमेटी को करनी है. साथ ही साथ विद्युत विभाग को निर्देश दिया गया कि पूजा के दौरान विद्युत आपूर्ति नियमित होनी चाहिए.

जिला परिषद सदस्य करण सिंह ने कहा कि पूजा के दौरान मांस मछली की दुकान को सड़क से हटकर कहीं अलग निर्धारित किया जाए तथा नशीले पदार्थ के बिक्री पर रोक लगाई जाए. सड़क पर बह रहे गंदा पानी की व्यवस्था तथा गोपालपुर फाटक के समीप जर्जर सड़क की मरम्मत अत्यंत आवश्यक है.

रंकिणी मंदिर परिसर व मुक्तेश्वर धाम का होगा कायाकल्प : विधायक

डुमरिया । प्रसिद्ध रंकिणी मंदिर जादूगोड़ा एवं मुक्तेश्वरधाम हरिणा का कायाकल्प किया जायेगा, जिसके लिये पर्यटन विभाग से 49.92 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है. इस राशि से दोनों स्थलों पर सड़क किनारे स्ट्रीट लाइट लगाई जाएगी. इस योजना का जल्द शिलान्यास कर काम को धरातल पर उतार दिया जाएगा. यह जानकारी पोटका के विधायक संजीव सरदार ने शनिवार को क्षेत्र भ्रमण के दौरान जादूगोड़ा में पत्रकारों को दी.

विधायक ने कहा कि झारखंड सरकार के पर्यटन विभाग की ओर से क्षेत्र के प्रसिद्ध स्थलों के विकास के लिए काम किया जा रहा है. रंकिणी मंदिर एवं मुक्तेश्वरधाम हरिणा को पर्यटन विभाग की ओर से सी कैटेगरी में शामिल किया गया है, जो राज्य स्तरीय महत्व रखता है.

सेवा

तीनों प्लांट में रक्तदान ज्यादा करने की होती है प्रतिस्पर्धा : एस के बेहरा

आरएसबी के 500 कर्मचारियों ने किया रक्तदान, आईजी ने सराहा

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कंपनी आरएसबी ट्रांसमिशन के कर्मियों के जज्बे को मैं सलाम करता हूं जो अपने दैनिक कार्यों के साथ मानवसेवा के लिए हर वर्ष रक्तदान भी करते हैं. उक्त बातें रांची प्रक्षेत्र के आईजी अखिलेश झा ने शनिवार को आरएसबी ट्रांसमिशन कंपनी परिसर में मीडियाकर्मियों से कहा. वे यहां आयोजित वार्षिक रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाने पहुंचे थे. उन्होंने रक्तदाताओं का हालचाल पूछा, उनसे बातें की और हौसला अफजाई किया. मौके पर कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट और निदेशक एस के बेहरा और कंपनी यूनियन के अध्यक्ष सह इंटक के प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय भी मौजूद थे. बता दें कि शनिवार को आरएसबी ट्रांसमिशन के प्लांट 3 में वार्षिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था. इसमें प्लांट के 500 कर्मचारियों ने रक्तदान किया. रक्तदाताओं के हौसला अफजाई के लिए कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट एवं एमडी एसके बेहरा के साथ उनकी धर्मपत्नी संगीता बेहरा स्वयं मौजूद थी. रक्तदान शिविर में वीवीडीए व जमशेदपुर ब्लड बैंक के कर्मियों का सहयोग रहा. इस अवसर पर कंपनी के सुयश वर्मा, विश्वजीत जेना, आनंद उपाध्याय, मनीष प्रकाश आदि मौजूद थे.

एमडी एसके बेहरा ने कहा कि यह अच्छी बात है कि हमारे तीनों प्लांट के कर्मियों में रक्तदान ज्यादा करने की प्रतिस्पर्धा होती है जो कि गुड साइन है. यूनियन के अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय ने कहा कि जितनी अच्छी कंपनी के निदेशक मंडल के लोग हैं उतनी ही अच्छी यहां के कर्मचारी हैं, जो सालों भर कोई न कोई सामाजिक एक्टिविटी में लगे रहते हैं. उन्हें यहां के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व कर गर्व महसूस होता है.

अतिथियों ने अपने-अपने नाम के पौधे लगाए

मौके पर सभी अतिथियों ने अपने-अपने नाम का एक-एक पौधे भी लगाया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. कंपनी की एचआर जया सिंह ने बताया कि उनकी कंपनी अभी पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत पौधरोपण अभियान चला रही है. इसके तहत अब तक 5000 पौधे लगाए जा चुके हैं

न्यूज अपडेट

घाटशिला में मनाई गई भगत सिंह की जयंती

घाटशिला । घाटशिला मुख्य पथ दाहीगोड़ा में शनिवार को शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती मनाई गई. भगत सिंह की मूर्ति पर झामुमो के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने मल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. समारोह में विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने कहा कि शहीद-ए-आजम का जन्म तत्कालीन पंजाब राज्य के बंगा गांव पश्चिमी पंजाब में आज ही के दिन 1907 में हुआ था. पंजाब असेंबली के अंदर बहुचर्चित बम कांड के अभियुक्त होने के कारण उन्हें फांसी की सजा दी गई थी. नौजवानों के लिए एक आदर्श के रूप में शहीद-ए-आजम को माना जाता है. इस अवसर पर 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष सोनाराम सोरेन, काजल डॉन, मोहम्मद जलील, विकास मजूमदार, दुर्गा चरण मुर्मू, दीपक कालिंदी एवं समिति के सदस्य उपस्थित थे.

बागबेड़ा में चला स्वच्छता जागरुकता अभियान

जमशेदपुर । बाडबेड़ा क्षेत्र में विगत पांच दिनों से चल रहा स्वच्छता अभियान शनिवार को समाप्त हो गया. इस दौरान करीब 180 टन कचरा साफ किया गया. विधायक संजीव सरदार के प्रयास से जुस्को की टीम ने सफाई कार्य कराया. सफाई के बाद शनिवार को पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता की अगुवाई में स्वच्छता जागरुकता रैली निकाली गई. इस दौरान लोगों को स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया गया. मौके पर उप मुखिया संतोष ठाकुर, सुरेश निषाद, मुखिया नीनु कुदादा, पूर्व जिला पार्षद किशोर यादव, झामुमो बागबेड़ा कॉलोनी के अध्यक्ष अजीत सिंहा, राजु ठाकुर, बन्ना गुप्ता फैस क्लब के अध्यक्ष अनिल सिंह, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि राजकुमार सिंह, समाजसेवी भोला झा सहित कई लोगों उपस्थित थे.

झारखंड युवा सदन में बहरागोड़ा से गए शुभजीत

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड अंतर्गत गामारिया पंचायत के महाकुड़िया गांव के शुभजीत पाल रांची स्मार्ट सिटी के सभागार में झारखंड युवा सदन 4.0 में बहरागोड़ा विधानसभा से प्रतिनिधित्व कर रहे हैं. इसकी जानकारी देते हुए शुभजीत ने दूरभाष पर बताया कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के तीसरे राउंड की चयन प्रक्रिया पूरी करने के बाद उनका चयन हुआ था. जिसमें पूरे राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों से चयनित युवाओं ने भाग लिया. इस युवा सदन में शुभजीत ने अपने विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए एक विधायक के रूप में जनहित हेतु विशेष योजनाएं एवं मुद्दे प्रस्तुत किए. शुभजीत ने बताया कि चयनित युवा इस कार्यक्रम के माध्यम से राज्य की सदन व्यवस्था एवं राजनीति को बारीकी से समझ पायेंगे.

दिवंगत एडीसी विनय मिश्रा को दी गई श्रद्धांजलि

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा शनिवार को बहरागोड़ा प्रखंड सभागार में जमशेदपुर के अपर उपायुक्त (एडीसी) विनय मिश्रा (54 वर्ष) की मृत्यु पर शोकसभा का आयोजन किया गया. शोक सभा में प्रखंड कार्यालय के कर्मियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी. जानकारी के अनुसार पांच दिन पहले ही एडीसी विनय मिश्रा ने जमशेदपुर में अपना योगदान दिया था. वे इससे पहले गोड्डा में एडीएम (लॉ एंड ऑर्डर) के पद पर आसीन थे. शनिवार की अहले सुबह उन्हें दिल का दौरा पड़ा, जिससे उनका निधन हो गया. सरकारी कार्यालय में छुट्टी घोषित कर दी गई है. मौके पर बहरागोड़ा प्रखंड विकास पदाधिकारी केशव भारती, अंचल अधिकारी भोला शंकर महतो, कृषि पदाधिकारी समीरन मजूमदार समेत प्रखंड कार्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित थे.

स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता अभियान

घाटशिला । घाटशिला कालेज में चलाये जा रहे स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता अभियान के तहत शनिवार को एनसीसी द्वारा कालेज परिसर में केंद्र एवं राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को लेकर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. उक्त कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी ने बताया कि देश के लोगों के उत्थान के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा कई लोक कल्याणकारी योजनाएं चलाईं जा रही हैं. जानकारी के अभाव में कई लोग इसका लाभ नहीं उठा पाते हैं. इन लोक कल्याणकारी योजनाओं से गरीबी मिट रही है, लोग आत्मनिर्भर हो रहे हैं. इस मौके पर प्रो इंदल पासवान, डॉ एस पी सिंह, अधिकारी लेफ्टिनेंट महेश्वर प्रमाणिक, डॉ एस के सिंह, डॉ कंचन सिंहा, डॉ संदीप चंद्र, डॉ संजेश तिवारी, प्रो राम विनय श्याम, कन्हाई बारिक के अलावे काफी संख्या में छात्र-छात्राएं व एनसीसी कैडेट्स उपस्थित थे.

बागबेड़ा की सीमा ने की आईटीबीपी में ट्रेनिंग पूरी

जमशेदपुर । बागबेड़ा की सीमा कुमारी की भारत तिब्बत सीमा सुरक्षा बल (आईटीबीपी) में ट्रेनिंग पूरी होने के बाद पासिंग आउट परेड कराई गई. परेड में कुल 604 लड़कियों ने हिस्सा लिया. जिसमें झारखंड की 40 लड़कियां शामिल हैं. जिसमें सीमा कुमारी जमशेदपुर की इकलौती हैं. प्रारंभिक एवं उच्च शिक्षा यहीं से पूरी करने के बाद सीमा का चयन एक वर्ष पहले आईटीबीपी में हुआ. चयन के बाद उसकी बीटीसी भानू चंडीगढ़ हरियाणा में ट्रेनिंग कराई गई. ट्रेनिंग पूरी होने के बाद सभी का पासिंग आउट परेड कराया गया. दूसरी ओर सीमा की सुरक्षा में शहर की बेटी का चयन होने पर पूर्व सैनिक सह जिला कांग्रेस के अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने उसे शुभकामनाएं दी.

वार्ड 17 में लगा मतदाता पहचान पत्र सुधार कैंप

आदित्यपुर । आदित्यपुर नगर निगम के वार्ड 17 स्थित सीपीएस स्कूल बूथ पर शनिवार को मतदाता पहचान पत्र सुधार कैंप लगाया गया. जिसमें निवर्तमान पार्षद नीतू शर्मा मौजूद रहीं. उन्होंने बताया कि आज पहचान पत्र में सुधार, नया बनाने तथा एक जगह से दूसरे जगह ट्रांसफर करने के लिये कैंप लगाया गया है. जहां बूथ नंबर 123, 124, एवं 125 के सभी बीएलओ उपस्थित रहे. कैंप में संपा दास, सेनूका गोप, सत्यम भारद्वाज, नगर निगम से अभिषेक कुमार सिटी मैनेजर मौजूद रहे. सिटी मैनेजर ने बताया कि यह कैंप आने वाला विधानसभा चुनाव को देखते हुए लगाया गया है, ताकि मतदाता अपना-अपना नाम सूची में देख लें साथ ही किसी भी तरह का सुधार हो तो करवा लें.

जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र बचाव अभियान समिति का गठन कर कोड़ा दम्पती व विधायक को घेरने की तैयारी

पूर्व सीएम मधु व पूर्व सांसद गीता के डमी हैं विधायक सोनाराम : मंगल

- सांसद, विधायक निधि से किये गये बोरिंग के जांच की मांग
- जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र में मूलभूत सुविधा का घोर अभाव

संवाददाता । किरीबुरु

जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र बचाव अभियान समिति के धरना-प्रदर्शन में शामिल मंगल सिंह बोबोंगा व अन्य.

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा और विधायक सोनाराम सिंकु के कार्यकाल में जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र में सांसद और विधायक निधि से पेयजल आपूर्ति के नाम पर जो बोरिंग हुआ है उस बोरिंग का उच्च स्तरीय जांच करना सुनिश्चित हो. साथ ही डीएमएफटी से पेयजल के लिए जो जलमीनार का निर्माण किया गया उसका भी जांच किया जाय.

यह बातें आज जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र बचाव अभियान समिति के तत्वावधान में जगन्नाथपुर अनुमंडल मुख्यालय के सामने आयोजित विशाल धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा ने कहा. श्री बोबोंगा ने कहा कि 24-25 वर्ष से जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और पूर्व सांसद गीता कोड़ा का एक छत्र राज है. अभी जो कांग्रेस का विधायक सोनाराम सिंकु है वह मधु कोड़ा, गीता कोड़ा का ही डमी विधायक के रूप में प्रचलित है.

जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास का जो मॉडल है अब तक मूलभूत सुविधा का घोर अभाव है. पूर्व विधायक बोबोंगा ने कहा कि मधु कोड़ा, गीता कोड़ा के गांव में डीएमएफटी से जो जलमीनार का निर्माण हुआ है उस जलमीनर से अब तक एक बूंद पानी की आपूर्ति गांव वालों को नसीब नहीं है, साथ ही उनके गांव में ही अब तक आंगनबाड़ी केंद्र भवन भी नहीं बन पाया. यही जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र की विकास मॉडल है. कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सन्नी सिंकु ने कहा कि जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी राजनीतिक दल के नेतागण और झारखंड आन्दोलनकारियों को धन्यवाद देना चाहता हूं कि जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र को विकास के नाम पर लूट से बचाने के लिए जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र बचाव अभियान समिति का गठन किया गया है.

इस सामाजिक संगठन के द्वारा हम सभी विभिन्न राजनीतिक दल के सभी नेतागण, चुनाव लड़ने वाले एकत्रित हुए है. सन्नी सिंकु ने आगे कहा कि हमारे जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र से डीएमएफटी में सबसे अधिक रुपया जमा होता है, लेकिन जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र में डीएमएफटी राशि का भी बंदरबांट हो रहा है. इस बंदरबाट को रोकने का जिम्मेदारी इस विधानसभा क्षेत्र के नेताओ के साथ साथ प्रबुद्ध नागरिक और ग्रामीणों का भी है. झारखण्ड आंदोलनकारी नवाज हुसैन उर्फ बिरसा ने कहा कि जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र में मधु कोड़ा, गीता कोड़ा ने एक ही व्यक्ति से विधायक और सांसद निधि से बोरिंग कराया है. इसमें हर जगह तय मानक से कम गहरा बोरिंग करके राशि का गबन किया गया है. इसलिए जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र में सांसद, विधायक निधि से किया गया बोरिंग का उच्च स्तरीय जांच करना सुनिश्चित हो.

धरना प्रदर्शन की अध्यक्ष और संचालन जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र बचाव अभियान समिति के संयोजक राकेश राउत ने किया. धरना प्रदर्शन को अशोक पान, मंजीत कोड़ा, गौतम महतो, सोमा कोड़ा, सीताराम लागूरी, जयारानी पाड़ेया, प्रशांत चाम्पिया, अभिषेक सिंकु व अन्य ने संबोधित किया. धन्यवाद ज्ञापन झारखंड आंदोलनकारी राजू पान ने किया. धरना-प्रदर्शन में जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र से सभी राजनीतिक दल के नेतागण, झारखंड आंदोलनकारी सैकड़ों की संख्या में शामिल हुए.

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1,95,544 मामलों का किया गया निष्पादन

लोक अदालत में मौजूद न्यायिक दंडाधिकारी व अन्य.

संवाददाता । चाईबासा

झालसा के निर्देशानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा के तत्वावधान में चाईबासा सिविल कोर्ट परिसर और चक्रधरपुर अनुमंडल न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया. इस दौरान चाईबासा न्यायालय में गठित नौ और चक्रधरपुर अनुमंडल न्यायालय में तीन न्यायपीठों का गठन किया गया. मामलों की सुनवाई करते हुए कुल 1,95,544 मुद्दों का सफल निष्पादन किया गया. वहीं 21,33,87,291 रुपए का समायोजन हुआ. प्राधिकार के सचिव राजीव कुमार सिंह ने बताया कि प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय योगेश्वर मणि, जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सूर्य भूषण ओझा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ लक्ष्मण प्रसाद, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विनोद कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राजीव कुमार सिंह, रेलवे दंडाधिकारी मंजीत कुमार साहू, एसडीजेएम सदर सह रजिस्ट्रार सुप्रिया रानी तिग्गा, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी एंजिलिना नीलम मड़की, अध्यक्ष उपभोक्ता फोरम सुनील कुमार सिंह तथा चक्रधरपुर अनुमंडल न्यायालय में जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम अजय कुमार सिंह ने मामलों का निष्पादन किया.

ब्रीफ खबरें

भगत सिंह जयंती पर नशा से दूर रहने की ली शपथ

किरीबुरु । शनिवार को गुवा के नानक नगर में शहीद भगत सिंह की 124वीं जयंती मनाई गई. इस दौरान युवाओं और बच्चों ने भगत सिंह की तस्वीर पर माल्यार्पण कर धूप बत्ती जलायी. स्कूल टॉपर रहे प्रियांशु शेखर ने कहा कि जब हमारे खेलने कूदने की उम्र होती है उस उम्र में भगत सिंह ने देश की खातिर अपने प्राण न्योछावर कर दिए. कार्यक्रम के दौरान युवाओं को नशा से दूर रहने की शपथ दिलाई गई. बाल कलाकार कुमार आशुतोष ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत कर लोगों में जोश भरा. इसके बाद बच्चों के बीच चॉकलेट वितरण किया गया. इस दौरान आशुतोष बेहरा, राजवीर, अंकित, आदर्श, देव, कृष, अंश, अर्णव, रोशन, अनिकेत आदि मौजूद थे.

नौ महीने बाद भी शुरू नहीं हुआ सड़कों का निर्माण

चांडिल । मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत स्वीकृत ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के सात सड़कों का निर्माण कार्य एकरारनामा होने के नौ माह बाद भी शुरू नहीं हुआ है. इन सड़कों के सुदृढीकरण के लिए 9 जनवरी 2024 को एकरारनामा हुआ था. इसका कार्य प्रारंभ करने की तिथि 9 जनवरी 2024 और कार्य पूर्ण करने की तिथि 8 जनवरी 2025 है. इन सड़कों के सुदृढ़ीकरण का कार्य मेसर्स पीएल कन्स्ट्रक्शन, गिरिडीह को मिला है. इस कार्य को एकरारनामा किए हुए पांच माह बाद कार्यपालक अभियंता ने 26 जून को ठेकेदार को पत्र लिख कार्य प्रारंभ कर सहायक अभियंता व कनीय अभियंता से संपर्क कर प्रगति लाने का निर्देश दिया था.

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में कराटे प्रतियोगिता शुरू

चक्रधरपुर । 8वीं राज्य स्तरीय आमंत्रण कराटे दो दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार से चक्रधरपुर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तुलसी भवन में हुआ. वाडो रियु स्पोर्ट्स कराटे स्कूल के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है. चक्रधरपुर के आरपीएफ के ओसी विक्रम सिंह, गिरिराज सेना के प्रमुख सह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रभारी उमा शंकर गिरि ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया. इस अवसर बालिका वर्ग के अंडर 9, अंडर 11, अंडर 13 के प्रतिभागियों के बीच काता प्रतियोगिता भी हुई. प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों ने मेडल व प्रमाण पत्र दिए.

विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर कांग्रेस की बैठक

गोइलकेरा । विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर शनिवार को गोइलकेरा हाट बाजार परिसर में कांग्रेस की बैठक हुई. बैठक में सिंहभूम लोकसभा स्तरीय पर्यवेक्षक राधेश्याम मुभेल ने विधानसभा चुनाव में मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र से पार्टी का प्रत्याशी देने व उसकी जीत सुनिश्चित करने पर चर्चा की. राधेश्याम मुभेल ने कहा कि विस चुनाव की तैयारी में कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता जुट जाएं. कांग्रेस पार्टी झामुमो से गठबंधन धर्म निभाते आ रही है. इससे इस क्षेत्र से इंडिया गठबंधन पार्टी प्रत्याशी की जीत हो रही है. लोकसभा चुनाव में भी इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी जोबा माझी को भारी बहुमत से जीत दिलायी गई है.

पोड़ाहाट पहुंची भाजपा की परिवर्तन यात्रा, हेमंत सोरेन पर बरसे बाबूलाल मरांडी, कहा

जॉब के नाम पर युवाओं को दी मौत

- हेमंत सोरेन सरकार के मंत्रियों की संवेदना खत्म
- जनता को हेमंत ने दिखाये झूठे सपने : दिनेशानंद गोस्वामी

संवाददाता । चक्रधरपुर

परिवर्तन सभा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, दिनेशानंद गोस्वामी, पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई व अन्य.

झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने जॉब के नाम पर युवाओं को मौत दी है. चुनाव को देखते हुए आनन-फानन में उत्पाद सिपाही बहाली प्रक्रिया की गई. इसके कारण कई युवाओं को अपनी जान गंवानी पड़ी. इसके बाद भी हेमंत सोरेन या उनके सरकार का कोई भी मंत्री मरने वाले युवाओं के परिजनों से मिलने तक नहीं गये. यह बातें पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहीं. वे शनिवार को चक्रधरपुर के पोड़ाहाट स्टेडियम में भाजपा की ओर से आयोजित परिवर्तन यात्रा की सभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार के मंत्रियों में संवेदना ही खत्म हो गई है. हेमंत सोरेन राज्य की जनता को सिर्फ ठगना जानती है. चुनाव के वक्त जितने वादे किये गये थे, सभी को भुला दिया गया. बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही गई थी, लेकिन युवाओं को बेरोजगारी भत्ता नहीं मिल रहा है. झारखंड में कुछ दिनों बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, इसलिए मंईयां सम्मान योजना के नाम महिलाओं को पैसे दिये जा रहे हैं, अगर राज्य सरकार को यह योजना चालू करनी थी तो पांच साल पहले शुरू करनी चाहिए थी. इससे यह साफ पता चलता है कि जाल बिछाकर वोट लेने के लिए इस तरह की योजना शुरू की गई है, ताकि प्रलोभन में लोगों को फंसा सकें.

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि राज्य के मुखिया हेमंत सोरेन ने जनता को झूठे सपने दिखाया है. राज्य के युवा बेरोजगार घूम रहे हैं. राज्य के किसान आर्थिक संकट से जुझ रहे हैं, लेकिन उन पर ध्यान नहीं दिया जा रहा. बालू, पत्थर व खनिजों की चोरी धड़ल्ले से हो रही है. वहीं मौके पर पूर्व विधायक शशिभूषण सामड ने कहा कि विधानसभा चुनाव में इस जिले के सभी विधायकों का हारना निश्चित है. चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की ही जीत होगी. वहीं इस दौरान पूर्व मंत्री सह परिवर्तन सभा यात्रा के सह संयोजक बड़कुंवर गागराई, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष मालती गिलुवा, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री विजय मेलगांडी, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय, पूर्व अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी, पवन शंकर पांडेय समेत अन्य ने भी संबोधित करते हुये राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर जमकर निशाना साधा.

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस मौके पर भाजपा के जिलामंत्री सुरेश साव, नगर अध्यक्ष विनोद शर्मा, संजय मिश्रा, संजय पासवान, शिवलाल रवानी, अभिजीत भट्टाचार्य, परविंदर चौहान, ललित मोहन गिलुवा, अशोक दास, पंडित महतो, मधु सामड समेत भाजपा के नगर, प्रखंड व सभी मंडल के नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे.

हेमंत ने बीमार पिता की कसम खाकर ठगा

पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन ने चुनाव से पूर्व अपने बीमार पिता की कसमें खाकर झारखंड के लोगों व युवाओं को ठगा है. राज्य के बालू, पत्थर चोरी किये जा रहे हैं. नाम बदल-बदल कर जमीन खरीदारी कर घोटाले किये जा रहे हैं. घुसपैठियों को राज्य में शरण दिया जा रहा है. इसे अब राज्य की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी. उन्होंने कहा कि अब परिवर्तन का समय है. इसलिए परिवर्तन यात्रा रथ निकालकर पूरे झारखंड में भ्रमण किया जा रहा है. राज्य में रोटी, बेटी और माटी की रक्षा के लिए भाजपा की सरकार बनानी होगी. राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर घूसखोरों पर लगाम कसा जाएगा. जो अफसर पैसे की मांग करते हैं, वे लोगों के गांव-घर जाकर काम करेंगे. इस मौके पर भाजपा के नेता व कार्यकर्ताओं के अलावे शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लोग मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

हाथियों से त्रस्त ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

चांडिल । नीमडीह प्रखंड क्षेत्र का कल्याणपुर, काशीडीह, सिंदूरपुर, तिलाईटांड, अंडा, हुटूप आदि गांवों में इन दिनों जंगली हाथियों का उत्पात चरम पर है. रोज जंगली हाथी किसी ना किसी किसान का फसल बर्बाद कर रहा है. जंगली हाथियों के उत्पात से क्षेत्र के किसान त्रस्त है. किसानों की समस्या को देखते हुए शनिवार को ईचागढ़ के पूर्व विधायक अरविंद सिंह उर्फ मलखान सिंह के निर्देश पर अंकुर सिंह ने ग्रामीणों के साथ चांडिल स्थित वन विभाग का कार्यालय पहुंकर जमकर प्रदर्शन किया. उन्होंने हाथियों के उत्पात से त्रस्त ग्रामीणों की समस्याओं के शीघ्र समाधान करने की मांग की. इस अवसर पर उन्होंने रेंजर को ज्ञापन भी सौंपा.

पूर्व शिक्षक को चौथी पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

चांडिल । शहीद अजीत-धनंजय महतो विद्या निकेतन चोगा के संस्थापक शिक्षक दिवंगत धीरेंद्र नाथ महतो को उनकी चौथी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई. शहीद स्कूल चोगा में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शिक्षा प्रेमियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया. दिवंगत धीरेंद्र नाथ महतो ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के बामनडीह गांव के रहने वाले थे. क्षेत्र में शिक्षा के विकास में उनका सराहनीय यशेगदान रहा है. मौके पर सेवानिवृत्त शिक्षक उमाकांत महतो ने बताया कि दिवंगत धीरेंद्र महतो बचपन से ही संघर्षशील एवं मिलनसार व्यक्ति थे. इस अवसर पर डा गुरुचरण महतो, इंटर कॉलेज तिरूलडीह के प्राचार्य उपेन चंद्र महतो, मनोरंजन महतो आदि उपस्थित थे.

सारंडा व कोल्हान के ग्रामीणों ने विधायक से कही समस्या

किरीबुरु । सारंडा व कोल्हान वन प्रक्षेत्र के दर्जनों गांवों के मुंडा व ग्रामीणों ने जगन्नाथपुर में विधायक सोनाराम सिंकु से मुलाकात की. इस मुलाकात के दौरान होलोंगउली, सलाई, जामकुंडिया, बुंडू, रोवाम, कुम्बिया, काशिया-पेचा आदि दर्जनों गांवों के ग्रामीणों ने अपने-अपने गांव की सड़कें, पेयजल, रोजगार व बिजली संबंधित समस्या आदि के बारे में बताया और समाधान की मांग की. विधायक ने भी इन समस्याओं का समाधान का भरोसा दिया. विधायक से अपनी समस्या बताने वालों में जामकुंडिया के मुंडा कुशु देवगम, रोवाम के रामो सिधु, बुंडू के राजेश पूर्ति, काशिया-पेचा के मंगता सुरेन, कुम्बिया के गोनो चाम्पिया, होलोंगउली के सोमा मुंडा, सलाई से धर्मेन्द्र चाम्पिया आदि अन्य गांवों से भी ग्रामीण गये थे.

जगत माझी ने किया फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

चक्रधरपुर । सोनुआ के नव युवक संघ महुलडीहा के तत्वावधान में शनिवार से दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया. मुख्य अतिथि झामुमो के युवा नेता जगत माझी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया. उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि खेलकूद से मानसिक और शारीरिक विकास होता है. शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेलकूद भी जरूरी है. खेलकूद के क्षेत्र में झारखंड के खिलाड़ी देश-विदेश में नाम रोशन कर रहे हैं. इस मौके पर आयोजन समिति के सदस्यों ने कहा कि प्रतियोगिता की विजेता टीम को नगद राशि 50 हजार और पूरी टीम को जर्सी दी जाएगी. वहीं उप विजेता टीम को नगद राशि 30 हजार के साथ जर्सी, तीसरे व चौथे स्थान प्राप्त करने वाले टीम को नगद राशि 20 हजार रुपये देकर पुरस्कृत किया जाएगा.

पाटा में हैवी ब्लास्टिंग का ग्रामीणों ने किया विरोध

चांडिल । चांडिल प्रखंड अंतर्गत पाटा में टाटा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर सड़क निर्माण को लेकर किए जा रहे हैवी ब्लास्टिंग का ग्रामीण विरोध कर रहे हैं. ग्रामीणों ने बताया कि चट्टानों को तोड़ने के लिए ब्लास्टिंग किए जाने के कारण पाटा गांव के कई मकानों में दरारें आ गई हैं. कमजोर हो चुके मकान कभी भी गिर सकते हैं. शनिवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने ब्लास्टिंग किए जाने वाले स्थान पर पहुंचकर विरोध किया. ग्रामीणों ने बताया कि टाटा-रांची राष्ट्रीय उच्च पथ को फोरलेन किए जाने का काम जारी है. सड़क निर्माण के लिए राष्ट्रीय उच्च पथ 33 पर पाटा गांव के समीप चट्टानों को तोड़ने के लिए हैवी ब्लास्टिंग किया जा रहा है. हैवी ब्लास्टिंग के कारण ग्रामीण परेशान हैं. ग्रामीणों ने बताया कि सबसे अहम बात है कि कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा हैवी ब्लास्टिंग करने को लेकर गांव वालों को किसी प्रकार की सूचना तक नहीं दी जाती है.

सामाजिक समरसता के साथ दुर्गा पूजा मनाने का निर्णय

संवाददाता । चांडिल

चांडिल अनुमंडल अंतर्गत तिरुलडीह थाना परिसर में शनिवार को थाना प्रभारी अलम चांद महतो की अध्यक्षता में दुर्गोत्सव को लेकर शांति समिति की बैठक हुई. बैठक में जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो, उप प्रमुख मो. एकराम, अंचल निरीक्षक गधाधर गोप समेत थाना क्षेत्र के पूजा कमेटियों के संचालक, शांति समिति के सदस्य व कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए. मौके पर शारदीय नवरात्र पर मनाए जाने वाले दुर्गा पूजा को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आपसी सहयोग और शांतिपूर्ण तरीके से मिलजुल कर मनाने का निर्णय लिया गया. इस अवसर पर थाना प्रभारी ने उपस्थित लोगों को सरकार की ओर से दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर जारी किए गए गाइडलाइन की जानकारी दी. उन्होंने पूजा आयोजन समितियों से गाइडलाइन के तहत ही अनुष्ठानों का आयोजन करने की अपील की. बैठक में जिला परिषद की उपाध्यक्ष मधुश्री महतो ने सभी से शांतिपूर्ण और आपसी भाईचारे के साथ दुर्गा पूजा का त्योहार मनाने की अपील की. उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता की हमारी पहचान है और इस पहचान को किसी भी कीमत पर धूमिल नहीं होने देना है.

प्रखंडवासी मिल-जुलकर आदि शक्ति की आराधना करें और महोत्सव का आनंद उठाए. पूजा आयोजन समितियों के प्रतिनिधियों ने भी सरकार की गाइडलाइन के तहत भव्य व ऐतिहासिक रूप से पूजा मनाने की बात कही. शांति समिति के सदस्यों ने बैठक में भाईचारा के साथ दुर्गा पूजा संपन्न कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की.

हिन्दी पूरे विश्व की भाषा बन चुकी है : आरपी सेलबम

संवाददाता । किरीबुरु

समापन समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करने आरपी सेलबम.

मेघाहातुबुरु लौह अयस्क खदान, रॉ मेटेरियल्स डिवीजन, स्टील ऑथरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (सेल) में 27 सितंबर की रात राजभाषा पाखवाड़ा के समापन समारोह का भव्य आयोजन सामुदायिक केंद्र मेघाहातुबुरु में किया गया. राजभाषा पखवाड़ा 14 सितंबर से 27 सितंबर तक चला. इसमें कुल 26 प्रतियोगिताएं (वाद-विवाद, निबंध, अंताक्षरी, कविता पाठ, आवेदन पत्र लेखन, टिप्पण पत्र लेखन, श्रुति लेख, क्विज, पेंटिंग और नारा पोस्टर) इत्यादि आयोजित की गई. इसमें कुल 170 पुरस्कार प्रतिभागियों के बीच वितरीत किया गया.

राजभाषा पखवाड़ा के समापन समारोह का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि आरपी सेलबम, विशिष्ट अतिथि महिला समिति की अध्यक्ष स्टेला सेलबम, मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) श्याम सुंदर साह, महाप्रबंधक (खान) संजय कुमार सिंह, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) विकास द्याल, महाप्रबंधक (असैनिक) केबी थापा, महाप्रबंधक (विद्युत) मनीष राय, महाप्रबंधक (वित्त व लेखा) योगेश प्रसाद राम, हिन्दी अधिकारी अवधेश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया. समारोह में सीजीएम आरपी सेलबम ने कहा कि आज हिंदी पूरे विश्व की भाषा बन चुकी है. स्टेला सेलबम ने कहा कि हिन्दी भारत की राज काज की भाषा है. अगर कोई अहिन्दी भाषी व्यक्ति हिन्दी बोलना, लिखना और समझता है तो वह भारत में किसी भी राज्य में जाएगा, वहां के लोगों के दिलों पर राज करेगा. कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री विकास दयाल द्वारा किया गया तथा मंच संचालन अवधेश कुमार, सहायक महाप्रबंधक (सर्वेक्षण) सह मनोनित हिंदी अधिकारी एवं आभार प्रदर्शन मोहन कुमार, सहायक महाप्रबंधक (वित्त व लेखा) द्वारा किया गया.

आक्रोश एनएच 75 सड़क निर्माण के लिए तीन दिवसीय पदयात्रा समाप्त, मरम्मत नहीं किये जाने से गांव वाले व चालक नाराज

सड़क पर गड्ढे होने के कारण दुर्घटनाओं का होना आम बात : ग्रामीण

- जमीन मालिकों को अब तक नहीं मिला मुआवजा
- पूरे देश में कहीं नहीं है एनएच का ऐसा बुरा हाल

संवाददाता । चाईबासा

चाईबासा में नेशनल हाइवे 75 पर बने जानलेवा गड्ढे.

एनएच 75 सड़क निर्माण को लेकर तीन दिवसीय पदयात्रा का कैलेंडे गांव में समापन हुआ. यह पदयात्रा हाट गम्हरिया से शुरू हुई थी. एनएच सड़क का निर्माण कार्य और सड़क को लेकर जब ग्रामीण और ट्रक ड्राइवरों से समस्या को लेकर पूछताछ की गयी तो सड़क के हालात पर सभी काफी अक्रोशित हैं और ट्रक चालकों का कहना है कि पूरे देश में इससे खराब एनएच सड़क नहीं देखी.

ग्रामीणों ने कहा कि गड्ढानुमा सड़क के कारण दुर्घटनाओं का होना आम बात है और चालकों को जाम के कारण भूखा रहना पड़ता है. सरकार हमारे लिए कोई सुविधा नहीं देती है. अगर गाड़ी नहीं चलेगी तो कितने कारखाने बंद हो जायेंगे. इससे देश का विकास रुक जायेगा. ग्रामीणों ने कहा कि आज तक जमीन मालिकों को मुवावजा नहीं मिला है और सड़क का बुरा हाल होने से प्रत्येक दिन जाम लगने से गांव वालों को काफी परेशानी उठाना पड़ता है. सड़क पर पैदल चलना मुस्किल हो गया है.

सड़क की दूसरी ओर जानवरों को ले जाने में दिक्कत हो गयी है. सरकार सड़क जल्दी निर्माण करे वर्ना सड़क जाम किया जायेगा. आदिवासी किसान मजदूर पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जॉन मिरन मुंडा ने कहा कि यह सड़क देश को सबसे ज्यादा टैक्स देता है. यह कोल्हान की एकमात्र जीवन रेखा सड़क है. सड़क का निर्माण के लिए हमलोंगो ने दो बार श्रमदान किया. फिर पदयात्रा की. उसके बाद बनना शुरू हुआ, लेकिन घटिया गुणवत्ता के कारण ये सड़क फिर से खराब हो गयी है. स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे हो या बाजार जाने वाले ग्रामीण या फिर मरीज इन लोगों के लिए बहुत परेशानी हो रही है.

सरकार 300 करोड़ कर रही खर्च, फिर भी गड्ढे

सरकार 300 करोड़ रुपए खर्च कर रही है, लेकिन आरकेएस कंस्ट्रक्शन कंपनी का काम झारखंड विधानसभा भवन निर्माण हो या हाईकोर्ट भवन निर्माण दोनों के ऊपर से पानी रिस रहा है. सड़क भी गड्ढानुमा हो गयी है. यह ठेकेदार बीजेपी हो या जेएमएम सरकार दोनों में अपना दबदबा रखते हैं. इसके कारण उनके ऊपर कोई अधिकारी हिम्मत नहीं जुटा पाते और निर्माण कार्य में गड़बड़ी देखने को मिलती है. ऐसे ठेकेदारों को काली सूची में डालना चाहिए. इनके सामने जेएमएम का विधायक हो या बीजेपी का किसी का हिम्मत नहीं है कि कोई बोल दे सड़क निर्माण ठीक से करो. इस सड़क के मुद्दे पर मधु कोड़ा मुख्यमंत्री भी बन गए थे. इसलिए सरकार अविलंब सड़क निर्माण कार्यगुणवत्ता पूर्ण शुरू करे वरना जनता सड़क में रोपनी का कार्य करेगा. और ठेकेदार और सरकार का गठजोड़ का विरोध करेगा. पद यात्रा में जिला परिषद मानसिंह त्रिया, माधव चंद्र कुंकल, चुमरू कुंकल, बिनोद सिंकु, नरसिंग पूर्ति सलेंद्र मुंडा, मेघनाथ लगूरी, लगो लगुरी आदि शामिल थे.

कटकमसांडी : शांति समिति की बैठक में अशांति, थाना प्रभारी और सीओ आपस में भिड़ीं, जमकर हुआ तुम-तड़ाका

10 मिनट लेट पहुंचीं थाना प्रभारी, तो सीओ ने कहा- गेटआउट

- थाना प्रभारी ने कहा- लेट पहुंची, तो सीओ ने गाली गलौज की
- अंचलाधिकारी का मोबाइल फोन बता रहा- मैडम इज नॉट रिचेबल

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग के कटकमासांडी प्रखंड के गड़खेर में शनिवार को शांति समिति की बैठक में अंचलाधिकारी सह बीडीओ और पेलावल थानेदार आपस में भिड़ गईं. दोनों के बीच जमकर तुम-तड़ाका हुआ. मैं सीनियर, तुम जूनियर. देखिए, मैं पद के हिसाब से सीनियर हूं, आप जूनियर हो, इसलिए... दोनों मे जमकर तू-तू-मैं-मैं होने लगी, तो कुछ ग्रामीणों ने समझौते की पहल की. दोनों को समझा-बुझा कर शांत कराया, समझतौ कराया. इसके बाद शांति समिति की बैठक स्थगित कर दी गयी. बैठक स्थगित होने के बाद अंचलाधिकारी सह बीडीओ और थानेदार ने अपना-अपना आवेदन डीसी-एसपी को सौंप कर पूरे ममाले की जानकारी दी.

ग्रामीण बोले, सीओ ने थाना प्रभारी से कहा- गेट आउट

ग्रामीणों ने बताया कि शांति समिति की बैठक दुर्गा पूजा को लेकर गड़ोखर पंचायत भवन में शनिवार को होनी थी और इस बैठक में पहले कटकमसांडी अंचलाधिकारी पहुंची. कुछ देर बाद थाना प्रभारी भी पहुंचीं. थाना प्रभारी के लेट से पहुंचने पर अंचलाधिकारी भड़क गईं, कहने लगीं, सीनियर लोग पहले पहुंच जाता है और जूनियर लोग लेट से आता है. अंचलाधिकारी ने थाना प्रभारी के साथ तुम-तड़ाका करते हुए कहा कि ये आने का समय है, गेट आउट. सीनियर पहले पहुंच जाता है और जूनियर लेट से आता है .ऐसा नहीं चलेगा. फिर क्या था, इसी बात पर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और दोनों आपस में उलझ गयीं.

10 मिनट लेट पहुंचीं, तो सीओ ने तुम-तड़ाका किया : थाना प्रभारी

पेलावल थाना प्रभारी शाहिना परवीन ने बताया कि बैठक एसडीओ, ग्रामीण और थाना प्रभारी के साथ होनी थी. एसडीओ किसी काम से बाहर थे, और थाने पर कुछ लोग अपनी समस्या को लेकर पहुंचे थे इसके लिए बैठक में 10 मिनट लेट से पहुंची. वहीं पहले से कटकमसांडी अंचल अधिकारी सविता सिंह पंचायत भवन पहुंची थीं, जिसकी मुझे कोई जानकारी नहीं थी. लेट होने के कारण वह सीनियर-जूनियर का हवाला देती हुईं तुम-ताड़का करती हुईं गाली गलौज पर उतर आईं.

सीओ का रवैया ठीक नहीं : कांग्रेस नेता

धरहरा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य सह कांग्रेस नेता प्रदीप मिश्रा ने बताया कि अंचलाधिकारी का रवैया कुछ ठीक नहीं था. वह कई निर्दोष लोगों पर उल्टा सीधा मामला दर्ज करा चुकी हैं.

पुलिस और जिला प्रशासन में समन्वय जरूरी : डीआईजी

हजारीबाग रेंज के डीआईजी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि पुलिस और जिला प्रशासन के बीच आपस में समन्वय होना चाहिए. इसमें सीनियर जूनियर की बात कहां से आती है. आम जनता के बीच अच्छा संदेश जाए, इसके लिए दोनों को मिलकर काम करना चाहिए.

आगे बढ़ें खिलाड़ी, हर संभव मदद करेंगे : चंद्रप्रकाश चौधरी

- बोरोविंग में रंजीत मुंडा फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल
- हिंडालको मुरी की टीम ने जमाया विजेता ट्रॉफी पर कब्जा

संवाददाता। रामगढ़

बिरसा स्पोर्टिंग क्लब बोरोविंग के तत्वाधान में शनिवार को रंजीत मुंडा फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला गया. हिंडाल्को मुरी बनाम बारलोंग के बीच खेले गये मैच में हिंडाल्को की टीम ने एक गोल से जीत हासिल कर ट्रॉफी में कब्जा जमाया. वहीं महिला टीम में ओपी जिंदल बनाम सांड़ी तिलैया के बीच फाइनल मैच हुआ. टाइब्रेकर में तिलैया सांडी की टीम ने जीत हासिल किया.

इससे पूर्व मुख्य अतिथि गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी व विशिष्ठ अतिथि केंद्रीय सचिव अमृतलाल मुंडा, विशाल स्पंज के निदेशक मुकेश बौंदिया, जीएम रमेश बेलथरिया ने संयुक्त रूप से खिलाडियों से परिचय प्राप्त का मैच का शुभारंभ किया. सांसद ने कहा कि रंजीत मुंडा समाज को एक साथ लेकर चलने वाले व्यक्ति थे. उनके मार्गदर्शन से युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा कार्यक्रम होते रहे हैं. आगे कहा कि खिलाड़ी बेहतर खेल का प्रदर्शन कर आगे बढ़े, उन्हें हर संभव मदद की जाएगी. मौके पर पन्नालाल बर्डमैन, प्रचार्य तपेश्वर महली, ओमप्रकाश चौधरी, राकेश कुमार, शिवनंदन मुंडा, अवधेश मुंडा, विजेंद्र मुंडा, सतीश मुंडा, अमित मुंडा, कृति करमाली, अनिल मुंडा, जगरनाथ बेदिया, सुनिल मुंडा सहित कई लोग मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

रामगढ़ के गुरुद्वारा साहिब में मना जोत पर्व

रामगढ़। रामगढ़ गुरुद्वारा के श्री गुरु सिंह सभा में गुरु नानक देव का ज्योति जोत पर्व श्रद्धा के साथ मनाया गया. इस अवसर गुरुद्वारा में अखंड पाठ साहिब की समाप्ति के उपरांत हजूरी रागी द्वारा शबद कीर्तन किया गया. वहीं, रात्रि में विशेष दीवान सजाया गया. तत्पश्चात रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में अटूट लंगर बंटवाया गया. लंगर की सेवा सरदार हरविंदर सिंह सैनी उर्फ बबलू सैनी की तरफ से की गई. कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा, अमित प्रधान, अमरजीत सिंह सैनी, हैप्पी छाबड़ा, रघुवीर सिंह छाबड़ा, जोगिंदर सिंह जग्गी, रविंद्र सिंह छाबड़ा, नरेंद्र सिंह, चमन जगजीत सिंह, परमजीत सिंह, जिगर छाबड़ा,अनमोल सिंह, आनंद कशिश छाबडा, जगजीत सिंह जग्गी, अमरजीत सिंह जग्गी, हरप्रीत सिंह खालसा, विक्की छाबड़ा, रानी सलूजा, मीता चमन, स्वीटी छाबड़ा, बंपी अरोड़ा, हरजीत सोनी, कनिका सोनी, वर्षा गांधी, रोमी छाबड़ा, गुरबख्श सैनी आदि मौजूद थे.

कंटेनर में लगी आग धूं-धूं कर जला वाहन

चौपारण। जीटी रोड में दनुआ घाटी में फोम लदे कंटेनर में शनिवार को आग लगने से वाहन सहित सामान जलकर राख हो गया. बताया जाता है कि कंटेनर (एचआर 55 एए 0578) में फोम लदा हुआ था और गाड़ी नोयडा से भुनेश्वर (उड़ीसा) जा रही थी. झारखंड-बिहार के बॉर्डर को पार करने के बाद दनुआ घाटी की चढ़ाई के क्रम में सांझा में कंटेनर में शॉट सर्किट के कारण केबिन में आग लग गई. देखते ही देखते आग पूरे कंटेनर में फैल गया, जिससे धूं-धूं कर फोम सहित पूरा जल कर राख हो गया.

कोडरमा में 34 साल, बरही में 29 साल और बरकट्ठा में 19 साल से यादव विधायक

बरही, बरकट्ठा व कोडरमा विस में यादव नेताओं का रहा है जलवा

शुभम संदेश 'पड़ताल'

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

- यादव उमीदवारों के सामने नहीं टिक सके हैं दूसरे उम्मीदवार

चुनावों में प्रत्याशी की हार और जीत बहुत हद तक जातीय समीकरण पर भी निर्भर करती है. जिस जाति के वोटर ज्यादा होते हैं, संबंधित विधानसभा क्षेत्र में उस जाति के उम्मीदवारों की जीत तय मानी जाती है. झारखंड के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल में ऐसी तीन विधानसभा सीटें हैं, जहां यादव वोटरों की आबादी अच्छी-खासी है और इन सीटों पर कई वर्षों से यादव उम्मीदवारों का एकछत्र राज कायम है. ये तीन विधानसभा हैं, कोडरमा, बरही और बरकट्ठा.

पिछले कई विधानसभा चुनावों में इन तीनों सीटों पर यादव उम्मीदवार ही जीतते आ रहे हैं, चाहे वे किसी भी दल के हों. इन उमीदवारों का जलवा ऐसा है कि जो इनके खिलाफ खड़ा होता है, उनका सूपड़ा साफ हो जाता है. कोडरमा विधानसभा की बात करें, तो यहां वर्ष 1990 में रमेश यादव की जीत के बाद से अब तक यादव उम्मीदवार ही विधायक बनते आ रहे हैं. वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव की बात करें, तो कोडरमा विधानसभा में मुस्लिम के बाद सबसे ज्यादा यादव वोटर थे. यहां कुल मतदाताओं का 16.2% मुस्लिम वोटर थे, जबकि यादव वोटरों की संख्या 14.7 फीसदी (49,960) थी.

वहीं, बरही विधानसभा की बात करें, तो वर्ष 1995 में मनोज यादव यहां से जीते थे और अब तक इस सीट से यादव उम्मीदवार ही जीतते आए हैं. वर्तमान में इस सीट से उमाशंकर अकेला यादव विधायक हैं. जबकि, बरकट्ठा विधान सभा से 2004 में चितरंजन यादव की जीत के बाद से अब तक इस सीट पर यादव जाति के उम्मीदवारों का कब्जा रहा है. इन तीनों सीटों पर हार-जीत किसी भी पार्टी की हो, पर जीत यादव उमीदवार की ही होती है. वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में बरही विधानसभा में यादव वोटरों की संख्या 37,084 (12.9%) थी, जबकि 48,008 (16.7%) मुस्लिम वोटर थे. हालांकि, बरकट्ठा विधानसभा में मुस्लिम वोटर तीसरे स्थान पर हैं. पिछले विस चुनाव में यहां मुस्लिम वोटर 16.6%, महतो वोटर 13.4% और यादव वोटर 11.7% (39,554) थे.

कोडरमा में 34 साल से यादव नेताओं का बादशाहत बरकरार

विश्वभर में अभ्रक के लिए मशहूर कोडरमा विधानसभा में पिछले 34 वर्षों से यादव उम्मीदवारों का जलवा बरकरार है. कोडरमा में पहली बार 1952 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के अवध बिहारी दीक्षित ने जीत हासिल की थी. इसके बाद वर्ष 1957 में छोटानागपुर संथाल परगना जनता पार्टी के जीपी त्रिपाठी विधायक बने. वहीं, वर्ष 1962 में पुनः अवध बिहारी दीक्षित विधायक बने. इन तीन चुनावों के बाद इस सीट पर कभी सोशलिस्ट पार्टी के विश्वनाथ मोदी, तो कभी कांग्रेस के राजेंद्र नाथ विधायक रहे. हालांकि, वर्ष 1990 में अचानक बड़ा फेरबदल हुआ और जनता दल के उम्मीदवार रमेश प्रसाद यादव विधायक चुने गए. इसके बाद लगातार कई वर्षों तक विधायकी की धुरी रमेश प्रसाद यादव और बाद में उनकी पत्नी अन्नपूर्णा देवी के ईद-गिर्द घूमती रही. रमेश प्रसाद यादव के निधन के बाद वर्ष 1998 के उप चुनाव में सहानुभूति लहर के बीच राजद के टिकट से अन्नपूर्णा देवी ने भाजपा के रमेश सिंह को हराया. फिर लगातार तीन बार वर्ष 2000, 2005 व 2009 में विधायक चुनी गईं. राजद के इस गढ़ में पहली बार वर्ष 2014 में भाजपा उम्मीदवार डॉ नीरा यादव ने सेंध लगाई और दिग्गज नेत्री अन्नपूर्णा देवी को पराजित किया. वर्ष 2019 पुनः डॉ नीरा यादव कोडरमा सीट से जीत हासिल करने में कामयाब रहीं.

बरही विस पर 29 साल से यादव उम्मीदवारों का एकछत्र राज रहा

बरही विधानसभा का गठन वर्ष 1952 में हुआ था. आजादी के बाद देश में हुए पहले आम चुनाव के साथ ही बरही में विधानसभा चुनाव हुआ था. वर्ष 1952 से 1977 तक हजारीबाग में रामगढ़ के राजा कामाख्या नारायण सिंह और रामगढ़ राज परिवार का वर्चस्व कायम रहा. बरही सीट से वर्ष 1980 और 1985 के विधानसभा चुनाव में लगातार दो बार कांग्रेस नेता निरंजन सिंह विधायक चुने गये. वहीं, वर्ष 1990 में भाकपा नेता रामलखन सिंह विधायक बने. इसके बाद वर्ष 1995 में मनोज कुमार यादव ने जीत दर्ज की. वर्ष 2000 और 2005 में भी चुनाव जीतकर उन्होंने विधायकी की हैट्रिक बनाई. फिर वर्ष 2009 में भाजपा प्रत्याशी उमाशंकर अकेला यादव ने चुनाव जीता, लेकिन पांच साल के कार्यकाल के बाद वर्ष 2014 में एक बार फिर मनोज कुमार यादव बरही से विधायक बने. 1995 से लगातार उमाशंकर अकेला यादव और मनोज कुमार यादव बरही सीट से विधानसभा चुनाव में एक दूसरे के प्रतिद्वंदी रहे हैं. वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में मनोज कुमार यादव के कांग्रेस को छोड़ कर भाजपा का दामन थाम लिया और उमाशंकर अकेला यादव कांग्रेस में शामिल हो गए. उन्होंने प्रतिद्वंदी मनोज कुमार यादव को हरा कर जीत दर्ज की. इस तरह 29 सालों से बरही विधानसभा में यादव उम्मीदवारों का एकछत्र राज रहा है.

बरकट्ठा में वर्ष 2005 से अब तक यादव नेता ही विधायक बने

हजारीबाग जिला अंतर्गत बरकट्ठा विधानसभा सीट पर पिछले 19 साल से यादव उम्मीदवारों का ही कब्जा रहा है. वर्ष 2005 में भाजपा के चितरंजन यादव के विधायक बनने के बाद से बरकट्ठा विधानसभा की धुरी दो यादव नेताओं अमित कुमार यादव और जानकी प्रसाद यादव के इर्द-गिर्द ही घूम रही है. 19 साल से बरकट्ठा विधानसभा सीट पर इन दोनों नेताओं के बीच ही चुनावी संग्राम देखने को मिलता रहा है. इस विधानसभा सीट पर पहली बार वर्ष 1977 में हुए चुनाव में जनता पार्टी के टिकट पर सुखदेव यादव विधायक बने थे. वहीं वर्ष 1980 में भाकपा प्रत्याशी भुवनेश्वर प्रसाद मेहता विधायक चुने गये. वर्ष 1985 में कांग्रेस के लंबोदर पाठक और वर्ष 1990 व 1995 में लगातार दो बार भाजपा के टिकट पर खगेंद्र प्रसाद विधायक निर्वाचित हुए. वर्ष 2000 में भाकपा उम्मीदवार भुवनेश्वर प्रसाद से महज 875 वोटों से चुनाव हारने के बाद खगेंद्र प्रसाद ने सक्रिय राजनीति से सन्यास ले लिया. इसके बाद वर्ष 2005 में भाजपा के चितरंजन यादव, वर्ष 2009 में भाजपा के ही अमित कुमार यादव, वर्ष 2014 में झाविमो प्रजातांत्रिक के जानकी प्रसाद यादव और वर्ष 2019 में निर्दलीय प्रत्याशी अमित कुमार यादव बरकट्ठा विधानसभा सीट से विधायक बने.

चतरा में पेड़ से लटका मिला सामाजिक कार्यकर्ता का शव

प्रतापपुर में आक्रोशित लोगों को समझाते पुलिस पदाधिकारी.

- आक्रोशित लोगों ने तीन घंटे प्रतापपुर-चतरा मार्ग किया जाम
- हत्या की आशंका, पुलिस के समझाने के बाद जाम हटाया

संवाददाता। चतरा

जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को सामाजिक कार्यकर्ता रंजीत यादव का शव पेड़ से लटका हुआ मिला. स्थानीय लोगों ने आशंका व्यक्त की है कि उनकी हत्या कर मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को पेड़ से लटका दिया गया. जानकारी के मुताबिक, रंजीत यादव शुक्रवार की शाम से ही लापता थे. उनके परिजनों ने पुलिस को सूचना दी, तो मोबाइल लोकेशन के आधार पर उनकी तलाश शुरू की गई.

शनिवार को लोकेशन के आधार पर पुलिस ने प्रतापपुर में कस्तूरबा गांधी स्कूल के पास सड़क से थोड़ी दूर पर महुआ के एक पेड़ से उनका शव लटकता हुआ पाया गया. बता दें कि रंजीत यादव यादव महासभा के उपाध्यक्ष थे. वह सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते थे और प्रतापपुर में ही एक कंप्यूटर सेंटर भी चलाते थे. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था. पुलिस हत्या व आत्महत्या दोनों बिंदुओं पर जांच में जुट गई है.

हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे लोग : घटना की सूचना फैलते ही मौके पर सैकड़ों लोग इकट्ठा हो गए. घटना के विरोध में शव को सड़क पर रख कर प्रतापपुर-चतरा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया. पुलिस आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास कर रही थी. लेकिन, वे लोग इसे हत्या का मामला बताते हुए हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे. इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी. पुलिस द्वारा हर बिंदु पर जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया, तब जाकर लोग माने और करीब तीन घंटे बाद जाम हटाया गया. इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

पीएम के दौरे को लेकर सांसद ने की बैठक

हजारीबाग। सांसद मनीष जायसवाल ने सांसद सेवा कार्यालय परिसर में कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम और आगामी दो अक्तूबर को पीएम के हजारीबाग आगमन को लेकर विशेष बैठक की. इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि हजारीबाग शहर में पीएम का कार्यक्रम है, तो हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं को लीड लेना होगा. उनकी जनसभा में सर्वाधिक भीड़ कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र से सुनिश्चित हो ,इस बात पर फोकस करके बूथ स्तर पर एक-एक भाजपा कार्यकर्ता को लगना होगा.

रामगढ़ विधायक ने विद्यालयों में चहारदीवारी निर्माण का शिलान्यास किया

रामगढ़ को नंबर वन बनाएंगे : सुनीता

संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कुंदरूकलां, बारलोंग व दोहाकातु पंचायत के दर्जनों विद्यालय में डीएमएफटी मद से करोड़ो रुपये की लागत से चहारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी, विशिष्ट अतिथि रामगढ़ पार्षद धनेश्वर महतो, नप उपाध्यक्ष मनोज महतो, मुखिया किशुनराम मुंडा, कलावती देवी द्वारा संयुक्त रूप से नारियल फोड़ा व शिलापट्ट का अनावरण किया. इस अवसर पर विधायक ने कहा कि क्षेत्र का विकास मेरी पहली प्राथमिकता है. इसलिए आज दर्जनों विद्यालयों में चहारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया है, ताकि यहां पढ़नेवाले बच्चों को सुविधा मिल सके. उन्होंने आगे कहा कि झारखंड में विकास के मायने में रामगढ़ विधानसभा को दोबारा नंबर वन विधानसभा बनाऊंगी. इसके लिए पूरी तरह से तत्पर हूं. इस दौरान उन्होंने संवेदक को ससमय गुणवत्तापूर्ण कार्य करने का निर्देश दिया. इससे पूर्व अतिथियों के उनका स्वागत बुके देकर किया गया.

चहारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्य करतीं विधायक सुनीता चौधरी व अन्य.

लोक अदालत में 50,174 मामलों को सुलह के लिए रखा

आपसी सहमति से 41,974 मामले निष्पादित

संवाददाता। हजारीबाग

सिविल कोर्ट में शनिवार को मामलों के त्वरित निष्पादन व पक्षकारों की सुविधा के लिए एक नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया. झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर आयोजित लोक अदालत में सुलह के आधार पर कुल 41 हजार 974 मामलों का निष्पादन किया गया. इनमें कुल 13 करोड़ दो लाख 62 हजार 56 रुपये की राशि पर सहमति बनी. लोक अदालत में कुल 50 हजार 174 मामलों को सुलह-समझौता के लिए रखा गया था.

इस नेशनल लोक अदालत की अगुवाई प्रधान जिला जज सत्य प्रकाश सिन्हा कर रहे थे. कार्यक्रम का शुभारंभ न्यायिक पदाधिकारियों व बार संघ पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. इस दौरान बैंक रिकवरी के 487 मामले, 330 सुलहनीय आपराधिक मामले, बिजली के 653 मामले, भू-अर्जन के 40 मामले, श्रम विवाद से संबंधित पांच मामले, मोटर वाहन दुर्घटना दावा से संबंधित 17 मामले, वैवाहिक विवाद से संबंधित 33 मामले, सिविल प्रकृति के 40 मामले, पानी बिल व अन्य टैक्स से संबंधित 203 मामले, चेक बाउंस के 208 मामले, वित से संबंधित 21,167 मामले और अन्य 18,791 मामलों का निपटारा पक्षकारों की आपसी सहमति के आधार पर हुआ.

विभावि में बीटेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए इंडक्सन कार्यक्रम शुरू

एकाग्रचित होकर मेहनत करें छात्र: सुनील सिंह

- यूसेट के निदेशक डॉ आशीष ने मेंटरशिप के बारे में बताया
- भारतीय ज्ञान परंपरा को मन में समाहित करें : प्रो मिथिलेश

संवाददाता। हजारीबाग

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में बीटेक 2024-28 बैच के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम की शुरुआत हुई. यह कार्यक्रम तीन सप्ताह तक चलेगा. इस दौरान रचनात्मक कला एवं संस्कृति, शारीरिक, साहित्य, प्रवीणता संबंधियों गतिविधियों सहित सार्वभौमिक माननीय मूल्य, प्रख्यात व्यक्तित्व के व्याख्यान व आसपास के क्षेत्र में दर्शन आयोजित किए जाएंगे. कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व संत विनोबा भावे के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया.

स्वागत भाषण में यूसेट निदेशक डॉ आशीष कुमार साहा ने यूसेट की उपलब्धियां पर चर्चा की. आईआईटी धनबाद के अंतर्गत यूसेट के मेंटरशिप के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे संस्थान को बहुत लाभ मिलेगा. तत्पश्चात विभावि के कुलसचिव डॉ एम आलम ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित यूसेट में मौजूद संसाधनों के विषय में जानकारी दी. विशिष्ट अतिथि विभावि छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष व कुलानुशासक प्रो मिथिलेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से भारतीय ज्ञान परंपरा को मन में समाहित करते हुए भविष्य के लिए प्रयत्न करने का आह्वान किया.

वित्त सलाहकार ने यूसेट के प्लेसमेंट की जानकारी दी : मुख्य अतिथि विभावि के वित्त सलाहकार सुनील कुमार सिंह ने यूसेट के प्लेसमेंट व एकेडमिक प्रदर्शन का जिक्र किया. कहा कि.लक्ष्य प्राप्ति के लिए एकाग्रचित होकर मेहनत करने की आवश्यकता है. मौके पर यूसेट के विभिन्न विभागों के शिक्षक मौजूद थे.

गोष्ठी राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों ने मनाई शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती

हर राष्ट्र भक्त के दिल में जिंदा हैं भगत सिंह: धनंजय पुटूस

संवाददाता। रामगढ़

शनिवार को सामाजिक संगठन रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति ने रामगढ़ ब्लॉक के पास स्थित प्रधान कार्यालय में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती मनाई. इस अवसर पर शहीद भगत सिंह के क्रांतिकारी जीवन पर विचार रखने के लिए एक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया. गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में समिति के केंद्रीय अध्यक्ष धनंजय कुमार पुटूस उपस्थित थे.

अपने संबोधन में पुटूस ने कहा कि शहीद भगत सिंह आज इस दुनिया में नही हैं, लेकिन उनके बलिदान के कारण ही आज हम भारतवासी आजादी की खुली हवा में सांस ले पा रहे हैं. आज के युवाओं को शहीद भगत सिंह से प्रेरणा लेकर राष्ट्र हित में काम करने की जरूरत है. आज हर राष्ट्रभक्त के दिल में भगत सिंह जिंदा हैं. गोष्ठी में अमर बोदरा, अजय राम, पिंटू मालाकार, शशि शर्मा, चंद्रदेव कुशवाहा, महेश साव, लालमनी महतो के साथ कई लोग उपस्थित रहे.

भगत सिंह की जयंती मनाते रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति के सदस्य.

जयंती पर कांग्रेसियों ने भगत सिंह को याद किया

हजारीबाग। जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 117वीं जयंती मनाई गई. सर्वप्रथम उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार यादव ने कहा कि क्रांतिकारियों के परिवार में जन्म पानेवाले भगत सिंह के हृदय में बचपन से ही अंग्रेजों के अत्याचारों के प्रति घृणा थी.

आजादी के परवानों ने हिन्दुस्तान समाजवादी प्रजातंत्र संघ की स्थापना कर सशस्त्र विद्रोह द्वारा देश को स्वतंत्र करने की शपथ ली और फिर प्रसिद्ध असेंबली बम कांड हुआ. यह वीर सपूत अपने दो अन्य साथियों सुखदेव व राजगुरू के साथ हंसते हुए फांसी पर झूल गया. कार्यक्रम में महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान, लाल बिहारी सिंह, मिथिलेश दुबे आदि थे.

कृष्णवल्लभ आश्रम में भगत सिंह की जयंती मनाते कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता.

धूमधाम से मनाई गई भगत सिंह की जयंती

मयूरहंड (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र के नरचाही में शनिवार को भगत सिंह यूथ बिग्रेड के सदस्यों ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती धूमधाम से मनाई. इस अवसर पर भगत सिंह के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यापर्ण किया गया. सेवानिवृत्त शिक्षक आदित्य प्रसाद सिंह ने शहीद भगत सिंह की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके मार्गों पर चलने की अपील की. मौके पर संस्थापक आलोक कुमार सिंह, सीताराम सिंह, सकलदेव सिंह, बजरंग सिंह, सूरज कुमार सिंह, सुरेंद्र कुमार चंद्रवंशी, प्रदीप रविदास, श्याम सिंह, कुश सिंह, किंकर सिंह समेत दर्जनों सदस्य थे.

शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जयंती पर सीपीएम ने की गोष्ठी

तुम जमीं पर जुल्म लिखो, हम आसमां पर इंकलाब लिखेंगे

हजारीबाग। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 117वीं जयंती के अवसर पर स्थानीय सीपीएम कार्यालय में गोष्ठी का आयोजन किया गया. अध्यक्षता तपेश्वर राम और संचालन जिला सचिव ईश्वर महतो ने किया. इस अवसर पर सीपीएम नेता गणेश कुमार सीटू ने कहा कि आज देश को भगत सिंह जैसे लोगों की सख्त जरूरत है. भगत सिंह भारत के एक महान क्रांतिकारी थे.

उन्होंने अंग्रेजों से लड़ने के लिए एक पार्टी बनाई. भगत सिंह और पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर भारत की स्वतंत्रता के लिए अभूतपूर्व साहस के साथ शक्तिशाली ब्रिटिश सरकार का मुकाबला किया. पहले लाहौर में सैंडर्स की हत्या और उसके बाद सेंट्रल असेंबली में बम विस्फोट करके ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध खुले विद्रोह को बुलंदी प्रदान की. इस दौरान उन्हें और बटुकेश्वर दत्त को गिरफ्तार कर लिया गया. भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ प्रतिरोध के विभिन्न कृत्यों में भाग लेने के अलावा, उन्होंने पंजाबी और उर्दू भाषा के समाचार पत्रों के लिए एक लेखक और संपादक के रूप में भी योगदान दिया.

गोष्ठी में सी पी आई के महेंद्र राम, मजीद अंसारी, अशोक कुमार मेहता सीपीआई (एम) के लक्ष्मी नारायण सिंह और गुलाब साव ने भी अपने-अपने विचार रखे.

मैदान में उतरे पीएम, गृह मंत्री और कई पड़ोसी राज्यों के सीएम

भाजपा ने आचार संहिता लगने से पहले ही झोंक दी पूरी ताकत

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को इस बार हर हाल में भाजपा जीतना चहती है. इसके लिए भाजपा बदली हुई रणनीति पर काम कर रही है. इस रणनीति के तहत भाजपा ने चुनाव की घोषणा से पहले ही एक चरण का प्रचार अभियान (परिवर्तन यात्रा) दो अक्टूबर तक पूरा कर लेगी. परिवर्तन यात्रा में भाजपा ने क्षेत्र विशेष पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने दिग्गज नेताओं को मैदान में उतार दिया. भाजपा के सबसे बड़े ब्रांड पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई में भाजपा नेताओं की फौज झारखंड में उतार दी गई. परिवर्तन यात्रा में भाजपा ने चुनावी फ़िज़ा बांधने, झामुमो- कांग्रेस की सरकार के खिलाफ नैरेटिव सेट करने और कार्यकर्ताओं को लामबंद करने की पुरजोर कोशिशें कर रही है. इसमें भाजपा को एक हद तक सफलता भी मिल रही है. पार्टी ने राष्ट्रीय नेताओं के साथ प्रदेश के नेताओं को भी विधानसभा स्तर तक ले जाकर जनता से संवाद कायम करने और बूथ स्तर से लेकर पन्ना प्रमुख तक को परिवर्तन यात्रा के जरिए सक्रिय किया है. इसका फायदा माइक्रो स्तर पर मैनेजमेंट में मिलेगा.

बता दें कि 20 सितंबर से शुरू हुई भाजपा की परिवर्तन यात्रा आठ दिनों का सफर तय कर चुकी है. 20 सितंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने साहिबगंज और गिरिडीह के झारखंडी धाम में सभा कर परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की थी. 21 सितंबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इटखोरी से हजारीबाग प्रमंडल और वंशीधर नगर से पलामू प्रमंडल की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की थी. इसके बाद भी राजनाथ सिंह परिवर्तन यात्रा में शामिल होते रहे. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल की परिवर्तन यात्रा 23 सितंबर को खूंटी से शुरुआत की थी. इससे पहले 15 सितंबर को जमशेदपुर दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिवर्तन महारैली चुनावी शंखनाद थी. परिवर्तन महारैली से पहले पीएम मोदी ने छह वंदे भारत की ट्रेनों की शुरुआत के साथ कई योजनाओं, प्रोजेक्ट का शिलान्यास, लोकार्पण भी किया. पीएम मोदी 17 दिनों के भीतर दूसरी बार झारखंड आ रहे हैं. दो अक्टूबर को हजारीबाग में परिवर्तन यात्रा की समापन सभा को संबोधित करेंगे.

- भाजपा हर हाल में जीतना चाहती है विधानसभा चुनाव
- यूपी, एमपी, उत्तराखंड, असम, छत्तीसगढ़, राजस्थान के सीएम कर चुके हैं सभा

कब किस नेता ने कहां किया परिवर्तन सभा को संबोधित

राज्य के सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में हो रही भाजपा की परिवर्तन यात्रा और सभा में अब तक केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अन्नपूर्णा देवी, शिवराज सिंह चौहान, संजय सेठ, जुएल उरांव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी,उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधारी, पूर्व मंत्री अनुराग ठाकुर, पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी, मनोज तिवारी, रवि किशन सरीखे नेता शामिल हो चुके हैं. इसके अलावा झारखंड भाजपा के दिग्गज और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी,अर्जुन मुंडा,चंपाई सोरेन समेत संगठन के नेता भी परिवर्तन यात्रा में लगे हुए हैं. साथ ही शिवराज सिंह चौहान झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी के प्रभारी और हिमंता बिस्वा सरमा सह-प्रभारी हैं. दोनों नेताओं का झारखंड आने-जाने का सिलसिला और चुनावी बिसात बिछाना पहले से जारी है. लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद से भाजपा ने झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठिए और संथालपरगना में डेमोग्राफी बदलने के मुद्दे को तेजी से उछाल रखा है. अलबत्ता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा ने भी हालिया रैलियों में सत्तारूढ़ दलों पर वोट के लिए तुष्टीकरण की राजनीति करने और घुसपैठियों को संरक्षण देने के आरोप लगाते हुए आदिवासियों के सामने संकट पर सवाल खड़े किए हैं. भाजपा की सभाओं में भ्रष्टाचार के अआवे झामुमो के वादों को भी लोगों को याद दिलाया जा रहा है.

भाजपा परिवर्तन यात्रा में आए दिग्गज

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह : 20 सितंबर को साहिबगंज और गिरिडीह के झारखंडी धाम में सभा कर परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह : 21 सितंबर को ईटखोरी से हजारीबाग प्रमंडल और बंशीधर नगर से पलामू प्रमंडल की परिवर्तन यात्रा का की शुरुआत की, 26 सितंबर को धनबाद जिले के रणधीर वर्मा स्टेडियम में सभा की.

केंद्रीय कृषि शिवराज सिंह चौहान : 21 सितंबर बंशीधर नगर, 24 सितंबर को गोड्डा और बोकारो, 26 सितंबर को सिसई, 27 सितंबर को महुआटांड़, 28 सितंबर को पलामू में सभा की.

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी : 21 सितंबर को गिरिडीह और बेंगाबाद में रोड शो में शामिल हुए.

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य : 22 सितंबर को झुमरी तिलैया और गढ़वा.

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा : 23 सितंबर को खूंटी से दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल परिवर्तन यात्रा का किया शुरुआत की.

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव : 23 सितंबर को गांडेय और बरकट्ठा में परिवर्तन सभा की.

पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर : 23 सितंबर को हुसैनाबाद, उंटारी रोड में सभा की.

पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी : 24 सितंबर को धनबाद जिले के सिंदरी और चंदनक्यारी में सभा की.

भाजपा सांसद रवि किशन : 25 सितंबर को पलामू और लातेहार, 26 सितंबर गुमला जिले के रायडीह और बड़कागांव की सभा में हुए शामिल

भाजपा सांसद मनोज तिवारी : 25 सितंबर को प्रतापपुर और फुसरो में सभा की.

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय : 25 सितंबर, सिमडेगा में सभा की.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ : 25 सितंबर को चतरा में सभा की.

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी : 26 सितम्बर को जामताड़ा के कुंडहित में सभा की.

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा : 27 सितंबर को हजारीबाग में सभा की.

पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी : 27 सितंबर जामताड़ा और देवघर में सभा की.

केंद्रीय जनजाति मंत्री जुएल उराम : 28 सितंबर को मांडर में सभा की.

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा : 28 सितंबर को देवघर में सभा की.

'इंडिया' के अन्य नेता कहीं भी नजर नहीं आ रहे हैं

चुनावी रण में 'इंडिया' की ओर से अभी सिर्फ हेमंत-कल्पना ही मोर्चा संभाले हैं

कौशल आनंद। रांची

अभी विधानसभा की चुनावी बिगुल बजने में कुछ दिनों की देरी है. मगर चुनावी घोषणा होने के पहले ही भाजपा जमीन पर उतर चुकी हैं. पिछले एक महीने से भाजपा के राष्ट्रीय नेता, केंद्रीय मंत्री सहित स्टार प्रचारक मैदान में उतर कर ताबड़तोड़ परिवर्तन यात्रा के बहाने चुनावी सभा कर रहे हैं. वहीं इंडिया गठबंधन की बात करें तो अकेले केवल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन ही मोर्चा संभाले हुए हैं. इंडिया गठबंधन के अन्य दल जैसे कांग्रेस, राजद व माले के राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के नेता सीन से गायब हैं. तीनों दल की बैठकें और दिशा-निर्देश तक ही अपने को सीमित रख दिया है. राजनीतिक गलियारे में इस बात की चर्चा शुरू हो गयी कि क्या विधानसभा चुनाव की नैया इस बार क्या केवल हेमंत-कल्पना (पति-पत्नी) के कंधे पर रहेगी या आने वाले दिनों में कांग्रेस, राजद और माले की राजनीतिक गतिविधियां बढ़ेंगी.

भोज के समय खेती करने की पुरानी आदत रही है कांग्रेस की : भाजपा जहां आजसू और जदयू के साथ गठबंधन और सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय कर लिया है. भाजपा के विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने यहां तक कह दिया कि नवरात्रि में पार्टी अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर देगी, वहीं अगर इंडिया गठबंधन की बात करें तो अभी तक कौन कितने सीटों पर लड़ेंगे, इसकी संभावित नाम भी सामने नहीं आ पाया है. बस कौन दल कितने में दावे कर रहा है, वह ही चर्चा में है. वैसे भी कांग्रेस की भोज के समय खेती करने की पुरानी आदत रही है. गत विधानसभा चुनाव की बात हो या फिर हाल में ही संपन्न हुए लोकसभा चुनाव. हमेशा ही काफी विलंब से और सस्पेंस बना कर ही प्रत्याशियों की घोषणा पार्टी करती रही है, जिसका नुकसान पार्टी के साथ-साथ घोषित प्रत्याशियों को भी होता है. उन्हें मैदान में उतरने और जनता तक पहुंचने का काफी कम समय मिलता है.

भाजपा के राष्ट्रीय और प्रदेश के नेता उतरे मैदान में, कर रहे हैं ताबड़तोड़ सभा

इंडिया दलों में शामिल कांग्रेस, राजद और माले के नेता अब तक नदारद

केवल बैठक और दिशा-निर्देश तक सिमटी कांग्रेस और राजद

क्या कहते हैं कांग्रेस, राजद और माले के नेतागण

हमें भाजपा की तरह आयातित नेता के भरोसे विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे, हमें अपने प्रदेश स्तर के और क्षेत्रीय नेताओं पर पूरा भरोसा है. हमारी सरकार और उनके मुखिया ने जनता के लिए इतना काम किया है कि हमें जनता पर पूरा भरोसा है. भाजपा को खुद पर भरोसा नहीं है इसलिए मजमा लगवा रही है बाहर के नेताओं को बुलाकर. रही बात सीट शेयरिंग और प्रत्याशियों को तो वह भी समय पर हो जाएगा, किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है. **- राकेश सिन्हा,** महासचिव सह प्रवक्ता पीसीसी

राजद पूरी तरह से सक्रिय है. हर प्रमंडल में राजद कार्यक्रम कर रही है. सरकार के हर कार्यक्रम में हमारे पार्टी के मंत्री सत्यानंद भोक्ता खुद शामिल हो रहे हैं. पार्टी के कार्यक्रमों में हमारे राष्ट्रीय नेता जयप्रकाश यादव, अब्दुल बारिकी सिद्धिकी, विधायक भोला यादव, सांसद अवधेश कुमार कुशवाहा, सुरेंद्र प्रसाद यादव आदि नेता आ रहे हैं. रही बात सीट शेयरिंग और प्रत्याशी चयन का तो सभी बिंदुओं पर बातचीत चल रही है. गठबंधन में बहुत सारी चीजों अंडरस्टूड है. **- कैलाश यादव,** मीडिया प्रभारी राजद

जिसे हारने का डर होता है, वही अधिक तमाशा खड़ा करता है. यही हाल भाजपा वालों का है. उनके दल में पांच-पांच पूर्व मुख्यमंत्री हैं, फिर भी उन्हें बाहर से नेता बुलाना पड़ रहा है. इंडिया गठबंधन की हर स्तर पर बातचीत चल रही है. सीट शेयरिंग और प्रत्याशी पर भी मंथन चल रहा है. बहुत जल्द सारा कुछ सामने आ जाएगा. चुनाव में राष्ट्रीय नेताओं की ज्वाइंट कैपेनिंग भी होगी. इसकी भी रणनीति बन रही है. **- सुशांतो मुखर्जी,** नेता माले

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष पंचम भाव में चन्द्र है. विद्यार्थी वर्ग शोध कार्य व शैक्षणिक गतिविधियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में कोई नया विचार क्रियान्वित हो सकता है.

वृष धन का आगमन होगा. सुख का सामान एकत्र होगा. कार्य की सफलता के लिए प्रयास अधिक करना पड़ेगा. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. हितशत्रुओं से सावधान रहें. कारोबार ठीक चलेगा.

मिथुन भाई का सहयोग मिलेगा. आपके कार्य और प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें. भरपूर प्रयास करें.

कर्क आय बहुत ही अच्छी होगी. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. कार्य और प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

सिंह किये गए कार्य का लाभ मिलेगा. सुबह से खर्च में वृद्धि होगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें. किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है.

कन्या आय एक समान नहीं होगी. कर्ज लेना पड़ सकता है. किसी व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा.

तुला किसी कार्य को लेकर लापरवाही न करें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. जल्दबाजी न करें. इतर का दान करना चाहिए.

वृश्चिक कोई मानसिक पीड़ा हो सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

धनु समय सामान्य है. सुबह का समय सामान्य होगा. ससुराल से शुभ समाचार मिलेगा. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा.

मकर उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. शनि को खुश रखें. कार्य में गति आएगी.

कुंभ घर-परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आपके कार्य और प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. किये गए कार्य का लाभ होगा.

मीन बहुत जरूरी नही हो तो ऋण लेने से बचें. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. लंबी यात्रा की योजना बन सकती है. संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे.

संसद की दो समितियों के सदस्य बने मनीष

हजारीबाग। संसद की उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों की समिति में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल को सदस्य के रूप में नामित किया गया. उन्हें भारतीय संसद की प्राक्कलन समिति के सदस्य के रूप में नामित किया जा चुका है.

आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका की अनिश्चितकालीन हड़ताल पांच से

- आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ ने सरकार पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप
- कैबिनेट की बैठक में वेतनमान पर निर्णय नहीं होने पर संघ ने लिया फैसला

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

झारखंड प्रदेश समाज कल्याण आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के संयोजक जय प्रकाश पांडेय ने पांच अक्टूबर से आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका की अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की. हड़ताल में राज्य की 80 हजार सेविका व सहायिका शामिल होंगी. हड़ताल तब तक जारी रहेगी, जब तक सेविका व सहिया को राज्य कर्मचारी का दर्जा, वेतनमान देने समेत अन्य आठ सूत्री मांगे नहीं मान ली जाती. उन्होंने बताया कि 23 सितंबर को राज्य की सभी सेविका-सहायिकाओं ने सीएम हाउस का घेराव किया था. उस समय गिरीडीह के विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने मंच पर आकर घोषणा की थी कि 27 सितंबर को झारखंड कैबिनेट में आंगनबाड़ी की सेविका व सहायिका के हित में निर्णय लिया जाएगा. लेकिन बैठक में ऐसा कुछ भी निर्णय नहीं लिया गया. जिसके कारण बाध्य होकर संघ ने हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया. उन्होंने कहा कि सरकार के कोई निर्णय नहीं लेने से इस सेविका व सहायिका में भारी आक्रोश व्याप्त है. सभी ने आने वाले विधानसभा चुनाव में सबक सिखाने की तैयारी की है. पांच अक्टूबर से राज्य से सारे आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहेंगे.

आपात बैठक में हड़ताल का लिया निर्णय : समाज कल्याण आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के महामंत्री अशोक नयन ने बताया कि झारखंड सरकार के द्वारा सेविका व सहायिकाओं के साथ वादाखिलाफी की गई है. जिसके कारण संघ की एक आपात बैठक बुलाई गई. बैठक में प्रदेश अध्यक्ष देवांति देवी, प्रयाग यादव, सुंदरी तिर्की, रेखा कुमारी, रीना देवी, अनिता विरुआ, माला देवी, वहलोंन कच्छप, लीना सिन्हा, पुष्पा देवी, सीता तिग्गा, संजय पासवान, जय प्रकाश पाण्डेय, रामचंद्र गोप, लखन लाल मंडल, केडी सिंह, सुशील कुमार पांडेय और महेश सोरेन समेत अन्य शामिल हुए. सभी ने संयुक्त रूप से हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया.

प्रमोद कुमार होंगे नए अंचल अधिकारी

मझिआंव। झारखंड सरकार राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने 27 सितंबर को अधिसूचना जारी करते हुए 91 अंचल अधिकारियों को इधर से उधर स्थानांतरित किया गया. इसके तहत गढ़वा जिले के मझिआंव, केतार, खरौंधी, रमना एवं भवनाथपुर सहित अन्य अंचल के अधिकारियों को स्थानांतरित किया है. वहीं मझिआंव अंचल अधिकारी के पद पर गृह जिला निवासी प्रमोद कुमार को चतरा जिला के कान्हाचट्टी से स्थानांतरित करते हुए मझिआंव अंचल पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित किया गया है. अंचल अधिकारी शंभू राम को पलामू विश्रामपुर अंचल में पदस्थापन किया गया है.

21 छात्रों को प्रशिक्षण के बाद बेंगलुरू में मिली नौकरी

संवाददाता। भवनाथपुर

प्रखंड के झगड़ाखाड स्थित कल्याण गुरुकुल से इलेक्ट्रीशियन ट्रेड से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 21 छात्रों को बैंगलोर के शोभा कंपनी मे नौकरी मुहैया कराई है. गुरुकुल में आयोजित विशेष आयोजन में छात्रों के बीच नियुक्ति पत्र वितरण किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीडीओ नंदजी राम, प्राचार्य बृजकिशोर ने नियुक्ति पत्र दिया. मौके पर बीडीओ नंदजी राम ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि ग्रामीण क्षेत्रो में रहने वालों युवक जो कम पढ़े लिखें है,उन्हें भी हुनरमंद और दक्ष बनाना है. कम पढ़े लिखें बच्चों में भी काफी क्षमता होती है. गुरुकुल के कई छात्र प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार पा चुके है. उनकी अर्थिक स्थिति भी अब पहले से बेहतर हो गई है. उन्होंने सभी बच्चों को उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए छात्रों से ईमानदारी से कम करते हुए राज्य का नाम रौशन करने का आग्रह किया. कल्याण गुरुकुल के प्राचार्य बृज किशोर ने बताया कि यह 42वां बैच है. अब तक इस गुरुकुल से प्रशिक्षण प्राप्त कर 1262छात्र दूसरे राज्य में काम कर रहे हैं.

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन

लातेहार। जिला खेल स्टेडियम लातेहार में दो दिवसीय जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. उदघाटन उपायुक्त गरिमा सिंह ने किया. खेल प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए हुए खिलाड़ियों द्वारा मार्च पास्ट किया गया. मशाल प्रज्जवलित कर विभिन्न टीमों के खिलाड़ी ने मैदान का चक्कर लगाया. उपायुक्त ने मशाल जलाया. प्रतियोगिता में विभिन्न एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. मौके पर उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, अपर समाहर्ता रामा रविदास, जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव आदि मौजूद हुए.

दो माह का राशन नहीं मिलने पर लाभुकों का प्रदर्शन

संवाददाता। कांडी (गढ़वा)

प्रखंड के पतीला पंचायत अंतर्गत जागृति महिला समूह जनवितरण प्रणाली के दुकानदार राजेंद्र राम व पतीला के डीलर रफीक अंसारी के द्वारा अगस्त और सितंबर माह के राशन लाभुकों को नहीं दिए जाने का एक मामला प्रकाश में आया है. इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने जमकर ने जमकर बवाल काटा, जिसके बाद ग्रामीणों के द्वारा पंचायत के मुखिया अमित कुमार दुबे से मामले की शिकायत की गई. ग्रामीणों के शिकायत पर पंचायत के मुखिया अमित कुमार दुबे ने तत्काल रूप से संज्ञान लेते हुए मौके पर पहुंच कर

जागृति महिला समूह जनप्रणाली के दुकानदार राजेंद्र राम तथा पतीला के डीलर रफीक अंसारी दोनो जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों को कड़ी फटकार लगाई.

इसके बाद उन्होंने बीडीओ सह एमओ राकेश कुमार सहाय को मामले की जानकारी दी. मौके पर उपस्थित लाभुकों ने बताया कि जब हमलोग राशन लेने के लिए डीलर को फोन करते हैं तो डीलर के द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए बोला जाता है. मौके पर पहुंचे प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार सहाय ने कहा कि जिला आपूर्ति पदाधिकारी से बात कर इन सभी लाभुकों को दो महीने का राशन दिलवाया जाएगा और इस मामले की जांच कर जांच के बाद दोनों दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी. मौके पर अमित कुमार दुबे ने कहा कि अगर डीलर के द्वारा इन लाभुकों को राशन नहीं दिया जाता है तो हमलोग मजबूरन डीसी के पास जायेंगे और वहां शिकायत करेंगे, जिसके बाद आश्वासन देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार सहाय ने कहा कि सभी लाभुकों को एक सप्ताह के अंदर दो महीने का राशन डीलर द्वारा उपलब्ध करवा दिया जाएगा.

गुड न्यूज डीआरएम जसमीत सिंह ने लोहरदगा रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

लोहरदगा को 6 माह में अमृत स्टेशन की मिलेगी सौगात

हुसैन अंसारी। लोहरदगा

दक्षिण पूर्व मंडल के डीआरएम जसमीत सिंह शनिवार को लोहरदगा रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण कर बारीकी से मुआयना किया. इस दौरान डीआरएम जसमीत सिंह ने मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि लोहरदगा रेलवे स्टेशन का विकास को लेकर रेलवे प्रशासन पूरी तरह से कटिबद्ध है. उन्होंने कहा कि स्टेशन पर जो भी त्रुटियां हैं उसे जल्द ही ठीक करा लिया जाएगा. साथ ही करोड़ों रूपये की निर्मित की गई नये स्टेशन में यात्रियों के सहुलियत हेतु बनाई गई प्लेटफार्म पर पानी की उपलब्धता नहीं रहने और शेड से हल्की बारिश में पानी रिसाव व स्टेशन पर मूलभूत सुविधाएं

बहाल नहीं होने के सवाल पर डीआरएम जसमीत सिंह ने कहा कि संवेदक पर पेनाल्टी लगाया जाएगा. उन्होंने कहा कि लोहरदगा रेलवे स्टेशन पर जो भी कमियां हैं निश्चित रूप से जल्द ही दूर कर लिया जाएगा. तत्पश्चात डीआरएम जसमीत सिंह औचक निरीक्षण के क्रम में बड़की चांपी, नामुदाग 27 नंबर और चंदवा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया. उन्होंने उक्त स्टेशनों पर यात्रियों के सहुलियत के लिए रेलवे प्रशासन की ओर से मिलने वाली शत-प्रतिशत सुविधाओं से अच्छादित करने की बात कही.

पारस ने कोच बढ़ाने व सड़क निर्माण की रखी मांग

लोहरदगा रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण करने पहुंचे रांची डीआरएम जसमीत सिंह से मुलाकात कर भारतीय जनता पार्टी लोहरदगा जिला के महामंत्री पशुपतिनाथ पारस ने स्टेशन के पास से गुजरने वाली मुक्ति धाम को जोड़ने वाली सड़क कोच की बढ़ोतरी की मांग रखी गई, जिसपर उन्होंने सकारात्मक पहल कराने का भरोसा दिया. मौके पर सीनियर डीसीएम निशांत कुमार, लोहरदगा रेलवे स्टेशन उपाधीक्षक जीपी यादव, इंस्पेक्टर रघुवीर सिंह समेत कई अन्य अधिकारी और कर्मी मौजूद थे.

जमशेदपुर के एडीसी विनय मिश्र का निधन, शोक में कार्यालय बंद

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के अपर उपायुक्त (एडीसी) विनय कुमार मिश्र का निधन हो गया. उन्हें शुक्रवार की देर रात रांची के कोकर स्थित आवास पर दिल का दौरा पड़ा था. उनकी उम्र करीब 58 वर्ष थी. विनय कुमार मिश्र ने 25 सितंबर को जमशेदपुर आकर एडीसी का पदभार ग्रहण किया था. इससे पहले वे गोड्डा में अपर जिला दंडाधिकारी (एडीएम) थे. उनके निधन की सूचना जिले के अधिकारियों को मिलने के बाद यहां मातम पसर गया. उनकी आत्मा की शांति के लिए शनिवार को समाहरणालय सभागार में शोक सभा का आयोजन किया गया. इसमें जिले के सभी वरीय तथा कनीय अधिकारियों के अलावे कर्मचारी शामिल हुए. शोकसभा के बाद जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया. विनय कुमार मिश्र अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गये हैं. विनय कुमार मिश्र पूर्व में चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी रह चुके थे. उनके निधन की सूचना अनुमंडल प्रशासन को मिलने के बाद वहां भी शोक व्यक्त किया गया तथा कार्यालय बंद कर दिया गया. विनय कुमार मिश्र मूलतः बिहार के औरंगाबाद जिले के रफीगंज के रहने वाले थे.

मत कहो देवी मुझको, बस इंसान ही रहने दो!

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मन, वचन और कर्म ये तीनों जब एक होंगे, तभी मानव समाज में काम सारे नेक होंगे. कथनी और करनी के बीच भेद ही सभी समस्याओं का मूल है. इस बात को ढंग से समझ नहीं पाना मानव समाज की भूल है और प्रगति के मार्ग में कदम-कदम पर शूल है. भारतवर्ष की संस्कृति में नारियों को देवी की संज्ञा दी जाती है. उन्हें पूजने की सलाह दी जाती है यह कहते हुए यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः. मनुस्मृति का कथन है जहां स्त्रियों की पूजा होती है, वहां सभी देवता निवास करते हैं और जहां स्त्रियों की पूजा नहीं होती है, सम्मान नहीं होता है, वहां किये गये समस्त अच्छे कर्म निष्फल हो जाते हैं. यह बात मूर्ख से लेकर विद्वानों तक को अच्छी तरह पता है, लेकिन वचन और कर्म की अनेकता के कारण नारियों को पग-पग पर आहत करने से लोग चूकते नहीं. जितने प्रकार के अत्याचार संभव हैं उनपर होते रहते हैं. तब उनके मन में इस प्रश्न का उठना स्वाभाविक ही है कि ऐसा क्यों करते हो? एक ओर देवी कहते हो, दूसरी ओर अत्याचार करते हो, हर पल भावनाओं पर असह्य प्रहार करते हो. यदि हमें अबला बना कर करना है अपनी शक्ति का प्रदर्शन तो फिर त्याग क्यों नहीं देते अपना खोखला सिद्धांत, झूठा प्रवचन, थोथा दर्शन? ऐसे ही प्रश्नों से विह्वल हो कर रांची की कवयित्री **संगीता सहाय** कहती हैं-अगर और कुछ नहीं कर सकते तो हमें इंसान ही रहने दो. प्रस्तुत है इसी प्रसंग में संगीता जी की यह मार्मिक कविता, जिसका शीर्षक है-इंसान ही रहने दो.

मत कहो देवी मुझको बस इंसान ही रहने दो
पत्थर को क्यों पूजते हो बस खुल कर हमें जीने दो
कैसे पहचानूं, भला कौन भला और कौन बुरा है
हर चौराहे हर मोड़ पर कोई भेड़िया खड़ा है
भेड़िया और इंसान में फ़र्क बचपन में ही सिखला दो हमें
सुरक्षा का पाठ पढ़ाओ अच्छे बुरे स्पर्श का ज्ञान दो हमें
पत्थर को क्यों पूजते हो हमें स्वच्छंद आकाश में उड़ने दो
सिर्फ कड़छी या कलम नहीं
हम बेटिओं के हाथ कटार भी दो ख़ुद की सुरक्षा हम ख़ुद करें
हर बार यही ज्ञान दो पत्थर को क्यों पूजते हो
बस खुल कर हमें जीने दोबेटी पढ़ाओ बेटी बढ़ाओ नहीं
दुर्गा चण्डी बनने का नारा दो बहुत हुआ कैंडल मार्च और प्रदर्शन
धर रूप दुर्गा और काली का दरिंदों का संहार करने का हौसला दो
पत्थर को क्यों पूजते हो खुल कर साँस तो लेने दो
वक़्त है बहुत बुरा बच्चों को ये समझा दो
बेटियों के साथ साथ बेटों को शालीन संस्कार दो
नैतिकता जो खो गई है कहीं बस ढूंढ कर उसे फिर से ला दो
पत्थर को क्यों पूजते हो खुल कर सांस हमें तुम लेने दो
मत काटो डोर मेरे पतंग की बस दूर गगन में उड़ने दो
पत्थर को क्यों पूजते हो बस खुल कर हमें जीने दो
मत कहो देवी मुझको बस इंसान ही रहने दो

संगीता जी की इस बात से हर संवेदनशील व्यक्ति सहमत होगा कि नारियों को सम्मान भी मिलना चाहिए और संरक्षण भी. यह स्मरण में हमेशा ही रहना चाहिए कि नारी है प्रकृति प्रदत्त अनुपम उपहार, नारी है तो सृष्टि है, नारी है तो हैं सारे कार्य-व्यवहार. यह नहीं समझ पाने के कारण नासमझी होती है और फिर उनसे बार-बार शिकायतें होती हैं और बन जाती हैं प्रताड़ता का मूल स्रोत. घाव है तो दर्द भी है, उसे बार-बार खुरचने का कोई मतलब नहीं. तभी तो रांची की कवयित्री **संध्या चौधरी उर्वशी** कहती हैं-

दर्द है घाव में, मत ख़ुरेचना बार-बार
स्थिर जल में कंकड़ ना मार बार-बार
एहसास ना करा गलतियों को
ताना मत मार बार-बार, मानवता ही है ह्रदय के कटोरे में
उसे शर्मसार ना कर बार-बार
कठिन होती बहुत है ग्लानि की पीड़ा
उजागर ना कर उसे बार-बार
मत समझ कमजोर हूं, ख़ामोश भी हूं
औकात की बात मत कर बार-बार
पड़ी हूं सुसुप्त ज्वालामुखी सी
मत भड़का उसे बार-बार, होती है एक सीमा धैर्य की भी
रिश्तो का यूं ना कर तार तार बार-बार
जीवन एक रंग मंच सारीखा है, रंगों से ही सराबोर कर बार-बार
मेरे किरदार को जानकर भी अंजान बने हो?
यह समय नहीं आएगा दोबारा बार-बार
समय का पहिया जो चलता ही जा रहा है
उसे ना गंवा बार-बार, बहुत देर हो चुकी होगी
जब सिर्फ रूह से रूह की ही मुलाकात होगी
हर जन्म में बार-बार

संध्या जी कवयित्री के साथ ही साथ विवेकानंद विद्या मंदिर में अध्यापिका भी हैं. इसलिए इनके सोचने-समझने और कहने के ढंग में एक शिक्षक की छवि महसूस की जाती है. सच्चाई तो यह भी है कि नारी के बिना पुरुष और पुरुष के बिना नारी का कोई अस्तित्व नहीं होता. इसलिए आवश्यक है कि स्नेह का बंधन इतना मजबूत हो कि एक दूसरे के प्रति संवेदनाओं और भावनाओं की प्रबलता बनी रहे. जब ऐसी भावना होती है एक व्यक्ति दूसरे को भली-भांति समझ पाता है. अपने दिल की बात सुनाता है, दूसरों के दिल की बात सुनता है. जमशेदपुर के बिरसा नगर निवासी कवि **शिवनंदन सिंह** की इस गजल में कुछ ऐसी बात कही गयी है.

गये थे हाल पूछने उनका, अपना सुना कर आ गये,
बड़ी मुश्किल से आंखों के आंसू छुपा कर आ गये.
उनकी नजरें मेरे चेहरे पर ही अटकी सी रह गई,
नजरें तो न मिला पाये, हम दर्द समेटे आ गये.
सूख गये आंसू आंखों में, उन्हें समझ न पाये हम,
थे अर्से से जो दबे चाहत, बिन कहे ही आ गये.
यादों को समेटनें की सारी हदें ही पार कर दी मैंने,
दिल के कुछ टूटे टुकड़े उनके,ले संग अपने आ गये.
दो कदम चल कर ही उसने, जाने की इजाजत दे दी,
आंखों से जो छलके दो बूंद उनके, साथ लेके आ गये.

जीने के लिए घर आवश्यक होता है. बेघर हो जाना बहुत बड़ी विपदा है और घर का बन जाना सबसे बड़ी उपलब्धि. उससे भी बड़ी उपलब्धि है घर का बस जाना. अगर घर कमजोर हो, अगर घर टूट रहा हो तो किसी को कोसने से कोई लाभ नहीं, उसे संभालिये. कुछ ऐसा ही भाव व्यक्त कर रहे हैं कवि **नेतलाल यादव**. प्रस्तुत है संवेदना से भरपूर उनकी यह कविता.

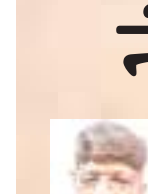

वह बरसता रहा मैं जागता रहा
कमरे में टपकता रहा मैं जगह बदलता रहा
जब गिरने लगी दीवार कलेजा फटता रहा
बच्चों को जगाया छपर में लकड़ी लगाया
पानी भी गया अड़ खूब हो गया कीचड़
अरे इसी घर में तो अपने बच्चों को पोसता हूं
गरीबी से अक्सर भगवान को ही कोसता हूं
भारी रहता है मन यह कैसा है जीवन
मेरे बच्चे पूछते हैं आप क्या सोच रहे हैं?
मैं कहता, कुछ नहीं बस बड़े हो जाओ
अपने पैरों पर अब खड़े हो जाओ
मेहनत मजूरी करके खूब रोज कमाना है
अगले साल एक सुंदर मकान बनाना है
पिता और पुत्र के बीच होती रही बात
देखते ही देखते गुजरी सारी रात
महकता हुआ आया कल्पना का प्रभात
बादलों के गर्जना ने संभलना सिखाया था
तकदीर को मुट्ठी में भर भाग्य को लिखाया था
चिड़ियां भी सुबह को मानो यह गीत गाती हैं
परिस्तिथियां आदमी को हरदम मजबूत बनाती हैं.

बादल जब गरजने लगें तो संभलना सीखिए. पक्षियों का कलरव सुनकर यथा लाभ संतोष करना सीखिए. समस्याओं से मत भागिए, धीरज को मत त्यागिए. कुछ और नहीं कर सकते तो बस यही कीजिए. परिस्थितियों से स्वयं को मजबूती दीजिए. इन्हीं शब्दों के साथ लेता हूं आपसे विदा. जय हिंद! जय झारखंड!!

शिक्षा और बाल सुरक्षा

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

अखबार और अन्य सूचना तंत्रों की बातों को गौर करें तो एक बात दिखाई देती है कि यह देश दुनिया में बाल-सुरक्षा और महिला सुरक्षा के मामले में बहुत बुरा स्थान रखता है. आज ही अखबार के माध्यम से एक खबर मिली कि एक निजी विद्यालय के प्राचार्य और निदेशक ने दस-ग्यारह साल के बच्चे की बलि इसलिए देनी चाही कि इससे उसके विद्यालय की प्रसिद्धि और सफलता बहुत बढ़ जायेगी. आश्चर्य की बात है कि शोर मचाने पर बच्चे की गला दबाकर हत्या कर दी गयी. सोचनीय बात यह है कि इसके पूर्व भी किसी बच्चे की बलि का प्रयास किया गया था, पर बात आयी गयी हो गयी थी. पिछले कुछ साल में बच्चों के ऊपर अत्याचार की घटनाएं बढ़ गयी हैं. इक्कीसवीं सदी में तंत्र और जादू टोने के प्रभाव में बच्चे की बलि देने की बात भले ही एक नगण्य घटना-सी लगे एक सौ चौआलीस करोड़ की आबादी में पर, लेकिन अगर पल भर के लिए आप यह सोचेंगे कि वह आपका अपना बच्चा या परिवार का भी बच्चा हो सकता था तो आपके चेहरे पर पसीना आ जाएगा! अगर इसके तह में जाकर देखेंगे तो पता चलेगा कि पिछले बीस-पच्चीस सालों में निजी विद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है. देश में दसो लाख निजी विद्यालय खुले हैं जिनमें सालाना लाखों रुपये फीस ली जाती है, पर शिक्षा के स्तर में लगातार अवनति हो रही है. विद्यार्थियों की सुरक्षा लगातार खतरे में रहती है. हजारों ऐसे उदाहरण मिल जाएंगे, जिनमें बच्चे को अमानवीय प्रताड़ना दी गयी या हत्याकर दी गयी. बहुत सारी ऐसी घटनाएं भी हुई हैं कि (आवासीय विद्यालय में खासकर) बच्चों को शिक्षकों की यौन प्रताड़ना का शिकार होना पड़ा है. बहुत सारे बच्चे-बच्चियों ने आत्महत्या तक कर ली है. विचित्र बात यह है कि अधिकतर निजी विद्यालय पूर्णतः व्यावसायिक दृष्टि से व्यवसाइयों द्वारा खोले जाते हैं. एक बड़ी संख्या में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों द्वारा भी विद्यालय/महाविद्यालय खोले जाते हैं ..उनमें उनके गुर्गे या परिवार के लोग ही सारे प्रशासनिक पदों पर होते हैं. उनकी कृपा से ही कुछ 'अयोग्य' शिक्षकों को रख लिया जाता है और उनकी नादिरशाही हुकूमत शुरू होती है इन विद्यालयों में! भारत जैसे लोकतान्त्रिक देश में स्कूली शिक्षा को ऐसे लोगों के हाथ सुपुर्द कर कैसा भविष्य का भारत बनाना चाहतं हैं. भारत की लगातार बनती सरकारें? टैक्स के इस भारी बोझ से दबी जनता को शिक्षा, स्वास्थ्य और मौलिक सुरक्षा तक क्यों नहीं करवाना चाह रही सरकारें? इसमें किसी खास दल की सरकार को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है. सभी पार्टियों की सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को निजी क्षेत्र में सौंप चुकी है. ध्यान रहे कि बिना सरकार की अनुमति और शिक्षा विभाग के अनापत्ति प्रमाण पत्र के कोई विद्यालय नहीं खोला जा सकता है. तो क्या सबकी मिली भगत है? और क्या सभी करदाता/मतदाता कीड़े मकोड़ों की तरह है, जिन्हें शेक्सपियर की शैली में कहें कि जैसे ... 'तितलियों के अंग पतंग तोड़ कर नटखट बच्चे मज़ा लेते हैं' वैसे ही आम नागरिक को विभिन्न प्रकार की यातना देकर 'शासक' आनंदित होते हैं? बचच्चियों, महिलाओं की सुरक्षा पर तो घड़ियाली आंसू खूब बहाये जाते हैं, पर पूरे देश के अखबारों का अवलोकन करें तो प्रतिदिन बच्चियों , महिलाओं के साथ यौन हिंसा और हत्या की घटना में लगातार वृद्धि हो रही है. इस समस्या पर गंभीर विमर्श में आम आदमी और सरकारों को गम्भीरता से सोचना होगा. अन्यथा हम एक मानसिक रूप राष्ट्र के निर्माण की ओर बढ़ते जाएंगे. क्या एक बार फिर सरकारी विद्यालयों को सशक्त, समर्थ करने पर सोचा नहीं जा सकता?

चित्रकूट में श्रीराम के चरण चिह्नों की महिमा

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

चित्रकूट भगवान राम की तपोभूमि है. इसकी पावनता और पवित्रता का वर्णन यत्र तत्र सर्वत्र मिलता है. भारतीय पुराण परंपरा के अनुसार यह वह भूमि जो विपत्ति के समय लोगों को शरण देती है.अकबर दरबार के नव रत्नों में अब्दुल रहीम खानखाना ने इसके महत्व को रेखांकित करते हुए लिखा है कि :-

चित्रकूट में रम रहे,रहिमन अवध नरेश.
जापर विपदा परत है, सो आवत ऐही देश.

राम कथा में प्रभु श्रीराम के चरण पादुका और उनके चरण चिह्नों का विशिष्ट महत्व है.उनकी चरण पादुका को अयोध्या के सिंहासन पर बैठाकर भरत ने 14 वर्षों तक राज काज का विधिवत एवं सर्वोत्तम रूप से संचालन किया था.तुलसी ने इसका संकेतन मानस में किया हैः-

प्रभु करि कृपा पांवरी दीन्हीं.
सादर भरत सीस धरि लीन्हीं.
नित पूजत प्रभु पांवरी, प्रीति न हृदय समात.
मांगु मांगु आयसु करत,राज काज बहुत भांति.

चित्रकूट में भगवन् राम के अनेक चरण चिह्न हैं, लेकिन तीन अत्यंत प्रमुख हैंः-

फटिक शिला :- स्फटिक शिला मंदाकिनी के तट पर स्थित वह स्थान है, जहां वनवास की अवधि में प्रभु श्रीराम ने मां जानकी का पहली बार अपने हाथों शृंगार किया थाः-

एक बार चुनि कुसुम सुहाये.
निज कर भूषण राम बनाये.
सीतहि पहिराये प्रभु सुंदर.
बैठे फटिक शिला पर सुंदर.

फटिक शिला के चरण चिह्न सफेद आग्नेय पत्थर पर बने हैं और त्रेता के समय के हैं. दर्शनार्थी इन चरण चिह्नों की परिक्रमा कर अपनी मनोकामना की सिद्धि की कामना करते हैं. मैंने भी परिक्रमा कर विश्व मंखल की अभिलाषा की.

जानकी कुण्ड :- ऐसे ही राम और सीता के चरण चिह्न जानकी कुण्ड में भी हैं, जहां मां जानकी प्रति दिन मंदाकिनी में स्नान करती थी और पार्वती और महादेव का जलाभिषेक करती थीं.

चरण पादुकाः- कामता नाथ की परिक्रमा में हैं. कामतानाथ जहां चित्रकूट की आध्यात्मिक सभा आयोजित हुई थी और 5 दिनों तक राम के वन वापसी पर विमर्श हुआ और निष्कर्ष रूप में भरत को राम की चरण पादुका मिली. यहां तीन गुमटियां हैं- एक के नीचे एक छोटा सा बायें पांव का चिन्ह है, यह जानकी जी का चरण चिह्न बताया जाता है. दो के नीचे बहुत बड़े बड़े पांवों के चिह्न हैं, ये चिह्न उस समय के बने कहे जाते हैं,जब भरत जी यहां राम को मनाने आये थे और चारों भाई गले मिले थे. इनमें कोई बनावटी बात नहीं है.ये चिह्न दूर से ऐसे जान पड़ते हैं, मानो कोई अभी गीली मिट्टी पर चला हो. इन्हीं चिह्नों का उल्लेख महाकवि कालिदास ने अपने मेघदूतम् गीति काव्य में किया हैः-वन्द्यैः पुंसां रघुपतिपदैरंकितं मेखलासु अर्थात् चित्रकूट की मेखला श्री रघुनाथ जी के चरणों के चिह्नों से अंकित है. मैंने वहां के साधुओं से पूछा कि ये चिह्न आजकल चौरस धरती पर हैं, पर्वत की मेखला में नहीं. हमें उत्तर मिला कि इनके पास की नीची धरती मिट्टी से पाट दी गई है, पहले सीढ़ी लगाकर यहां तक लोग पहुंचते थे. कालिदास के मेघदूतम से स्पष्ट है कि डेढ़ दो हजार बरस पहले भी ये चिह्न वर्तमान थे और श्री रघुनाथ जी के चरण चिह्न माने जाते थे.

नौ मन तेल पे राधा नाचे

नश्तर

सुधीर राघव

नेता परम जुगाड़ू है. नेता ने नौ मन तेल का जुगाड़ कर लिया है. उसे राधा का नाच देखना है. इसलिए थाईलैंड से पाम आयल आयात किया है. वह चाहता तो थाईलैंड जाकर नाच ही देख आता. मगर वह स्वदेशी का कट्टर समर्थक है. उसका मानना है कि तेल भले विदेशी हो, पर नाच सौ फीसद स्वदेशी होना चाहिए. ... क्योंकि तेल को कोई नहीं देखेगा, सब नाच ही देखेंगे. नेता और उसकी पार्टी दिन रात स्वदेशी का नारा लगाती है. उसने मोबाइल फोन चीन से मंगवाया है, मगर उससे बात स्वदेशी करता है. वह कच्चा तेल रूस से मंगवाता है, मगर उसे पकवाता स्वदेशी कंपनी से है. वह कार अमरीका से खरीदता है, मगर उसका ड्राइवर स्वदेशी रखता है. उसने ड्रेगन फ्रूट वियतनाम से मंगवाया है, मगर उसे खाता देसी तरीके से है. उसने फ्रांस से विमान खरीदा है और उसकी लैंडिंग देश की जमीन पर कराई है. नेता की चेन दुबई की है. हाथ की घड़ी जर्मनी की है और चश्मा इंग्लैंड का. उसका पेन जापान का है, उसका जूता पाकिस्तान का है और पायजामा बांग्लादेशी. पायजामे का नाड़ा भूटान से आया है. कुर्ता उसने पेरिस से सिलवाया है. कुल मिलाकर नेता विदेशी कमीशन खाता है और देसी डकार लेता है. इस तरह देश-विदेश को एक कर नेता विश्वबन्धुत्व पर भाषण देता है. उसके महान विचार सुनकर जनता ताली और थाली पीटती है.

चुनाव सिर पर हैं और नेता जानता है कि जब राधा नाचेगी तो वोट बरसेंगे. इसलिए उसने थाईलैंड से मंगाया नौ मन तेल उड़ेल दिया है. कहावत के मुताबिक अब राधा को नाचना है... लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा. विदेशी तेल पर स्वदेशी नाच की जुगलबंदी जम नहीं रही. राधा की जुबान बार बार फिसल रही है. वह कोई मधुर राग छेड़ने की जगह पुराने मर चुके कानूनों को छेड़कर जिंदा कर रही है. वह बिल्ली की तरह नुकीले पंजे चलाकर गड़े मुर्दे उखाड़ रही है. अब नेता घबरा रहा है. जिन मुर्दों को उसने मुश्किल से गाढ़ा था, अगर वे उखड़ गए तो नेता मुंह दिखाने लायक नहीं रह जाएगा. यह सोचकर उसे जूड़ी चढ़ रही हैं. चुनाव हारने के डर से कांप रहा है. गड़े मुर्दे निकलकर बाहर आ रहे हैं. विदेशी नौ मन तेल पर राधा फिसल रही है. मुर्दों को देखकर जनता का मजा किरकिरा हो गया है. उसमें भय बढ़ रहा है. नेता अपना सिर पीट रहा है.

सिर पीटते ही नेता की दिमाग की बत्ती फिर से जली है. वह जनता का ध्यान बांटने के लिए विरोधियों को गाली दे रहा है. गड़े मुर्दे उखाड़ने को विपक्ष की साज़िश बता रहा है. उसने ट्रेन की पटरियां उखाड़ दी हैं, सड़कों में गड्ढे खोद दिए हैं, पुल गिरा दिए हैं. प्याज महंगी कर दी है. नेता समझ रहा है कि अब जनता उसे ही वोट देगी. मगर जनता जान गई है कि यह नेता हाथ से निकल गया है. यह सबको उल्लू बना रहा है. जनता अब नया नेता पैदा करने में जुट गई है. नेता पैदा करना जनता का ही काम है.

मिथलेश राणा की कलाकृतियों में है आध्यात्मिक चेतना

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

अध्यात्म जीवन निर्माण का मूल सूत्र है, दिशा है, पथ है. मानव मात्र के लिए अध्यात्म महत्वपूर्ण है. जीवन की शुरुआत संस्कारों से होती है और संस्कार हमें अध्यात्म से मिलते हैं. हमारे देश में रूप और अरूप दोनों के द्वारा अध्यात्म को प्राप्त करने की बहुत पुरानी और जीवंत परंपरा रही है. अध्यात्म में जीवन ऊर्जा है, एक शक्ति है. बहुत समय तक विज्ञान जगत को जड़ मानता था जो अचेतन है. किन्तु पदार्थ जैसा दिखाई देता है वैसा नहीं है. ऊर्जा ही सत्य है, शक्ति ही सत्य है. जब विज्ञान परमाणु को तोड़कर अन्दर गया तो उसे पता चला कि परमाणु के बाद पदार्थ नहीं रह जाता है सिर्फ ऊर्जा के बंडल रह जाते हैं, जिसे क्वाण्टा कहते हैं. विज्ञान की नजर में यह सारा जगत ऊर्जा का विस्तार है. कलाकार की कलात्मक ऊर्जा के प्रकटन के परिणम स्वरूप सारे कला रूपो में संकेतों का विन्यास होता है. कला के तत्वों को कलाकार एक विशिष्ट विन्यास में नियोजित करता है, जिनसे संकेतों का विन्यास होता है, जिन्हें दूसरे मनुष्य ग्रहण कर अनोखे रूप से साक्षात्कार कर सकें, तभी तो मिथलेश राणा जैसे कलाकार अपनी कलाकृतियों के माध्यम से इसे समझाने का प्रयास कर रहे हैं. मिथलेश राणा ने लौहनगरी बोकारो स्टील सिटी में प्राथमिक से लेकर 12वीं कक्षा की शिक्षा के दौरान पेंटिंग के साथ शुरू किया था.

पेंटिंग के शौक को आगे बढ़ाने के लिए इन्होंने बीएचयू में फाइन आर्ट कोर्स करने के लिए प्रवेश लिया और कला की पांच विधाओं में मूर्तिकला को आगे बढ़ाने के लिए बीएफए और एमएफए करने के दौरान बीएचयू के चांसलर विभूति नारायण सिंह से गोल्ड मेडल प्राप्त किया. मूर्तिकला विषय में चयन के लिए 1999 में मास्टर ऑफ फाइन आर्ट करने के दौरान एचआरडी भारत सरकार से दो वर्षों के लिए स्कॉलरशिप हासिल की और मूर्तिकला में विशेष अध्ययन किया और एक सफल कलाकार के रूप में अपनी अंतरगता से कला को आत्मसात किया , इसमें अपनी चेतना को समन्वित करने की सफल चेष्टा की है. शिल्पकारी में सिर्फ पत्थर को तराशना ही शामिल नहीं है. मिथलेश राणा का कहना है कि वे पत्थर, लकड़ी, फाइबर और स्क्रैप से भी कलाकृतियों का निर्माण करते हैं. कोई भी ड्राइंग व डिजाइन के जरिए किसी फैक्टरी, कोयला खदान, पावर हाउस या किसी अन्य प्रकार की कलाकृतियों को आफिस की दीवारों बड़े हॉल में सजाने के लिए शिल्पकारी करते हैं. कई बार अपने ही मन से सोचकर थीम के अनुसार कलाकृति बनाते हैं. लोगों को पसंद आए, इसलिए उस स्थान के अनुसार ही विषय का चुनाव करते हैं. मिथलेश राणा की कला को सिंगरौली के कलेक्टर पी. नरहरि ने पहचाना था और सिगरौली के कई स्थानों में इनके प्रयास से ही मिथलेश राणा की कलाकृतियों ने विभिन्न चौक चौराहों में आकार लिये. झिंगुरदह परियोजना में आयोजित बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ अभियान में मिथलेश राणा द्वारा बनायी गई रंगोली गिनीज बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ. सच कहा जाय तो नये अर्थ की संधान की तत्परता और तकनीक का कुशल पूर्वक प्रयोग ने मिथलेश राणा को एक ऐसे कलाकार के रूप में प्रतिष्ठित किया है, जिसके पास समकालीन भारतीय कला के वैविध्य की पूंजी है.

विमर्श और संवाद के कई रूप अक्सर सामने आते हैं. साक्षात्कार, भेंटवार्ता, प्रश्नोत्तर, परिचर्चा, आलेख व टिप्पणियां उनके सुपरिचित संस्करण हैं. इनके जरिए वाद-विवाद-संवाद के अनगिनत पहलुओं से हमारे इंटरऐक्शन की धार तेज होती है. ऐसी ही अवसर की बानगी यहां प्रस्तुत है जब सुख्यात कवि और 'प्रसंग' पत्रिका के संपादक शम्भु बादल और बहुविध क्रियाशील विद्याभूषण जैसे वरिष्ठ लेखक समाज और साहित्य के बारे में अपने सोच-विचार को साझा कर रहे हैं. इस चर्चा में विद्याभूषण ने निजी और सार्वजनिक-दोनों परिधियों की वस्तुस्थिति को समेटने का यत्न किया है.

संवाद संदर्भ: शम्भु बादल और विद्याभूषण की वार्ता

‘स्लेट पर लिखी इबारत भर नहीं होती कविता’

प्रश्न : भाई विद्याभूषण! आरम्भिक काल में आप किन स्थितियों के बीच लेखन से जुड़े? आपने कविता से शुरुआत की है. कविता से ही क्यों?

उत्तर : मेरे लिए यह बताना आसान नहीं कि मैं किन स्थितियों के बीच लेखन से जुड़ा. सन 1955-56 में मैं दसवीं कक्षा में पढ़ता था. मेरे विद्यालय में मध्यकालीन हिन्दी कविता के विशारद के रूप में ख्यात शिक्षक श्यामदत्त मिश्र थे तो घर में छायावादी कविता के शब्दशिल्पी बड़े भाई राजकमल राय और उनके समानधर्मा मित्र शिवशंकर प्रसाद. उन दिनों गया शहर में उत्तर छायावादी दौर के जानेमाने कवि हंसकुमार तिवारी और उनकी किताब दूकान “मानसरोवर” की साख ऊंची थी. मन्नूलाल पुस्तकालय, मारवाड़ी पुस्तकालय और केसरवानी पुस्तकालय में पुस्तकों और पत्रिकाओं के पन्ने पलटने का सुयोग सबके लिए सहज सुलभ था. इन्हीं पुस्तकालयों में मेरे संपादन में निकली हस्तलिखित पत्रिका “लौ” पाठकों का ध्यान खींचने के लिए बारी-बारी से रखी जाती थी. उन दिनों शहर में ‘गृहस्थ’ नाम की बुलेटिननुमा एक पत्रिका छपती थी जिसके साहित्य सरोकार सिर्फ रस्मी थे. हिन्दी साहित्य सम्मेलन भवन में साहित्यिक बैठकें नियमित हुआ करती थीं जहां दर्शकों-श्रोताओं की पिछली कतार में मेरे जैसे दो-एक किशोर भी होते थे. “आर्यावर्त” महाकाव्य के प्रख्यात कवि मोहनलाल महतो “वियोगी”, गुलाब खंडेलवाल, रामनरेश पाठक, रामगोपाल शर्मा “रुद्र”, मदन मोहन सरोज जैसे कवि उस इलाके में चर्चित हुआ करते थे. समग्रता में याद करूं तो तब तक खुद से अपनी राह चुनने की समझ मुझमें नहीं आयी थी. आसपास की साहित्यिक गतिविधियों से प्रेरित-प्रभावित होकर धारा के साथ बहते हुए मैं भी चल पड़ा था. अपने आसपास साहित्य के नाम पर कविता का स्वर ही सर्वोपरि था. इसी माहौल में मेरे भीतर कविता लेखन के बीज अंकुरित हुए. उत्तर छायावादी संस्कार का असर मुझ पर तब तक जारी रहा जब मैंने सन 1958 में रांची कॉलेज में दाखिला लिया जहां “नकेन” के केसरी कुमार विभागाध्यक्ष थे. मेरे कविता संकलन ‘अतिपूर्वा’ में इस मनःस्थिति की झलक मिल सकती है.

प्रश्न : पहली कविता पुस्तक “सोलह सफे” से होते हुए “लब पर लौ की लौ” तक की लंबी काव्य यात्रा में आप अनुभव और रचनाशीलता के किन मोड़ों को अधिक महत्व देंगे.

उत्तर : जीवन की लय के समान्तर मेरी कविताई समय के साथ बदलती रही है. सही है कि लंबे समय तक मेरी सहचरी बनी रही कविता, लेकिन अन्तर्वस्तु से लेकर एप्रोच तक, शैली-शिल्प से लेकर शब्द विन्यास तक, अंतरंग से बहिरंग तक उसके रूपान्तर को रेखांकित करने के लिए किसी प्रमाण-संदर्भ की जरूरत नहीं है. मेरे बारह कविता संग्रहों में क्रमशः परिवर्तन के इतने मोड़ और पड़ाव जगह बनाते रहे हैं कि वहां किसी वैचारिक ठहराव की बानगी तक नहीं मिल सकती. अपनी पुस्तकों की कई भूमिकाओं में मैंने इन बदलावों पर मुहर लगाई है. मेरी पहली प्रकाशित कविता पुस्तिका “सिर्फ सोलह सफे” स्मृतिशेष नाटककार मित्र अशोक पागल के आग्रह पर उनके प्रेस से छप कर सामने आयी थी. उन दिनों मैं पुस्तकों-पत्रिकाओं में अपनी रचनाओं के प्रकाशन से लगभग दूर हो गया था. प्रकाशन काल की दृष्टि से अपने पांचवें कविता संग्रह “सीढ़ियों पर धूप” (वर्ष 1989) की भूमिका में मैंने लिखा था-

“पीछे मुड़, कर देखता हूं तो जीवन के पथान्तर ने अनेकविध विश्रृंखलताओं को जन्म दिया है. एक रचनाकार के रूप में उन अनुभवों का, सृजन सामग्री के रूप में, उपयोग करना अभी बाकी है.” इसी भूमिका के पूर्वार्द्ध के अंशों को मैं अभी दुहराना चाहता हूं कि वास्तविक स्थिति सुस्पष्ट हो. – “सीढ़ियों पर धूप” प्रकाशन क्रम में मेरा पांचवां कविता संकलन है जबकि रचनाक्रम में उसे दूसरे संकलन के रूप में लाने की आकांक्षा थी. यह स्पष्टीकरण अब इसलिए आवश्यक हो गया लगता है कि इससे पूर्व सन 87-88 में प्रकाशित मेरे तीन कविता संकलनों में कोई भूमिका नहीं दी गयी थी. उन तीनों संकलनों के रचना वर्षों में लगभग दो दशकों का अन्तराल समाविष्ट हुआ है जबकि उनका प्रकाशन समय प्रायः समान है.

इस दृष्टि से यह निवेदन अप्रासंगिक नहीं होगा कि इस बीच मेरी प्रारम्भिक कविताओं का संकलन अतिपूर्वा प्रकाशित हो गया है जिसमें सन 1958 से 64 के बीच की अवधि की संग्रहणीय रचनाएं सहेजी गयी हैं. ‘सीढ़ियों पर धूप‘ में सन 65 से 70 के दौरान लिखी गयी रचनाएं सम्मिलित हैं जिनकी समान्तर अवधि की अधिकांश गीत-रचनाओं को मैंने “मन एक जंगल है” में संकलित किया है. इसी प्रकार बांग्ला देश युद्ध से लेकर इमरजेंसी के काल तक (सन 71 से 84) की कविताओं का प्रकाशित संकलन है “इंधन चुनते हुए.” “आग के आसपास” में सन 78 से 84 के दौरान रची गयी कविताएं संग्रहीत हुई हैं.

लगभग चौदह वर्षों तक नियमित लेखन से आत्मनिर्वासन का एक लंबा अज्ञातवास बिता कर सन 85 में जब मैंने दोबारा निरन्तर लिखने का मन बनाया तो भीतर और बाहर की दुनिया सभी दिशाओं में काफी कुछ बदल चुकी थी. सातवें दशक के मेरे कई सहयात्री शिखर यात्रा की तैयारियों में लगे थे और अनेक अन्य अपनी सुस्पष्ट पहचान बना चुके थे. इस मध्यान्तर के बीच साहित्य में सामयिकता की चेतना बदल चुकी थी और देश-काल की अन्तर्बाह्य परिस्थितियां भी. दूसरी ओर, मैं पुरानों में अजनबी और नवागन्तुकों के बीच वयस्क हो जाने के दलदली अहसास से घिर गया था. किन्तु लेखन की प्रयोजनधर्मिता में अपने अथक विश्वास के सहारे मैं हताशा के अंधेरे से बाहर आ गया हूं.

प्रश्न : ‘कविता का दायित्व और जीवन में इसकी भूमिका को आप किस रूप में देखते हैं?’

उत्तर : इस महत्वपूर्ण विषय पर मैं अपनी बात गद्यक्रम में नहीं कह रहा हूं. मेरी एक छोटी-सी कविता इस बिन्दु पर मेरी समझ को समग्र परिधि की तरह रख सकती है. उसका शीर्षक है- “एक उम्दा खयाल”:-

कविता/ एलार्म घड़ी नहीं है दोस्तो/ जिसे सिरहाने रखकर तुम सो जाओ/ और वह नियत वक्त पर तुम्हें जगाया करे./तुम उसे संतरी मीनार पर रख दो/ तो वह दूरबीन का काम देती रहेगी. वह सरहद की मुश्किल चौकियों तक/ पहुंच जाती है रडार की तरह/ तो भी/मोतियाबिंद के शर्तिया इलाज का दावा/ नहीं उसका./ वह बहरे कानों की दवा/ नहीं बन सकती कभी./ हां, किसी चोट खाई जगह पर/ दर्दनाशक लोशन की राहत/ दे सकती है कभी-कभी,/ और कभी सायरन की चीख बन/ तुम्हें खतरों से सावधान कर सकती है.
कविता ऊसर खेतों के लिए/ हल का फाल बन सकती है,/ फरिश्ते के घर जाने के लिए/ जूते की नाल बन सकती है,/ समस्याओं के बीहड़ जंगल में/ एक बागी संताल बन सकती है,/ और किसी मुसीबत में/अगर तुम आदमी बने रहना चाहो/ तो एक उम्दा खयाल बन सकती है.

प्रश्न : कविता के निकष को लेकर आपके क्या विचार हैं?

उत्तर : मैं मानता हूं कि दुनिया की किसी भी भाषा में कविता की कोई सर्वमान्य कसौटी आज तक नहीं बनी. हर समाज और हर जीवन गतिशील है. उसे तंबू या मीनार की तरह खड़ा नहीं किया जा सकता. कविता भी स्लेट पर लिखी इबारत भर नहीं होती. वह मानवीय संवेदना के तार पर ध्वनित होती है, जीवन की लय के साथ तरंगित होती है और समाज के समूह नृत्य-गीत में शिरकत करती है. वह इतिहास के फैसले इजलास की तर्ज पर हरगिज दर्ज नहीं करती. बेशक, उसका बुनियादी एप्रोच मानवतावादी हुआ करता है. हर दौर में वह अपना संदेश प्रतिबद्ध आस्थाओं की मंत्रणा पर अग्रसारित करती है.

प्रश्न : “पठार को सुनो” कविता संग्रह में झारखंडी जीवन और समाज प्रमुखता से आए हैं. आप इससे कितना संतुष्ट हैं?

उत्तर : मेरा कविता संग्रह ‘पठार को सुनो‘ सन 2011 में ‘शिल्पायन‘ दिल्ली की ओर से प्रकाश में आया था. जब उसका भाषान्तर कवयित्री फ्रांसिस्का कुजूर ने कुड़ुख में तथा कवि-लेखक धनेन्द्र प्रवाही ने नागपुरी में अपने मन से किया (दोनों पुस्तकें प्रकाशित हैं) तो मुझे खुशी मिली कि मेरा लेखन सार्थक है. अन्तर्वस्तु के लिहाज से यह संग्रह आदिवासी परिवेश और झारखंडी अस्मिता को कथ्य के केन्द्र में प्रस्तुत करता है, कविता के कलेवर में सतरंगे सुरों के साथ. लेकिन मैं चकित हुआ कि इस प्रदेश के सुख्यात साहित्यकर्मियों ने उसे अनदेखा किया जबकि मेरी दूसरी कृतियों पर उन्होंने खुल कर लिखा था. आज झारखंड के हिन्दी साहित्य पर केन्द्रित चर्चाओं में संजीव, शैवाल, मनमोहन पाठक, सी. भास्कर राव, राकेश सिंह, शम्भु बादल, कुमार बृजेन्द्र जैसे कलमकारों का जिक्र तक नहीं होता, तब लगता है कि शायद परख की दृष्टि अनाम दुराग्रहों से संचालित होती हो. मुझे अफसोस है कि मैंने ताउम्र अपनी वैचारिक ऊर्जा जहां खपायी, वहां धरतीपुत्र होने की सनद जरूरी है.

प्रश्न : कविता की समृद्धि में आज सोशल मीडिया की क्या भूमिका है?

उत्तर : अपने देश में आज का समय अभिव्यक्ति पर अंकुश के सवाल पर आन्दोलित है. प्रतिरोधी तेवर के विचारों पर नकेल डालने की कोशिश हर तरफ से जारी है. सत्ता और महाजनी प्रतिष्ठान उसकी घेराबंदी में लगातार जुटे हैं. ऐसे खिलाफ मौसम में सोशल मीडिया की भूमिका को हाशिए पर नहीं रखा जा सकता. इस फ्रंट पर अनियंत्रित दिख रही सामग्री की बाढ़ में विवेक की नाव कभी-कभी डूबती नजर आती है जरूर, लेकिन उसके हस्तक्षेपी दमखम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. जहां तक कविता की समृद्धि में सोशल मीडिया की भूमिका का सवाल है, उसके अन्तहीन ओर-छोर पर कोई एकांगी टिप्पणी नहीं की जा सकती. यह जोड़ा जा सकता है कि प्रिंट मीडिया की सीमाएं जहां खत्म होती हैं, वहीं से सोशल मीडिया का प्रभाव क्षेत्र शुरू होता है. अगर कविता की ओर मुड़ें तो अन्तहीन विस्तार का सागर तट सामने आता है. किसिम-किसिम की कविता, कविता के नाम पर ऊल-जुलूल उद्गार, विवेक और तर्क को गर्क करने वाली अभिव्यक्ति. लेकिन उसका दूसरा रुख बतलाता है कि कविता के फॉर्म संबंधी कथित तमाम मूल्य-मानक यहां ध्वस्त हो गये लगते हैं, जबकि दुर्निवार रचनात्मक ऊर्जा का विस्फोट भी पहचान में आता है. वस्तुतः इस मुद्दे पर विचार-विमर्श के लिए एक बड़ा स्पेस जरूरी है. समग्रता में देखें तो सोशल मीडिया की लोकप्रियता से कविता के रचनाकार और पाठकों का, फॉर्म और कंटेंट का, सीमातीत विस्तार हुआ है.

प्रश्न : कवि के साथ ही आप महत्वपूर्ण कथाकार और आलोचक हैं. इन अलग-अलग विधाओं में लिखते समय आप कैसी मनःस्थितियों से गुजरते हैं? किस विधा में आप अधिक सहज, सन्तुष्ट महसूस करते हैं?

उत्तर : हां साथी, आपका कहना सही है कि कविता के संग-साथ गद्य की दूसरी विधाओं में भी मेरा लेखन आप मित्रों का ध्यान खींचता है. सच है कि पिछले दो दशकों की अवधि में आलोचना, कहानी, नाटक और उपन्यास विधा में मेरा लेखन कविता के अनुपात में बेशक ज्यादा हुआ. अब तक छह आलोचना पुस्तकें, चार कहानी संकलन, तीन नाटकों का एक संग्रह और एक उपन्यास को ध्यान में रखें तो कहना चाहिए कि मेरे शब्द संसार की तीन चौथाई जगह गद्य कृतियों से जुड़ी है. इस प्रसंग में समाज दर्शन की अपनी तीन पुस्तकों को भी याद किया जा सकता है. लेकिन इस विविधता को मैं ‘कथेतर‘ लेखन का नाम देना सही नहीं मान सकता. रचनात्मक व वैचारिक लेखन का कोई बाइप्रोडक्ट नहीं होता. भाव-विचार हों या मनःस्थितियां, घटना-प्रसंग हों या निजी और सार्वजनिक जीवन के अंधेर-उजाले के अनुभव, पुराण कथा हो या इतिहास दर्शन या वर्गों में विभाजित समाज का यथार्थ - इनसे जुड़ी कोई भी अन्तर्वस्तु मन की प्रयोगशाला में रासायनिक प्रक्रियाओं से गुजर कर ही अभिव्यक्ति के उस पड़ाव तक पहुंचती है जिसे हम रचना कहते हैं. जीवन अनुभवों की खदान है जहां से कच्ची सामग्री ले कर उसका पुनर्सृजन रचना की कर्मशाला है.

विविध विधाओं के बीच से किसी कलमकार का गुजरना क्या एहसास देता है? निश्चय ही यहां जायका बदलने जैसा कुछ नहीं होता. हम अपने अंगों से काम लेते हुए कभी नहीं सोचते कि कब हाथ का इस्तेमाल करें, कब आंख या कान का. ये सारे अवयव चेतना के जिस केन्द्र से जुड़े होते हैं, वहां से स्वतः उनका संचालन होता है. मैं मानता हूं कि कथ्य अपने शिल्प का नियामक होता है. कौन सी बात या अनुभव किस फॉर्म में सहजता से अन्तरित होगा, यह नैसर्गिक बोध हर रचनाकार के भीतर क्रियाशील रहता है.

प्रश्न : २०११ में प्रकाशित उपन्यास ‘न कोई मील ना कोई पत्थर‘ अधिक चर्चा में है. जीवन के बिखराव और उसके संघटन को इसमें बहुत ही चेतन बारीकी के साथ अंकित किया गया है. आपकी रचनाशीलता का एक आयाम यहां पूरा हो गया या इसे पूरा करना शेष है?

उत्तर : बंधु, 2022 में प्रकाशित मेरे (पहले) उपन्यास ‘न कोई मील ना कोई पत्थर‘ की चर्चा करते हुए आपने बताया है कि वह अधिक चर्चा में है, कि जीवन के बिखराव और उसके संघटन को इसमें बहुत ही चेतन बारीकी के साथ अंकित किया गया है. उसके बारे में हिचक के साथ मैं यह जोड़ना चाहता हूं कि मेरा बस चले तो मैं उसे दोबारा लिखना चाहूंगा. एक जमाने से उसकी अधूरी पटकथा मेरे कंप्यूटर पर पड़ी रही थी. उन दिनों मेरे जेहन में जेम्स जॉयस की “यूलिसिस”, अज्ञेय के “नदी के द्वीप”, निर्मल वर्मा के “एक चिथड़ा सुख” और “रात का रिपोर्टर” और सुरेन्द्र वर्मा का “मुझे चांद चाहिए” जैसी कई औपन्यासिक कृतियों की अनुगूंज थी. अपनी उस अपूर्ण स्क्रिप्ट की मुद्रित प्रति वर्षों पहले मैंने इला प्रसाद, प्रियदर्शन और अशोक प्रियदर्शी सरीखे कई नजदीकी लोगों को पढ़ने के लिए दी थी. प्रियदर्शी जी ने कहा कि जितना लिखा है, उसे पूरा मान लीजिए और वर्तमान विस्तार में ही उपन्यास को छपने दीजिए. और आधे मन से मैंने यही किया कि कथानक में एक नरेटर को बिठा दिया और तीन चौथाई विस्तार में उसके अनलिखे पन्नों की चाहत को स्थगित कर दिया. एक औपन्यासिक कृति के रूप में उसकी सीमाओं से मैं सुपरिचित हूं, लेकिन वस्तुकथन की गहनता और विस्तार तथा नरेशन में भाषा के पारदर्शी रचाव की दृष्टि से वह एक बेजोड़ कथाकृति है. **(क्रमशः)**

व्यंग्य ›› बर्बरीक

माले मुफ्त दिले बेरहम

चचा ग़ालिब का एक शेर है कि मैंने माना कि कुछ नहीं ग़ालिब/मुफ़्त हाथ आए तो बुरा क्या है. मुफ़्त की चीज़ों के अपने मज़े होते हैं. सब्ज़ी के साथ मुफ्त धनिया-मिर्च से लेकर यह यात्रा एक पर एक मुफ़्त से होते हुए बिजली मुफ़्त, पानी मुफ़्त, अनाज मुफ़्त तक जाती है और बाज़ार का पूरा कारोबार मुफ़्त पर टिका रहता है.
अंग्रेजी की एक कहावत के अनुसार कुछ भी मुफ़्त नहीं मिलता. हर चीज़ की कुछ क़ीमत चुकानी पड़ती है. हम भी चुकाते हैं यह बात और है कि जो बेशकीमती है, उसे ही हम कीमती नहीं मानते हैं. पहले बाज़ार ने मध्यवर्ग को मुफ़्त की आदत लगाई और अब तो बाकायदा हक़ समझता है मुफ़्त की चीज़ पर. पूरी राजनीति की धुरी आकर मुफ़्त पर टिक गई है. दक्षिण भारत से यह मुफ्त वाली हवा चली थी जब एक दल एक चुनाव में टीवी बांटता था तो दूसरा दल अगले चुनाव में मुफ्त लैपटॉप बांटकर चुनाव जीत जाता. बिजली-पानी मुफ्त देने के वादे पर राज्य के राज्य जीत लिए जाते.

सिर्फ नेताओं को ही क्यों दोष दें, जनता भी काफी शातिराना चालें चलने लगी है. हर चुनाव में उसकी नज़र इस बात पर रहती है कि किस नेता की दुकान पर क्या मुफ्त मिल रहा है. इस बात पर भी गर्व किया जाता है कि अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त पांच किलो अनाज दिया जा रहा है. मज़ेदार बात है कि यह कोई नहीं पूछता कि अस्सी करोड़ जनता आखिर इस हालत में पहुंच कैसे गई कि पांच किलो अनाज के लिए तरस रही है. कोरोना काल में जो करूणा के लिए हुआ था उसका मज़ा बाद में भी उठाया जाने लगा. जनता भी इस निष्कर्ष पर पहुंच गई कि आत्मसम्मान, गैरत वगैरह ढकोसला है. असल चीज है मुफ्त का अनाज. हर्रे लगे न फिटकरी रंग भी चोखा. नेता भी खुश कि न कोई काम मांग रहा है न बढ़ती महंगाई पर सवाल हो रहे हैं. पांच किलो अनाज मुंह पर मारो बस मुंह बंद. कोई अपने घर से तो कुछ देना नहीं है. जनता का पैसा है जनता को दान में दो. दान का पुण्य अलग. माल महाराज का मिर्जा खेले होली. इसी दान के आधार पर जमकर बेशर्मी से वोट मांगो. जनता को भी लगता है कि दे दो वोट अपना क्या जाता है. पैसा थोड़े ही मांग रहा है. वोट का अधिकार मुफ्त में मिला है. मुफ्त में बांट दो. चारों तरफ मुफ्त लेन-देन की गुलाबी हवाएं चल रही है. इसमें डूबिए उतराइए.

परिवर्तनशील समय में “ प्रेम ध्रुपद” का सनातन प्रवाह

शाश्वत के सजग शिल्पी लीलाधर मंडलोई

मयंक मुरारी

सनातन का अर्थ है जो शाश्वत हो, सदा के लिए सत्य हो. जिन पर भारत की सभ्यता आधारित है. ऐसी सभ्यता का संरक्षण-संवर्द्धन साहित्य के माध्यम से विरले ही करते हैं. भारतीय साहित्यांगन में लीलाधर मंडलोई जैसे कुछेक सृजनधर्मी बचे हैं, जो देश-काल के शाश्वत प्रवाह को लेखनी का केंद्रीय भाव बनाते हैं. परिवर्तनशील समय में “प्रेम ध्रुपद” का सनातन प्रवाह के संग लीलाधरजी प्रेम की गहराई में उतरते हैं. इस अस्तित्व में गूंजायमान अनहद को शब्द प्रदान करते हैं. उनके सृजन-शब्द और भाव में संगीत की धारा व उसमें मधुरता का समावेश अनायास नहीं है, बल्कि यह उनका स्वाभाविक गुण है, जो दंडकारण्य के जंगल में उनको मिला. इसी जंगल में निवास के दौरान त्रेता में श्रीराम को जीवन का अर्थ मिलता है, जिसकी एक धारा उनकी लंबी कविता “प्रेम ध्रुपद” में दिखती है.

- **जनजीवन का सजीव चित्रण**

जब कोई कविता आत्मा तक पहुंच जाए तो उसकी सार्थकता सिद्ध होती है. उनकी लंबी प्रेम कविता “प्रेम ध्रुपद” में प्रेम की गहराई के साथ हरेक शब्दों के बीच भाव की गूंज हमें एक चिरस्थायी संबंध का आमंत्रण देता है. दो पत्थरों के अचानक टकराने से जनमे उस अलौकिक अग्नि नाद का... इन पंक्तियों के माध्यम से एक साथ सभ्यता की शुरूआत, विकास व उसके भविष्य पर सकारात्मक दस्तक होती है. मंडलोईजी का सूफियाना फक्कड़पन दिखता है. यह शब्दों की मिठास व जनजीवन के सजीव चित्रण में सामने आता है. उनकी कविताओं में प्रकृति का वर्णन विशेष रूप से होता है. ये पंक्तियां हैं- उसे भूले बसंत की तरह अनुभव करो, दुलराओ, मनाओ, जगाओ. वह मन द्वार पर सगुन लिए खड़ा है. नदी है गहरी, सो गया भीतर एक सपना, हमारी मिट्टी डूबी आंखें, हमारी पानियों से चेहरे, हमारी हवाओं सी उड़ान. इन कविताओं को पढ़कर अर्जेंटीनी लेखक होर्हे लुई बोर्हेस याद आते हैं जो देख नहीं सकते थे. उनका मानना था कि दुनिया का सारा साहित्य अलग-अलग लोग नहीं लिखते हैं, बल्कि असख्य अलग-अलग नामों वाली एक ही आत्मा लिखती है. वह लिखते हैं कि- मैं ही होमर था, कुछ समय पश्चात मैं नहीं रहूंगा. कुछ देर में मैं समस्त मनुष्य हो जाऊंगा.

लीलाधर मंडलोई का परिचय

हिन्दी भाषा के लेखक-कवि लीलाधर मंडलोई का जन्म 1954 की जन्माष्टमी के दिन मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिला के गुढ़ी गांव में हुआ था. शिक्षा-दीक्षा भोपाल और रायपुर में हुई. प्रसारण की उच्च शिक्षा के लिए 1987 में राष्ट्रकुल संबंध अभिभावकता, लंदन की ओर से आमंत्रित किए गए. वह प्रसार भारती दूरदर्शन के महानिदेशक के पद पर भी रहे हैं. उनकी प्रमुख कृतियां हैं- कविता-संग्रह में घर-घर घूमा, रात-बिरात, मगर एक आवाज, देखा-अदेखा, ये बदमस्ती तो होगी, देखा पहली दफा अदेखा, उपस्थित है समुद्र एवं गद्य साहित्य में अंदमान-निकोबार की लोक कथाएं, पहाड़ और परी का सपना, चांद का धब्बा, पेड़ भी चलते हैं, बुंदेली लोक रागिनी है. मध्य प्रदेश साहित्य परिषद के रामविलास शर्मा सम्मान, वागीशवरी सम्मान, रजा सम्मान, पुश्किन सम्मान और नागार्जुन सम्मान आदि से सम्मानित हैं. इन दिनों लंबी प्रेम कविता के कारण विशेष चर्चित हैं.

- **सृजन की आहुति**

जीवन सृजन है. जगत भी सृजन है. अस्तित्व में विराट सृजन का यज्ञ चल रहा है. लीलाधरजी को पढ़ने पर लगता है कि वे भी लेखनी कर्म से इस यज्ञ में सृजन की आहुति दे रहे हैं. सृजन की असीमता में अमरत्व के बीज खोज रहे हैं. उनकी “प्रेम ध्रुपद” की एक पंक्ति है- आओ! ढांप ले बदन, थोड़ा आवारा हो जाएं प्रतिकूल हवाओं में, मोड़ के उस पार ढलान में उतरें बेपरवाह, प्रेम की उसी प्राचीन जगह, जहां दुनिया आजाद ख्यालों में रोशन है. उनकी इस प्रेम कविता को पढ़कर कभी वसंत की भोर, गुलमोहर के फूल और सतपुड़ा की तलहटी में हम यात्रा करते हैं तो कभी उनके ही शब्द संग्रह- कथा, गीत, डायरी यात्रा की जीवंत शब्द-लहरी से गुजर आत्मिक शांति को महसूस करते हैं.

- **प्रतिरोध के स्वर**

मजदूरों का संघर्ष मंडलोईजी के जीवन का हिस्सा रहा है. उनके काव्य में प्रतिरोध की गहराई, प्रतिरोध का नया रूप, देशज शब्दों, रंगों और चित्रों से प्रतिरोध के नए आयाम उभरते हैं. खुद वह अपनी कविता पर कहते हैं- मैं कविता में एक खास पहचान बन जाने के खिलाफ हूं. कविताओं की भाषा, कहन सौंदर्य चेतना की दृष्टि से अतिक्रमण करती है. मैंने कविता को चित्र, ध्वनि, संगीत, फिल्म और छायाकारी के तत्वों से जोड़ा है. मेरी कविता की धुरी प्रेम और करुणा पर टिकी है.

- **प्रेम-विरह की बेजोड़ अभिव्यक्ति**

प्रेम की परिभाषा और उसकी वर्तमान दौर में उपयोगिता पर भी मंडलोई जी “प्रेम ध्रुपद” में सवाल उठाते हैं- जोग संग बिजोग की कुड़माई, दिलफूल भी भीतर चुभता है. जब वनस्पतियां एक पेड़ में खिल रही हैं, दूसरा अब ये प्रेम है, लगभग अंतिम नस्ल सा. वह ठीक कहते हैं कि प्रेम अब बाजार, काया और सौंदर्य के वशीभूत हो गया है. प्रेम के आरंभ होने पर प्रेमी के हृदय में उत्कट विरह के दुखद वियोग की अनुभूति होने लगती है. कबीर साहित्य में प्रेम के साथ प्रेम-विरह की बेजोड़ अभिव्यक्ति हुई है. उनके विरह में वियोग-व्यथा का एक बिंब गौरतलब है -“बहुत दिनन की जोबती, बाह तुम्हारी राम. जिव तरसै तुझ मिलन को, मन नाहीं विश्राम।।” मंडलोई जी की कविता में वही कबीर रस और भाव आते हैं. लीलाधर मंडलोई की सबसे बड़ी खूबी क्या है? दुनिया की सैर करते हैं. दुख, सुख और करुणा, प्रेम व मन की कई परतों का विचरण करते हैं, लेकिन अंततः आशावाद की स्याही को पन्नों पर उकेरना नहीं भूलते हैं. कहते हैं- यह विदा का समय नहीं, पहाड़ लांघने का है, परिंदा के साथ उड़ने का है, हृदय में बादल राग के होने का है और इस प्रार्थना का है कि अब किसी पिकासा को गुएर्निका न रचना पड़ें. उनकी बातों में रूप, रंग, रस और गंध के बिंब हैं. वे उपमाओं का प्रतिबिंब बनाकर दिल में उतरते हैं और दिव्यता की यात्रा के साथ हमें उस परम शिखर की ओर आरोहण का आमंत्रण देते हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

महिला टी20 वर्ल्ड कप: टीम इंडिया ने आईसीसी टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है

ग्रुप ए में कोई ऑस्ट्रेलिया और भारत को चुनौती पेश कर पाएगा?

- दुबई पहुंच गयी है भारतीय महिला टीम, अभ्यास में जुटी
- तीन अक्टूबर से शुरू होगा महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024
- दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे सारे मैच

एजेंसी। नयी दिल्ली

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन दुबई और शारजाह में होने जा रहा है. आगामी तीन अक्टूबर से 20 अक्टूबर टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे. टीम इंडिया दुबई पहुंच चुकी है. टूर्नामेंट के ग्रुप ए में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें हैं. टीम प्रिव्यू की इस कड़ी की शुरुआत ग्रुप ए की टीमों से करते हैं और उनकी मजबूत और कमजोर कड़ी पर प्रकाश डालते हुए उनके विश्व कप अभियान की संभावनाओं को टटोलने का प्रयास करते हैं.

भारत : फाइनल खेल सकता है

स्पिनरों की भरमार के बीच भारत आगामी वर्ल्ड कप जीतने के प्रबल दावेदारों में से एक है. पिछले संस्करण के बाद से भारत ने सिर्फ सात टी20 हारे हैं. हालांकि उन्हें एशिया कप के फ़ाइनल में श्रीलंका के हाथों हार का सामना भी करना पड़ा था. भारत ने आईसीसी टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमों को चुनौती भी दी है लेकिन नॉकआउट स्टेज पर उन्हें निराशा हाथ लगी है. वर्ल्ड कप की तैयारियों के संदर्भ में भारत ने खेल मनोवैज्ञानिक की भी मदद ली है. स्मृति मंधाना और शेफ़ाली वर्मा की सलामी जोड़ी अच्छे फ़ॉर्म में है और पिछले एक साल से दोनों ही खिलाड़ियों ने काफ़ी रन भी बनाए हैं. मंधाना ने स्पिन के ख़िलाफ़ अपने खेल पर काफ़ी मेहनत की है, जिसकी झलक दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ में दिखाई भी दी थी और यूएई में यह मेहनत मंधाना के काम भी आएगी. अहम खिलाड़ी भारत के टी20 सेटअप में दीप्ति शर्मा के बल्लेबाज़ी क्रम को लेकर भले ही दुविधा हो सकती है लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह भारतीय एकादश का हिस्सा होंगी. खेल के हर चरण में गेंदबाज़ी करने की उनकी क्षमता कप्तान हरमनप्रीत कौर को दबाव की स्थिति में उनके रूप में एक विकल्प प्रदान करती है. वह यूएई में भारतीय टीम के लिए अहम साबित हो सकती हैं. जनवरी 2022 के बाद से तमाम पूर्ण सदस्य देशों और आगामी वर्ल्ड कप का हिस्सा सभी टीमों में दीप्ति से ज़्यादा विकेट (73) किसी अन्य खिलाड़ी ने नहीं लिए हैं. तुलनात्मक तौर पर उनकी बल्लेबाज़ी के आंकड़े उतने प्रभावी भले ना हों लेकिन ऐसी स्थिति में भी महिला टी20 में जनवरी 2022 से लेकर अब तक दीप्ति को छोड़कर किसी अन्य खिलाड़ी ने 45 विकेट और 420 रन नहीं बनाए हैं. इस अवधि में ख़ुद दीप्ति ने 525 रन बनाए हैं. महिला हंड्रेड में भी उन्होंने अपनी ऑलराउंड क्षमता का परिचय दिया था. उन्होंने लंदन स्पिरिट के लिए 132.50 के स्ट्राइक रेट से 212 रन बनाए थे और 6.85 की इकॉनमी से आठ विकेट चटकाए थे.

न्यूज़ीलैंड : ग्रुप स्टेज से संभवतः आगे नहीं बढ़ पाए

न्यूज़ीलैंड की टीम इस वर्ल्ड कप में लगातार 10 टी20 मैच हारते हुए प्रवेश करेगी. उन्हें हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 0-3 से हार झेलनी पड़ी थी. वह एक मुश्किल ग्रुप में हैं, जहां उन्हें टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए काफ़ी मेहनत करनी होगी. सूज़ी बेट्स और सोफ़ी डिवाइन अपना लगातार नौवां टी20 वर्ल्ड कप खेलेंगी. न्यूज़ीलैंड के पास एक अनुभवी दल है लेकिन उन्हें युवा खिलाड़ियों से भी मदद की दरकार होगी. डिवाइन ने हाल ही में नंबर चार पर बल्लेबाज़ी की है और पारी को मध्य चरण में नियंत्रित करने का प्रयास किया है. लेकिन सवाल है कि क्या न्यूज़ीलैंड अपनी एक बेहतरीन बल्लेबाज़ का लाभ उठा पा रही है? अहम खिलाड़ी एमेलिया केर से न्यूज़ीलैंड को काफ़ी उम्मीदें होंगी. वह नंबर तीन पर बल्लेबाज़ी करने के साथ साथ अपनी लेग स्पिन से यूएई में न्यूज़ीलैंड के लिए उपयोगी साबित हो सकती हैं. हालांकि बल्लेबाज़ी में उनका 110-115 के बीच रहने वाला स्ट्राइक रेट चिंता का विषय ज़रूर है, लेकिन पिछले दो डब्लूपीएल संस्करणों में उन्होंने 130 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं. जिससे यह पता चलता है कि वह अपनी पारी को गति देने में सक्षम हैं.

पाकिस्तान : शायद ग्रुप स्टेज से आगे ना जा पाए

पाकिस्तान इस वर्ल्ड कप में फ़ातिमा सना के रूप में नई कप्तान के साथ प्रवेश करेगा. अगस्त में उन्होंने निदा डार की जगह ली थी. 22 वर्षीय खिलाड़ी के लिए यह बतौर कप्तान पहला आईसीसी टूर्नामेंट होगा, हालांकि वह इससे पहले तीन टी20 वर्ल्ड कप खेल चुकी हैं. इस साल वेस्टइंडीज़, इंग्लैंड और दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ खेली तीनों द्विपक्षीय श्रृंखला में पाकिस्तान को हार झेलनी पड़ी है. पिछले 15 टी20 में पाकिस्तान को सिर्फ़ चार में जीत मिली है. हालांकि दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ पाकिस्तान की टीम दो बार 150 से अधिक का स्कोर खड़ा करने में सफल हुई थी. अहम खिलाड़ी मुनीबा अली फ़ॉर्म में हैं. पिछले सात मैचों में उन्होंने छह बार 30 से अधिक का स्कोर खड़ा किया है. वह बड़े शॉट नहीं खेलती हैं लेकिन सलामी बल्लेबाज़ मुनीबा पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाज़ी कर सकती हैं. उन्होंने इस साल 15 मैचों में 113.04 के स्ट्राइक रेट से 364 रन बनाए हैं. पिछले टी20 वर्ल्ड कप में वह शतक लगाने वाली इकलौती बल्लेबाज़ भी थीं.

ऑस्ट्रेलिया : लगातार तीन बार का है चैंपियन

ऑस्ट्रेलिया गत विजेता है. लगातार तीन बार से यह ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया के नाम ही रही है. 2017 के वनडे वर्ल्ड कप से ही उन्होंने कोई भी वैश्विक टूर्नामेंट नहीं हारा है. हालांकि उन्हें फ़रवरी 2023 में घर पर ही इंग्लैंड के हाथों 1-2 से टी20 श्रृंखला हारनी पड़ी थी. इस बीच में दो बार भारत और न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ उनकी पूरी टीम एक पारी में सिमट चुकी है जो कि 2020 के वर्ल्ड कप के बाद से ही नहीं हुआ था. ऑस्ट्रेलिया के पास अभी भी एक असाधारण दल है और उन्हें हराना अन्य टीमों के लिए काफ़ी मुश्किल रहने वाला है. हालांकि वह बल्लेबाज़ी में अपने हालिया प्रदर्शनों की तुलना में अधिक साहसिक हो सकते हैं. अहम खिलाड़ी एलिस पेरी ऑस्ट्रेलिया की सबसे अहम कड़ी साबित हो सकती हैं. हालांकि उनके सामने अपने टी20 करियर के दूसरे चरण में बल्ले के साथ प्रदर्शन को और बेहतर करने की चुनौती भी होगी. वह चोट के चलते 2020 का वर्ल्ड कप नहीं खेल पाई थीं. मेग लेनिंग के संन्यास के बाद इस साल टी20 लीग में उन्होंने नंबर तीन और नंबर चार पर अच्छा प्रदर्शन किया है. आगामी वर्ल्ड कप में पिच के धीमा रहने और कम रन बनने का अनुमान है. ऐसे में उनका अनुभव व्यर्थ जाने की भी आशंका है. हालांकि ऐसे अवसर भी आएंगे जब ऑस्ट्रेलिया को पावरप्ले में तेज़ गति से रन बनाने की ज़रूरत पड़ेगी और तब वह अहम योगदान दे सकती हैं.

श्रीलंका : दावेदारी को दरकिनार नहीं किया जा सकता

पिछले एक साल में श्रीलंका सबसे व्यस्त टीमों में से एक रही है और उन्होंने इस साल के बाद के चरण में अपने प्रदर्शन में सुधार किया है. पिछले एक साल में किसी पूर्ण सदस्य देश द्वारा सबसे ज़्यादा 31 मैच श्रीलंका ने ही खेले हैं. उन्हें इस अवधि में सिर्फ़ नौ मैचों में हार का सामना करना पड़ा है और इस दौरान उन्होंने पहली बार टी20 प्रारूप में न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के ख़िलाफ़ जीत दर्ज की गई. अप्रैल 2023 से लेकर अब तक उनका जीत हार का अनुपात ऑस्ट्रेलिया और भारत से बेहतर है. इसके साथ ही उन्होंने हाल ही में हुए एशिया कप को भी जीता था. अहम खिलाड़ी हर्षिता समराविक्रमा इस समय बेहतरीन लय में हैं. उन्होंने दक्षिण अफ़्रीका को उनके घर में हराने में अहम योगदान दिया था. निर्णायक मैच में उनके बल्ले से नाबाद 54 रन निकले थे. एशिया कप के फ़ाइनल में भी उन्होंने भारत के खिलाफ 51 गेंदों नाबाद 69 रन बनाए थे. उनके गियर बदलने की क्षमता से इस साल श्रीलंका को काफ़ी लाभ पहुंचा है. इस साल समराविक्रमा ने 120.81 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जबकि उनके करियर का स्ट्राइक रेट 99.72 है.

श्रीलंका ने टेस्ट क्रिकेट में बनाया रिकॉर्ड

गॉल। श्रीलंकाई टीम ने टेस्ट क्रिकेट में एक महारिकॉर्ड बनाकर पूरी दुनिया में तहलका मचा दिया है. दरअसल, गॉल में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में श्रीलंका के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड टीम की धज्जियां उड़ाकर रख दी. गॉल टेस्ट में श्रीलंका की टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली पारी में 514 रन की विशाल बढ़त हासिल कर सनसनी मचा दी है. यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली पारी में हासिल की गई पांचवीं सबसे बड़ी लीड है. श्रीलंका की टीम ने इस टेस्ट मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. गॉल टेस्ट में श्रीलंका की टीम ने इसके बाद 5 विकेट पर 602 रन बनाकर अपनी पहली पारी घोषित कर दी. श्रीलंका की तरफ से कमिंदु मेंडिस ने 182 रनों की नाबाद पारी खेली. कमिंदु मेंडिस ने अपनी पारी में 16 चौके और 4 छक्के उड़ाए. इसके अलावा दिनेश चांडीमल ने 116 रन की पारी खेली. वहीं, कुसल मेंडिस ने भी नाबाद 106 रन बनाए. न्यूजीलैंड के लिए पहली पारी में ग्लेन फिलिप्स ने 3 विकेट झटके. वहीं, टिम साउदी को केवल एक ही विकेट मिला.

कानपुर टेस्ट

दूसरे दिन का खेल भी बारिश से धुला

- बांग्लादेश ने पहले दिन तीन विकेट खोकर 107 रन बनाए थे

एजेंसी। कानपुर

संक्षिप्त स्कोर

बांग्लादेश **107/3** (मोमिनुल हक नाबाद 40, नजमुल हुसैन शांतो 31, आकाश दीप 2-34)

भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट में वर्षा का कहर जारी है और शनिवार को दूसरे दिन का खेल पूरी तरह बारिश की भेंट चढ़ गया. बांग्लादेश ने पहले दिन 3 विकेट खोकर 107 रन बनाए थे, लेकिन वह उसके बाद अपनी पारी आगे शुरू नहीं कर पाया है. तीनों अंपायर क्यूरेटर से बात करने आए थे और फिर दिन के खेल को रद्द घोषित कर दिया गया. तीसरे दिन भी बारिश का पूर्वानुमान है. हालांकि दिन के दूसरे हिस्से में मौसम के साफ रहने की उम्मीद है. लगातार बारिश और नमी वाले आउटफील्ड के कारण कानपुर में भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन कोई भी क्रिकेट गतिविधि संभव नहीं थी. खराब मौसम और आउटफील्ड की स्थिति इतनी खराब थी कि स्थानीय समयानुसार दोपहर 14 बजे ही खेल को रद्द कर दिया गया. 2015 में बेंगलुरु में हुए टेस्ट के बाद से भारत में एक दिन का खेल पहली बार बारिश की भेंट चढ़ गया. पहले तीन दिनों के लिए खेल से पहले के पूर्वानुमान को देखते हुए कानपुर में आज की घटनाएं आश्चर्यजनक नहीं थीं. मौसम ने पहले दिन केवल 35 ओवर की अनुमति दी, जिसमें बांग्लादेश ने अप्रत्याशित पिच पर मुश्किल परिस्थितियों में संघर्ष किया.

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बादल छाए रहने और सतह में संभावित नमी के कारण गेंदबाजी करने का विकल्प चुना था, जो शुरुआती मूवमेंट से सही साबित हुआ. हालांकि, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थे, और मेजबान टीम को राहत देने के लिए आकाश दीप के दोहरे स्ट्राइक की जरूरत पड़ी. बांग्लादेश के लिए मोमिनुल हक और नजमुल शांतो ने मजबूत पारी खेली, लेकिन शांतो को रविचंद्रन अश्विन ने आउट कर दिया. अगर पहले दिन खेले गए 35 ओवरों को कोई संकेत माना जाए, तो दूसरे दिन एक रोमांचक मुकाबला होने की संभावना थी. दुर्भाग्य से, खराब मौसम ने पहले दिन ओवरों को लूटना शुरू कर दिया, और दूसरे दिन का पूरा खेल ही बरबाद कर दिया. शांतो ने 57 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 31 रन बनाए. बारिश के कारण जब पहले दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब मोमिनुल हक 81 गेंदों में 7 चौके के सहारे 40 रन और मुशफिकुर रहीम 13 गेंदों में 6 रन बनाकर क्रीज पर थे. भारत की तरफ से आकाश दीप ने 34 रन पर 2 विकेट और अश्विन ने 22 रन पर एक विकेट लिया है.

स्टेडियम की सुरक्षा करेंगे लंगूर

ग्रीन पार्क स्टेडियम में बंदरों द्वारा लोगों का खाना छीनने का मामला सामने आया है. उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने अब इस समस्या से निपटने के लिए एक नया तोड़ निकाला है. कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में बंदरों को फैंस के अलावा ग्राउंड स्टाफ से भी स्नैक्स और ड्रिंक्स छीनते देखा जा चुका है. इस कारण मैचों के ब्रॉडकास्ट पर भी असर पड़ा है, इसलिए यूपीसीए ने इस समस्या से निजात पाने के लिए लंगूर बंदरों का सहारा लिया है. इंडियन एक्सप्रेस अनुसार ग्रीन पार्क स्टेडियम के डायरेक्टर संजय कपूर ने बताया कि बंदरों ने ब्रॉडकास्ट टीम (कैमरामैन) को भी लगातार परेशान करने का काम किया है. रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जिस ऊंचे स्टैंड का टीवी क्रू ब्रॉडकास्टिंग के लिए इस्तेमाल करता है, उसे पीछे और साइड से काले कपड़े से ढक दिया गया है. बताते चलें कि इससे पहले भी कानपुर के मैदान में बंदरों को दूर रखने के लिए लंगूर बंदरों का सहारा लिया जा चुका है.

चाइना ओपन : दानिल मेदवेदेव ने गाएल मोंफिल्स को हराया

कार्लोस अल्काराज दूसरे दौर में

एजेंसी। बीजिंग

कार्लोस अल्काराज ने अपने साथी 21 वर्षीय जियोवानी एमपेटशी पेरीकार्ड को 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया. वहीं, तीसरे वरीय दानिल मेदवेदेव ने शुक्रवार को यहां चाइना ओपन के पुरुष वर्ग के पहले दौर में अनुभवी गाएल मोंफिल्स को 6-3, 6-4 से हराया. इस साल फ्रेंच ओपन और विंबलडन जीतने वाले अल्काराज के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण मैच था, क्योंकि उन्हें एटीपी टूर पर सबसे बड़ी सर्विस करने वाले खिलाड़ियों में से एक एमपेटशी पेरीकार्ड का सामना करना पड़ा क्योंकि उनके पास अपने नवीनतम अभियान से अभ्यस्त होने के लिए बहुत कम समय था. हालांकि, शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने एमपेटशी पेरीकार्ड की मारक क्षमता के साथ जल्दी से तालमेल बिठाया और पहले दौर की जीत में शानदार प्रदर्शन किया. अल्काराज़ ने प्रत्येक सेट के शुरुआती गेम में फ्रांसीसी खिलाड़ी की सर्विस को तोड़कर 81 मिनट में अपने 21 वर्षीय साथी खिलाड़ी को हराया. अल्काराज़ को शिन्हुआ ने यह कहते हुए उद्धृत किया, ईमानदारी से कहूं तो यह आसान नहीं था. वह वास्तव में एक शक्तिशाली खिलाड़ी है. बड़ी सर्विस, बेसलाइन से बड़े शॉट. इसलिए मुझे वास्तव में ध्यान केंद्रित करना था. यही योजना थी. बहुत अधिक गलतियां न करने और बेसलाइन से आक्रामक तरीके से खेलने की कोशिश करें. अल्काराज ने ल्योन चैंपियन एमपेटशी पेरीकार्ड के साथ अपने पहले लेक्सस एटीपी हेड2हेड मुकाबले में अर्जित दोनों ब्रेक पॉइंट को भुनाया. पहले दौर के एक अन्य मैच में रूसी स्टार मेदवेदेव ने अनुभवी गाएल मोंफिल्स को 6-3, 6-4 से हराकर अगले दौर में जगह पक्की की.

गॉफ ने ब्यूरेल को हराया: कोको गॉफ ने शुक्रवार को यहां चाइना ओपन के दूसरे राउंड में क्लारा ब्यूरेल को 7-5, 6-3 से हराया, जबकि चीन की वाइल्डकार्ड खिलाड़ी झांग शुआई ने यूएस ओपन सेमीफाइनलिस्ट एम्मा नवारो को हराकर बाहर कर दिया. यूएस ओपन खिताब की रक्षा में एम्मा नवारो से चौथे राउंड में हारने के बाद अपने पहले मैच में, नंबर 4 वरीयता प्राप्त अमेरिका की गॉफ ने फ्रांस की विश्व नंबर 56 ब्यूरेल पर 100 मिनट में जीत दर्ज की. गॉफ को जीत हासिल करने से पहले पहले सेट में 5-4 पर एक सेट प्वाइंट बचाना पड़ा. गॉफ का अगला मुकाबला रविवार को राउंड ऑफ 32 में नंबर 26 वरीयता प्राप्त ग्रेट ब्रिटेन की कैटी बौल्टर से होगा.

रोहन बोपन्ना-इवान डोडिग पहले दौर से बाहर : अनुभवी भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और क्रोएशिया के उनके जोड़ीदार इवान डोडिग शनिवार को यहां पुरुष युगल मैच में फ्रांसिस्को सेरुंडोलो और निकोलस जैरी से 5-7, 6-7 से हारकर चाइना ओपन से बाहर हो गए. सेरुंडोलो (अर्जेंटीना) और जैरी (चिली) की गैरवरीयता प्राप्त जोड़ी ने एक घंटे 31 मिनट तक चले राउंड 16 के मैच में दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना-डोडिग को हराया.

हादसा गर्दन और हाथ-पैरों में चोटें आईं, शेष सत्र से बाहर रहने की संभावना

युवा क्रिकेटर मुशीर कार दुर्घटना में घायल, हालत स्थिर

एजेंसी। नयी दिल्ली

अंडर-19 में भारत के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक है मुशीर

2024 अंडर-19 विश्व कप में भारत के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक मुशीर ने फरवरी में रणजी ट्रॉफी में दमदार वापसी की. करीब दो साल बाद मुंबई के लिए अपने पहले मैच में उन्होंने अपना पहला प्रथम श्रेणी दोहरा शतक लगाया और बाद में विदर्भ के खिलाफ रणजी फाइनल में दूसरी पारी में शतक जड़कर मुंबई को रिकॉर्ड 42वां रणजी खिताब दिलाने में मदद की. मुशीर ने नौ प्रथम श्रेणी मैचों में 50 से अधिक की औसत से 716 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम तीन शतक और एक अर्धशतक शामिल है. इस बीच, एमसीए ने अभी तक बल्लेबाज के लिए किसी प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है. एमसीए को उम्मीद है कि सरफराज खान, जो अभी भी भारतीय टीम के साथ कानपुर में हैं.

मुंबई के बल्लेबाज मुशीर खान की एसयूवी कार शुक्रवार रात आजमगढ़ से लखनऊ जाते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे उनकी गर्दन और हाथ-पैरों में चोटें आईं. 19 वर्षीय मुशीर का लखनऊ के मेदांता अस्पताल में इलाज चल रहा है. डॉक्टरों ने उसकी हालत को स्थिर बताया है. वह खतरे से बाहर हैं. उनके शेष सत्र से बाहर रहने की संभावना है. भारत के बल्लेबाज सरफराज खान के भाई मुशीर के साथ कार में उनके पिता और कोच नौशान खान भी थे और दुर्घटना में नौशान खान को भी मामूली चोटें आईं. मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने कहा कि कार तेज गति से अनियंत्रित हो गई और सड़क पर कई बार पलट गई. डॉक्टर स्कैन रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, ताकि यह पुष्टि हो सके कि उनकी गर्दन में फ्रैक्चर हुआ है या नहीं और यह कितना गंभीर है. एमसीए सूत्र ने आईएएनएस को बताया, मुशीर संभवतः इस सत्र से बाहर रहेंगे. लखनऊ से आजमगढ़ जाते समय हुई तेज रफ्तार दुर्घटना में उनकी फॉर्च्यूनर कार कई बार पलट गई थी, जिससे उनकी गर्दन और अंगों में चोट आई है. उन्हें अस्पताल में भर्ती होने के बाद तीन महीने आराम करना होगा. उसके बाद उन्हें पुनर्वास से गुजरना होगा, जिसका मतलब है कि वे छह से सात महीने बाद ही खेल पाएंगे.

मुशीर का फिलहाल लखनऊ के मेदांता अस्पताल में इलाज चल रहा है. मुशीर, जो अपने पिता के साथ आजमगढ़ में प्रशिक्षण ले रहे थे, 1 अक्टूबर से अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में शेष भारत के खिलाफ होने वाले ईरानी कप मैच के लिए लखनऊ में अपने साथियों के साथ शामिल होने वाले थे. एमसीए के अधिकारी मुशीर के दलीप ट्रॉफी मैचों के समापन के बाद आजमगढ़ में प्रशिक्षण लेने और मुंबई में अपनी घरेलू टीम के साथ नहीं जुड़ने के फैसले से भी नाखुश हैं.

नयी दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैचों की वापसी, दिग्गजों ने किया स्वागत

नयी दिल्ली । भारतीय हॉकी के पूर्व दिग्गज- हरबिंदर सिंह और जफर इकबाल नयी दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को जर्मनी के खिलाफ खेलते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं. भारत 23 और 24 अक्टूबर को ओलंपिक रजत पदक विजेताओं से भिड़ेगा. इस आयोजन के साथ एक दशक के बाद नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी हो रही है और इस आयोजन में पूर्व हॉकी सितारों सहित कई गणमान्य लोगों के शामिल होने की उम्मीद है. पिछली बार भारत ने मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में जनवरी 2014 में हीरो हॉकी वर्ल्ड लीग फाइनल - पुरुष राउंड 4 खेला था.

फीफा ने अर्जेंटीना के मार्टिनेज को दो मैचों के लिए निलंबित किया

एजेंसी। ब्यूनस आयर्स

अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो डिबू मार्टिनेज को निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों का उल्लंघन करने पर फीफा की अनुशासन समिति ने दो मैचों के लिए निलंबित कर दिया है. मार्टिनेज अगले महीने वेनेजुएला और बोलीविया के खिलाफ अर्जेंटीना के विश्व कप क्वालीफायर में नहीं खेल पाएंगे. मार्टिनेज ने इस महीने की शुरुआत में चिली और कोलंबिया के खिलाफ कोपा अमेरिका मैचों के दौरान फीफा की आचार संहिता का उल्लंघन किया था. चिली के खिलाफ जीत के बाद, गोलकीपर को कोपा अमेरिका ट्रॉफी की प्रतिकृति को अपने ग्रोइन क्षेत्र में पकड़े हुए देखा गया, जो 2022 फीफा विश्व कप जीत के बाद उनके द्वारा किए गए जश्न की याद दिलाता है. एस्टन विला स्टार को 10 सितंबर को कोलंबिया से अर्जेंटीना की 2-1 की हार के बाद अपने कार्यों के लिए भी परिणाम भुगतने पड़े, जब उन्होंने अंतिम सीटी के बाद एक कैमरा ऑपरेटर के उपकरण को धक्का दिया था.

ब्रीफ खबरें

शादी के आठ महीने बाद विवाहिता ने दी जान

मुंगेर। शादी के बाद पत्नी को छोड़कर दोस्तों को युवक को ज्यादा समय दे रहा था. यह बात नई नवेली पत्नी को पसंद नहीं आ रही थी. ऐसे में नाराज पत्नी ने पति को सबक सिखाने के लिए खुद फांसी को फंदे पर लटका लिया. घर लौटने पर जब पति ने पत्नी को फंदे से लटकते हुए देखा तो हैरान रह गया. जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया. मामला मुंगेर जिला अंतर्गत हरपुर थाना क्षेत्र के गनैली गांव का है . जहां शनिवार सुबह सिंटू कुमार की 22 वर्षीय पत्नी कोमल देवी ने घर के पंखे से लटक खुदकुशी कर ली.

घर की दीवार गिरने से एक बच्ची की मौके

बेतिया। बेतिया जिले के मैनाटांड़ प्रखंड के लंगड़ी बस्ठा गांव में लगातार हो रही बारिश के कारण एक दर्दनाक हादसा हो गया. यहां बगल के निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से झोपड़ीनुमा घर में सो रही 12 वर्षीय बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई. घटना शनिवार की है, जब ललन पंडित के घर पर बगल के मकान की दीवार गिर गई. इस हादसे में ललन पंडित की बेटी तेतरी कुमारी की जान चली गई, जबकि परिवार के अन्य सदस्य किसी तरह जान बचाने में कामयाब रहे. जानकारी के अनुसार, ललन पंडित का परिवार अपने झोपड़ीनुमा घर में सो रहा था. बगल के मकान की दीवार ढह गई और ललन पंडित के घर पर आ गिरी.

बदमाशों ने दुकानदार को चाकू घोंपा, घायल

गया। गया में एक ट्रे में अंडा फूटा निकला तो बदमाशों ने दुकानदार को चाकू से हमला कर दिया. इसमें दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गया. वहीं अंडा दुकानदार के भाई ने बीच-बचाव किया तो बदमाशों ने उस पर भी चाकू से हमला कर घायल कर दिया. चाकूबाजी की घटना के बाद बदमाश फरार हो गया. फिलहाल गया पुलिस दो घायल युवक की इलाज के लिए पास के सरकारी अस्पताल में ले गए. जहां से चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए दोनों घायल भाईयों को शहर के जय प्रकाश नारायण अस्पताल भेज दिया. यह पूरा मामला बेलागंज थाना क्षेत्र के बेल्हाड़ी गांव की है.

पटना में जेपी नड्डा ने पैरालंपिक विजेताओं को किया सम्मानित, कहा-

पीएम का कमाल है कि खेल को इतनी तवज्जो मिली

संवाददाता। पटना

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कार्यक्रम शनिवार को बीजेपी कार्यालय में खत्म हो गया है. जेपी नड्डा पटना में बीजेपी की एक अहम बैठक में हिस्सा लिया. इस दौरान उन्होंने सदस्यता अभियान की समीक्षा भी की. कार्यक्रम में पैरालंपिक विजेताओं को सम्मानित भी किया गया. इस मौके पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे इन खिलाड़ियों से मिलने का मौका मिला. उन्होंने कहा कि मैं सभी को धन्यवाद देता हूं और बधाई देता हूं. प्रधानमंत्री मोदी ने खेल को कितना तवज्जो दिया है. खेल को कोई प्राथमिकता नहीं देता था. पहले यह रूटीन कार्यक्रम था. प्रधानमंत्री ने खेल को विशेष महत्व दिया है. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सुश्री अनीता प्रकाश फुटबॉल में मेडल जीतने पर सम्मानित किया. हैंडबॉल खिलाड़ी सिंटू कुमार, गजेंद्र कुमार, मोहम्मद शमीम और मानसी एथलीट को भी सम्मानित किया गया.

▪ पैरालंपिक विजेता को सम्मानित करते जेपी नड्डा

पार्टी के सभी बड़े नेताओं से की मुलाकात

बता दें कि सितंबर महीने में जेपी नड्डा का बिहार में यह दूसरा बिहार दौरा है . इससे पहले वे 7 सितंबर को यहां आए थे . इस बार नड्डा ने पटना में पार्टी के सभी बड़े नेताओं से मुलाकात की . सुबह में पटना बीजेपी कार्यालय में समीक्षा बैठक हुई . बैठक में राज्य और केंद्र सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, विधान पार्षद, पदाधिकारी और नेता शामिल रहे . इस दौरान नड्डा ने सदस्यता अभियान की भी समीक्षा की . इसके बाद वे पटना से ही हैदराबाद के लिए रवाना हो गए .

जेपी नड्डा ने कहा कि ओलंपिक में विशेष भागीदारी बने, इसको लेकर विशेष योजना बनाई गई. प्रधानमंत्री ने पैरालंपिक को भी मुख्य धारा में लाने का काम किया. ओलंपिक हो या पैरालंपिक हो प्रधानमंत्री का ही कमाल है कि आज हम लोग बहुत आगे हैं. पीएम ने खेल का बजट बढ़ा दिया है. भारत में 1000 खेलो इंडिया केंद्र बने हैं. उन्होंने विश्वास दिलाया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में आप आगे बढ़े सरकार आपके साथ है. जिनको मेडल मिला है उनको बधाई और जो रह गए है वह अगले साल लेकर के आएंगे. पूरी हिम्मत के साथ आगे बढ़ो. आपको सारी सुविधा मिलेगी. ट्रेनिंग मिलेगी.

भारत के हिंदुओं पर किसी कीमत पर अत्याचार नहीं होने देंगे : धीरेंद्र शास्त्री

संवाददाता। पटना

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा है कि कब तक हम दूसरों के भरोसे रहेंगे और दूसरों की दृष्टि से देखेंगे. भारत के हिंदुओं पर किसी भी कीमत पर अत्याचार नहीं होने देंगे. पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री तीन दिवसीय बिहार दौरे पर हैं. पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि 21 नवंबर से 29 नवंबर तक संपूर्ण भारत को एकजुट करने, ऊंच-नीच, छुआछूत मिटाने के लिए, सनातनी को एकजुट करने के लिए प्रण लिया है. घर-घर बागेश्वर बाबा बनाएंगे. 160 किलोमीटर पदयात्रा करेंगे. वह शुक्रवार रात गया पहुंचे. पितृपक्ष मेला के दौरान वह अगले तीन दिनों तक प्रवास करेंगे. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि भारत में सबसे ज्यादा जहर है जात-पात, ऊंच-नीच और छुआछूत का है. भारत में शांति और क्रांति की आवश्यकता है. हम पद यात्रा करके सनातनी लोगों को एकजुट करके धर्म विरोधियों के मुंह पर तमाचा मारेंगे. उन्होंने कहा कि हमें कोई नेता न बाबा बनना है. हमें भारत के हिंदू बहन बेटियों पर कोई अत्याचार ना करे ऐसा काम करना है. उन्होंने कहा कि जो हिंदुओं का हाल बांग्लादेश में हुआ वह भारत में नहीं हो. धीरेंद्र शास्त्री तीन दिनों के गया प्रवास के दौरान विशेष भक्तों को पिंडदान कराएंगे तथा भागवत कथा करेंगे. गया जिला प्रशासन ने सुरक्षा को लेकर कड़े इंतेजाम किए हैं.

सुपौल में कोसी बैराज के खोले गए सभी 56 फाटक

नेपाल ने कोसी व गंडक बराज से 10.5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा

संवाददाता । सुपौल

नेपाल प्रभाग में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बाद कोसी नदी एक बार फिर उफान पर है. बीते 24 घंटों में ही कोसी नदी के जलस्तर में करीब 4 लाख क्यूसेक का उछाल आया है. नेपाल के बराह क्षेत्र में दोपहर 01 बजे 4 लाख 45 हजार 550 क्यूसेक पानी और कोसी बराज से पांच लाख 21 हजार 455 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हुआ है. कोसी के उफान से सुपौल सहित, सहरसा, मधेपुरा, मधुबनी, दरभंगा, खगड़िया, कटिहार और भागलपुर जिलों में भारी तबाही मचने की आशंका थी. कुछ घंटे बाद शाम चार बजे अपडेट आया कि नेपाल ने कोसी बराज वीरपुर से 549500 और गंडक बराज वाल्मीकिनगर से 501650 क्यूसेक पानी छोड़ दिया है. फिर शाम छह बजे कोसी बराज का डिस्चार्ज बढ़कर 5,67,760 हो गया. इसके साथ ही बिहार में बाढ़ की तबाही शुरू हो गई है. जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव ने संबंधित जिलाधिकारियों को हाई अलर्ट जारी किया है.

परिचालन पूरी तरह रोक दिया गया है

इधर, जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए नेपाल प्रभाग स्थित कोसी बराज से वाहनों का परिचालन पूरी तरह रोक दिया गया है . सुपौल में जिलाधिकारी कौशल कुमार खुद ही तटबंध के इलाकों की निगरानी में निकले हुए हैं . उन्होंने बताया कि बीते 24 घंटों में नेपाल प्रभाग स्थित कोसी नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में 200 एमएम से भी अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है . इसके कारण कोसी नदी अचानक उफनाई है . प्रशासन की ओर से माइकिंग कराई जा रही है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए अपील की जा रही है . प्रशासन की माइकिंग में स्पष्ट किया गया है दोपहर 12 बजे की संभावित कोसी बराज का डिस्चार्ज बीते 56 वर्षों में सर्वाधिक है . डीएम ने बताया कि संभावित बाढ़ और कटाव के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है . कोसी के अभियंताओं को भी तटबंध की सतत निगरानी के निर्देश दिए गए हैं . यही कारण है कि बाढ़ का पानी फैलने के साथ ही लोग तटबंध के इलाकों से पलायन करने लगे हैं .

तेजस्वी यादव का नीतीश सरकार पर हमला

स्मार्ट मीटर नहीं स्मार्ट चीटर लगा दिया

संवाददाता। पटना

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया. लिखा, बिहार में स्मार्ट मीटर नहीं स्मार्ट चीटर लगा दिया गया है. स्मार्ट मीटर में गड़बड़ी एवं बिजली के बढ़ते बिलों के खिलाफ 1 अक्टूबर से राष्ट्रीय जनता दल आंदोलन करेगा. तेजस्वी के इस पोस्ट पर भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक ने जवाब दिया है. आईएएनएस से शनिवार को बातचीत के दौरान भाजपा प्रवक्ता ने कहा, वो खुद सबसे बड़े चीटर हैं, तेजस्वी यादव एक चीटर परिवार से आते हैं. इनके परिवार ने पूरे देश को धोखा देने का काम किया है. अजय आलोक ने कहा कि दूसरे को चीटर कहने से अच्छा है कि दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आकर अपना हिसाब दें. उन्हें कोर्ट से समन मिल गया है. वो समन की चिंता करें. इसके बाद आंदोलन का प्लान बनाएं. बता दें कि तेजस्वी लगातार बिहार सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं. हाल ही में उन्होंने बिहार में हो रहे अपराध को लेकर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा था. तेजस्वी ने इस पोस्ट में अपराध की 100 से अधिक घटनाओं का जिक्र किया था.

विपक्ष सिर्फ झूठ फैलाने का काम कर रहा है

हालांकि, तेजस्वी यादव के आरोपों का जेडीयू प्रवक्ता ने समय-समय पर खंडन भी किया है . जेडीयू का कहना है कि तेजस्वी यादव जिन आपराधिक घटनाओं का ब्योरा ट्वीट कर देते हैं . वह जानकारी साझा करें कि वह किस सोर्स के माध्यम से लिखते हैं . जेडीयू का दावा है कि जिन घटनाओं को तेजस्वी यादव एक्स पर पोस्ट करते हैं . इनमें कई घटनाएं हुई ही नहीं है .

पुत्र ने की पिता की हत्या हत्यारा गिरफ्तार

नवादा। जिले में पकरीबरावां थाना क्षेत्र के ओदपुरा गांव में वहशी पुत्र ने शनिवार को अपने ही पिता को चाकू मार कर हत्या कर दिया. जिसके बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है. मृतक की पहचान ओदपुरा गांव निवासी इंदल मांझी के रूप में किया गया है. पुलिस के मुताबिक पिता और बड़े पुत्र में किसी बात को लेकर हमेशा विवाद हुआ करता था. आज भी पुत्र शराब के नशे में आकर अपने पिता से झगड़ा किया. तभी पुत्र ने अपने पिता को चाकू मारकर हत्या कर दिया.

दिनदहाड़े फायरिंग से बेगूसराय में दहशत

पूर्व विधायक ललन कुंवर और उनके बेटे पर गोलीबारी

बेगूसराय। बेगूसराय में बीजेपी के पूर्व विधायक ललन कुंवर सहित उनके पुत्र सह वर्तमान में पिढोली पंचायत के मुखिया कुंवर अनुराग प्रताप पर बदमाशों ने शनिवार की सुबह ताबड़तोड़ फायरिंग कर जान लेने की कोशिश की. हालांकि इस जानलेवा हमला में किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है. पूरा मामला तेघड़ा थाना क्षेत्र के पिढोली गांव का है. पिढोली पंचायत के मुखिया अनुराग प्रताप ने बताया कि कुछ शराब माफिया जेल से छूटकर गांव आए हैं. शनिवार सुबह मोबाइल पर धमकी दी और गाली-गलौज करना लगा. उन लोगों को गाली देने से मना किया तो वे बोले कि तुम्हारे कारण मुझे जेल जाना पड़ा.

कारोबार

एयरटेल ने स्पैम से बचाव में लाई क्रांति

नयी दिल्ली। भारती एयरटेल ने स्पैम की बढ़ती समस्या को दूर करने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत का पहला एआई-ड्रिवेन, नेटवर्क-बेस्ड स्पैम डिटेक्शन सॉल्यूशन पेश किया है. इसे एयरटेल के सभी यूजर्स के लिए ऑटोमैटेकली एक्टिवेट कर दिया जाएगा. यह सॉल्यूशन बिना किसी ऐप को डाउनलोड किए या सर्विस रिक्वेस्ट के रियल टाइम में स्पैम कॉल और एसएमएस के बारे में ग्राहकों को अलर्ट कर टेलीकॉम इनोवेशन का एक नया मानक स्थापित करता है. स्पैम कॉल और मैसेज भारत में एक समस्या रही है.

आईडीएफसी का मर्जर हुआ पूरा

नयी दिल्ली। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और आईडीएफसी लिमिटेड का मर्जर पूरा हो गया है. सभी जरूरी मंजूरियों के बाद यह एक अक्टूबर से लागू हो जाएगा. इस मर्जर के चलते शेयर होल्डर्स को लाभ होने वाला है. आईडीएफसी के हर शेयर होल्डर को 100 शेयर के बदले आईडीएफसी बैंक के 155 शेयर दिए जाएंगे. इस मर्जर से आईडीएफसी का कॉरपोरेट स्ट्रक्चर आसान हो जाएगा. प्रमोटर्स की होल्डिंग खत्म हो जाएगी और प्रोफेशनल मैनेजमेंट में इजाफा होगा.

दिसंबर से सस्ते हो सकते हैं कर्ज

नयी दिल्ली। दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीति नरम करने के बीच भारत में भी ब्याज दरें दिसंबर से कम हो सकती हैं. ऐसे में जनवरी तिमाही से सस्ते ब्याज दर पर कर्ज मिलना शुरू हो सकता है. यूबीएस की रिपोर्ट के अनुसार, महंगाई की दरें लगातार घट रही हैं. चालू वित्त वर्ष में यह भारतीय रिजर्व बैंक के 4.5 फीसदी के अनुमान से 0.30 फीसदी कम रह सकती है. अगस्त में यह 3.65 फीसदी रहा है. ऐसे में आरबीआई दरों में 0.75 फीसदी तक कटौती कर सकता है. खाद्य महंगाई के जोखिम को देखते हुए आरबीआई ने पिछले 9 बार यानी फरवरी, 2023 से रेपो दर को स्थिर रखा है.

गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात से प्रतिबंध हटा

दूसरी किस्मों की एक्सपोर्ट ड्यूटी घटाई गई

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है. इसके साथ ही उसना चावल (बॉयल्ड राइस) पर एक्सपोर्ट ड्यूटी में बदलाव कर इसे आधा कर दिया गया है. पहले बॉयल्ड राइस पर 20 प्रतिशत एक्सपोर्ट ड्यूटी लगती थी, जिसे घटा कर 10 प्रतिशत कर दिया गया है. इस संबंध में सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक ब्राउन राइस पर भी एक्सपोर्ट ड्यूटी घटकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है. इसी तरह व्हाइट राइस पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी शून्य कर दी गई है. ड्यूटी में हुई ये कटौती तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है.

बताया जा रहा है कि फिलहाल देश में अनाज का भंडार पर्याप्त मात्रा में मौजूद है. इसके साथ ही किसानों ने नई फसल की कटाई भी शुरू कर दी है. आने वाले हफ्तों में ये कटाई और तेज होगी. जिससे देश में अनाज के भंडारण में कमी होने या अनाज की उपलब्धता घटने की आशंका खत्म हो जाएगी.

एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल देश में भरपूर मानसूनी बारिश होने की वजह से किसानों ने 41.35 मिलियन हेक्टर खेत में चावल की फसल लगाई है, जबकि पिछले साल देश में 40.45 मिलियन हेक्टर खेत में चावल की खेती हुई थी. इस वजह से भी नए सीजन में चावल के उत्पादन में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है. ऐसे में एक्सपोर्ट ड्यूटी में कमी लाने या एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध जारी रखने का अब कोई औचित्य नहीं रह गया है. इसके पहले पिछले साल केंद्र सरकार ने बॉयल्ड राइस के निर्यात पर 20 प्रतिशत की ड्यूटी लगाई थी, क्योंकि उसके पहले के सीजन में सामान्य से कम बारिश होने की वजह से चावल की फसल प्रभावित हुई थी.

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने पिछले साल जुलाई में चावल की घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए और चावल की कीमत को नियंत्रण में रखने के लिए गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था. लेकिन अब एक्सपोर्ट ड्यूटी में कमी होने से भारत से निर्यात किए जाने वाले चावल के निर्यात मूल्य में कमी आएगी. साथ ही शिपमेंट में भी तेजी आएगी. गैर बासमती सफेद चावल के एक्सपोर्ट पर लगे प्रतिबंध और चावल की अन्य किस्मों पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी में की गई कमी का राइस एक्सपोर्टर्स ने स्वागत किया है. मून राइस एक्सपोर्ट्स के सीईओ नरेश गुप्ता का कहना है कि निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने का फैसला कृषि क्षेत्र को मजबूती देगा और इससे किसानों की आय में भी बढ़ोतरी होगी.

हालांकि कुछ जानकारों का कहना है की गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात से प्रतिबंध हटाने का सीधा असर परमल धान की कीमत पर होगा. चावल के निर्यात पर लगे प्रतिबंध के समाप्त होने के बाद बाजार में तेजी आने की संभावना है. बाजार में धान की मांग तुलनात्मक तौर पर और अधिक बढ़ेगी, जिससे सरकारी खरीद शुरू होने के पहले भी किसानों को अपनी उपज के एवज में ज्यादा कीमत मिल सकेगी.

घरों की बिक्री में भारी गिरावट

आसमान छूते दाम ने लगा दी रियल एस्टेट पर लगाम

एजेंसी। नयी दिल्ली

पिछले कुछ सालों में लगातार घर खरीदने वालों की संख्या में तेजी आई है. लोगों में बड़े और लग्जरी घर खरीदने का शौक भी बढ़ा है. मगर, जुलाई-सितंबर के दौरान इसके ठीक उलट घरों की बिक्री में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है. इस दौरान देश के 7 7 बड़े शहरों में 1.07 लाख घरों की बिक्री हुई है. पिछले साल समान अवधि में यह आंकड़ा करीब 1.2 लाख रहा था. घरों की बिक्री में करीब 11 फीसदी की गिरावट देखी गई है. इसके लिए मकानों की बढ़ती कीमत और मानसून को जिम्मेदार बताया जा रहा है. एनरॉक की रिपोर्ट के अनुसार, इन टॉप 7 शहरों में में यह गिरावट चौंकाने वाली है. गणेशोत्सव के दौरान मुंबई इलाके में हर साल घरों की बिक्री तेज होती है. मगर, इस बार ऐसा नहीं हुआ. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिलहाल खरीदार घरों की तेजी से बढ़ती कीमत के चलते चौकन्ना हो गए हैं. वह अपने निर्णय को कुछ समय टालकर इंतजार करने के पक्ष में हैं. हालांकि, अक्टूबर में फेस्टिव सीजन से डेवलपर्स को बड़ी उम्मीदें हैं. उनका मानना है कि नवरात्रि, दशहरा और दीवाली के दौरान घरों की बिक्री में फिर से उछाल आ सकता है. इसके बाद क्रिसमस तक घरों की बिक्री बढ़ने की उम्मीद है.

दो साल में करीब 37 फीसदी बढ़े घरों के रेट

रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई मेट्रोपॉलिटिन एरिया, एनसीआर, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, पुणे और हैदराबाद में जुलाई से सितंबर के दौरान करीब 1.07 लाख घर ही बिके हैं . साल 2023 के इन तीन महीनों में यह आंकड़ा 1.2 लाख था . एनरॉक के चेयरमैन अनुज पुरी के अनुसार, पिछले दो साल में घरों की कीमत तेजी से बढ़ी है . इसके चलते ये घर लोगों के बजट से बहुत दूर होते जा रहे हैं . लोग इतनी कीमत चुकाने के बजाय इंतजार करने के मूड में आ गए हैं .

1 अक्टूबर से लागू होगी नई व्यवस्था

बीएसई और एनएसई ने ट्रांजेक्शन फीस स्ट्रक्चर में किया बदलाव

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के निर्देश के अनुसार बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने कैश तथा फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) ट्रेडिंग के लिए ट्रांजेक्शन फीस में बदलाव करने का ऐलान किया है. ट्रांजेक्शन फीस की नई दरें 1 अक्टूबर से लागू हो जाएंगी. सेबी ने एक सर्कुलर जारी करके शेयर बाजार समेत मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस (एमआईआई) के सभी सदस्यों के लिए एक समान फीस स्ट्रक्चर को अनिवार्य कर दिया है. दरअसल, जुलाई के महीने में ही सेबी ने एक सर्कुलर जारी करके मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस की ओर से लगाए जाने वाले ट्रांजेक्शन चार्ज के संबंध में निर्देश जारी किया था कि एमआईआई के पास सभी सदस्यों के लिए एक समान फीस स्ट्रक्चर होना चाहिए. ये फीस स्ट्रक्चर मौजूद वॉल्यूम बेस्ड स्लैब सिस्टम को रिप्लेस करेगा. सेबी के सर्कुलर में ये भी साफ किया गया था कि ट्रेडिंग मेंबर्स की ओर से अपने क्लाइंट्स से वसूले जाने वाले चार्जेज और मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस को ट्रेडिंग मेंबर्स द्वारा दिए जाने वाले चार्जेज में परस्पर समानता होनी चाहिए,

रोड मैप तैयार कपड़ा क्षेत्र में 2030 तक छह करोड़ नौकरियां देने की तैयारी

जनवरी से 7 फीसदी तक महंगी होगी कूरियर सेवा

एजेंसी। नयी दिल्ली

सरकार ने कपड़ा क्षेत्र में 2030 तक 4.5 से 6 करोड़ नौकरियां पैदा करने के लिए रोड मैप तैयार किया है. केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, इस क्षेत्र का आकार 165 अरब डॉलर है. इसे 350 अरब डॉलर तक ले जाने का प्रयास है. हमने जो 100 दिवसीय रोड मैप तैयार किया है उससे लाखों करोड़ रुपये का निवेश आ सकता है. केंद्रीय मंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा, पहले स्वीकृत सात पीएम-मित्र एकीकृत मेगा टेक्सटाइल पार्क के पूरी तरह शुरू होने पर 70,000 करोड़ का निवेश आएगा. इससे 21 लाख नौकरियां पैदा होंगी. 350 अरब डॉलर के आकार तक पहुंचने के लिए हमें मानव निर्मित कपड़े की जरूरत है. सरकार ने 2030 तक कपड़ा उत्पादों के लिए 100 अरब डॉलर का निर्यात हासिल करने का लक्ष्य रखा है. नए साल से कूरियर सेवा सात फीसदी महंगी हो सकती है. लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता डीएचएल एक्सप्रेस ने कहा, जनवरी से भारत में कूरियर का किराया औसत 6.9 फीसदी महंगा हो जाएगा. वैश्विक स्तर पर महंगाई को देखते हुए यह फैसला लिया गया है.

माजदा 77,000 वाहनों को मंगाएगी वापस : माजदा अमेरिकी बाजार में खराबी के चलते 77,670 वाहनों को वापस मंगाएगी. कंपनी ने बताया कि वाहनों के सॉफ्टवेयर में खराबी आई है जिससे सामने वाला एयरबैग पर असर पड़ सकता है. जिन वाहनों को वापस मंगाया है उनमें एमएक्स 5 सहित अन्य हैं. यह 2016 से 2023 के बीच बने हैं.

एंजल वन ने 21 लाख भरकर मामले का किया निपटान : शेयर बाजार की ब्रोकिंग कंपनी एंजल वन ने फ्रंट रनिंग मामले में 21.64 लाख रुपये भरकर सेबी के साथ मामले का निपटान कर लिया है. एंजल वन ने 15 मई को सेबी के पास अपील दायर किया था. सेबी ने बताया, जनवरी, 2021 से अक्तूबर, 2022 के बीच एंजल वन की जांच हुई थी. कंपनी एनएसई के इक्विटी (कैश) में भारत कनैयालाल शेठ फैमिली ट्रस्ट सहित बड़े ग्राहकों को ऑर्डर दे कर उसका भुगतान कर रही थी. इसके बाद सेबी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था.

विशेष स्टील के लिए आएगी एक और पीएलआई

पहले चरण में अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण सरकार विशेष स्टील के लिए फिर से उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लेकर आएगी . इस पर काम चल रहा है . स्टील सचिव संदीप पौड्रिक ने कहा, विशेष स्टील अब भी एक ऐसा क्षेत्र है जहां और अधिक काम करने की जरूरत है . सरकार इसको प्रोत्साहित करने के लिए पीएलआई ले आई, लेकिन उम्मीद के मुताबिक रिस्पांस नहीं मिला .

पहली बार पीएसी जांच के दायरे में सेबी

सेबी के अकाउंट्स की जांच करेगी संसद की लोक लेखा समिति

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के अकाउंट्स की जांच करेगी. इस जांच के दौरान पीएसी वित्त वर्ष 2022-23 और 2023-24 के सेबी के अकाउंट्स की समीक्षा करेगी. माना जा रहा है कि पीएसी जांच के दौरान सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच को भी बुला सकती है. पीएसी पहली बार सेबी के अकाउंट्स की जांच करने वाली है. अहम बात ये है पीएसी द्वारा ये जांच ऐसे वक्त पर होने वाली है, जब अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच पर गंभीर आरोप लगाए हैं. इसके साथ ही कांग्रेस ने भी सेबी चेयरपर्सन पर अलग-अलग आरोप लगाए हैं. सेबी के एकाउंट्स की जांच करने वाली पीएसी के अध्यक्ष कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल हैं. पीएसी का काम सरकार के रेवेन्यू और एक्सपेंडिचर की जांच करना तथा पब्लिक फाइनेंस में अकाउंटिबिलिटी को सुनिश्चित करना है. पीएसी ने इसके पहले कभी मार्केट रेगुलेटर सेबी के अकाउंट्स की जांच नहीं की है, लेकिन अभी पीएसी की ओर से सेबी से सभी संबंधित डेटा मांगे गए हैं.

न्यूज अपडेट

पीएम ने लता मंगेशकर को याद किया

नयी दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को महान गायिका लता मंगेशकर को उनकी जयंती पर याद किया. प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, लता दीदी को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं. अपने भावपूर्ण गीतों के कारण वे हमेशा लोगों के दिलोदिमाग में जीवित रहेंगी. लता दीदी और मेरे बीच एक विशेष रिश्ता था. मुझे उनका स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है. प्रधानमंत्री ने दिवंगत गायिका के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए एक लेख भी साझा किया.

कांग्रेस नेता व पत्रकार के घर छापेमारी

कांकेर । छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले के चार अलग-अलग स्थानों मुजालगोंडी, कलमुचे, आमाबेड़ा और जिवलामारी गांवों में शनिवार को एनआईए छापेमारी की है. एनआईए ने इस पूरी कार्रवाई में स्थानीय पुलिस का भी सहयोग लिया है, जिसमें कांग्रेस नेता सुरेश सलाम और स्थानीय पत्रकार वीरेंद्र पटेल के घर पर छापेमारी की. बड़ी संख्या में अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं और जानकारी ले रहे हैं. इस कार्रवाई के तहत नक्सलियों के साथ संभावित संबंधों की जांच की जा रही है.

आतंकी हमले को लेकर हाई अलर्ट जारी

मुंबई । केंद्रीय खुफिया एजेंसी की ओर से मुंबई पर आतंकी हमले की चेतावनी के बाद पुलिस ने हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है. मुंबई पुलिस ने भीड़भाड़ वाली जगहों और धार्मिक स्थलों के साथ संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा बढ़ा दी है. पुलिस के अनुसार केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने मुंबई पुलिस को जानकारी दी है कि देश की आर्थिक राजधानी एक बार फिर आतंकियों के निशाने पर है. इसी पृष्ठभूमि में मुंबई पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है और शहर में गश्त बढ़ा दी गई है.

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्लांट में लगी आग

चेन्नई । तमिलनाडु के होसुर स्थित टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्लांट में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई. इस फैक्ट्री में मोबाइल के स्पेयर पार्ट्स बनाने का काम किया जाता है. फैक्ट्री होसुर के पास थिमजेपल्ली पंचायत के अंतर्गत कुथानपल्ली गांव में है. इसमें 20 हजार से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं. आग बुझाने का काम जारी है. इस अग्निकांड के बाद फैक्ट्री के कर्मचारियों के साथ ही आसपास के लोग भी दहशत में आ गए. आग लगने की सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की सात गाड़ियां मौके पर पहुंची.

डेटा चोरी के आरोप में एक गिरफ्तार

नोएडा । नोएडा पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो एक कंपनी में सीनियर सेल्स हेड के पद पर काम करते हुए कंपनी का गोपनीय डेटा चुराकर बाहरी लोगों को बेच रहा था. जिसके चलते कंपनी को कई करोड़ का नुकसान हुआ है. कंपनी ने मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई थी. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी मुशीर अहमद सिद्दीकी दिल्ली के जामिया नगर, ओखला का रहने वाला है. इसी इलाके से पुलिस ने आरोपी मुशीर को गिरफ्तार किया है.

बम से उड़ाने की धमकी निकला फर्जी

बेंगलुरु । कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के प्रतिष्ठित ताज वेस्ट एंड होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली. यह धमकी ईमेल के जरिए दी गई, पुलिस ने जांच में इसे फर्जी करार दिया. जानकारी के अनुसार, शनिवार को अज्ञात अपराधियों ने एक ईमेल के माध्यम से होटल में बम होने की धमकी दी. यह होटल प्रमुख राजनेताओं और क्रिकेटरों की मेहमान नवाजी के लिए जाना जाता है. धमकी मिलने के बाद, स्थानीय पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने होटल पहुंचकर जांच शुरू कर दी.

श्रीलंका के पूर्व मंत्री वेलगामा का निधन

कोलंबो । श्रीलंका के पूर्व मंत्री और कलूटारा के पूर्व सांसद कुमार वेलगामा का निधन हो गया. उन्होंने 74 वर्ष की आयु में राजधानी कोलंबो के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली. डेली मिरर अखबार के अनुसार, पूर्व मंत्री कुमार वेलगामा का इस अस्पताल में चल रहा था. साल 2020 से वे न्यू लंका फ्रीडम पार्टी के नेता रहे हैं और समागी जन बालवेगया के साथ चुनाव लड़े हैं. वेलगामा 1984 से 2000 के बीच अगालावटे निर्वाचन क्षेत्र में श्रीलंका फ्रीडम पार्टी के मुख्य आयोजक थे.

बारिश के चलते नेपाल के एयरपोर्ट बंद

काठमांडू । नेपाल में पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही भारी बारिश से देशभर का जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है. बारिश के चलते पूरे देश के एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है. काठमांडू से शुक्रवार रात से ही आंतरिक उड़ानों को रोक दिया गया है, जबकि इंटरनेशनल फ्लाइट्स को भारत के अलग-अलग एयरपोर्ट के लिए डाइवर्ट किया गया है. नेपाल में हो रही लगातार मूसलाधार बारिश के कारण सरकार ने काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल से आंतरिक उड़ानों पर रोक लगा दी है.

नए बांग्लादेश के लिए सहयोग मांगा

न्यूयॉर्क । बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने वैश्विक समुदाय से नए बांग्लादेश के निर्माण में सहयोग मांगा है. बांग्लादेश के अखबार द डेली मिरर के अनुसार, प्रो. यूनुस ने कल न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की आम बहस के संबोधन में बांग्लादेश के मौजूदा सूरत-ए-हाल पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के आम लोगों, खासकर युवाओं की शक्ति ने देश को व्यवस्था में सुधार लाने और भेदभाव को समाप्त करने का अवसर प्रदान किया है.

पश्चिम एशिया में टेंशन ऑल टाइम हाई

आईडीएफ के हवाले से दावा- इजराइल के हमले में मारा गया हिजबुल्लाह का सरगना

नसरल्लाह की मौत के बाद ईरानी नेताओं में हड़कंप

एजेंसी । लेबनान

इजरायली हमलों से साउथ लेबनान में सन्नाटा पसरा हुआ है. हिज्बुल्लाह के लड़ाके इलाके में गश्त कर रहे हैं, जबकि आम नागरिक घरों में छिपे हुए हैं. इजरायल की सेना ने हिज्बुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह को बेरूत में निशाना बनाकर मार गिराया है, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव और भय का माहौल है. इस हमले के बाद साउथ लेबनान में हालात और भी खतरनाक होते जा रहे हैं, जहां इजरायली सेना किसी द्वारा किसी भी समय ग्राउंड अटैक शुरू करने की बात भी की जा रही है. साउथ लेबनान में सन्नाटे के बीच खौफ का माहौल साफ महसूस किया जा सकता है. सूत्रों ने बताया कि इजरायली हमलों के बाद पूरे इलाके में हिज्बुल्लाह के लड़ाके ही दिखाई दे रहे हैं, जबकि आम नागरिक कहीं नजर नहीं आ रहे. फिलहाल वहां सभी दुकानें बंद हैं, खाने-पीने के सामान की भी भारी किल्लत हो गयी है. हर जगह सन्नाटा पसरा हुआ है.

- इजरायली हमलों के बाद लेबनान में सन्नाटा और खौफ, सड़कों पर दिख रहे सिर्फ हिज्बुल्लाह के लड़ाके

लेबनान का पूरा इलाका वीरान

इजरायली हमलों के बाद साउथ लेबनान का पूरा इलाका वीरान सा लग रहा है. राजधानी बेरूत जो लाखों लोगों से गुलजार रहती है, उससे दूर साउथ लेबनान अब असली जंग का मैदान बनता जा रहा है. इजरायल यहीं से अपनी सेना को दाखिल कर ग्राउंड अटैक की तैयारी भी कर रहा है. साउथ लेबनान के बॉर्डर पर इजरायल ने सैकड़ों टैंक और सैनिकों को तैनात कर दिया है, जो किसी बड़े हमले का संकेत दे रहे हैं. इस तनावपूर्ण माहौल में आम नागरिकों दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहे और सिर्फ हिज्बुल्लाह के लड़ाके गश्त करते दिख रहे हैं.

सुरक्षित स्थान पर गए ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई

इजरायल ने ब्रॉडकास्ट फ्रीक्वेंसी पर किया कब्जा

इजरायल ने बेरूत हवाई अड्डे के नियंत्रण टॉवर की प्रसारण फ्रीक्वेंसी पर कब्जा किया और एक ईरानी विमान को लेबनान में उतरने से रोकने का आदेश दिया है. लेबनान के एमटीवी नेटवर्क ने हाल ही में परिवहन और लोक निर्माण मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया है (जिसका नेतृत्व हिज्बुल्लाह के मंत्री अली हमिया कर रहे हैं) कि इजरायल ने बेरूत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की प्रसारण फ्रीक्वेंसी पर कब्जा कर लिया है और हवाई अड्डे को आदेश दिया है कि एक ईरानी विमान को उतरने से रोका जाए. यदि इस आदेश का पालन नहीं किया गया, तो बल प्रयोग किया जाएगा. इसके बाद, लेबनान के परिवहन मंत्री (जिनका संबंध हिज्बुल्लाह से है) ने ईरानी विमान को बेरूत में न उतरने का आदेश दिया.

ईरान ने ओआईसी की आपात बैठक बुलाने की मांग की

ईरान ने इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की एक आपात बैठक बुलाने की मांग की है. यह कदम पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और क्षेत्रीय मुद्दों के मद्देनज़र उठाया गया है. एक ईरानी विमान जो लेबनान की राजधानी बेरूत की ओर जा रहा था, उसे बीच रास्ते से वापस लौटना पड़ा. लेबनान के परिवहन मंत्री ने देश में सभी ईरानी विमानों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है. इस फैसले से ईरान और लेबनान के बीच हवाई यात्रा पर गहरा असर पड़ सकता है.

अमेरिका को बेरूत हमले के बारे में कोई जानकारी नहीं थी : जो बाइडेन

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के मुताबिक उन्हें बेरूत पर इजरायल की ओर से किए गए हमले की भनक तक नहीं थी. उन्होंने कहा कि वह बेरूत में इजरायल के हवाई हमलों पर टिप्पणी करने से पहले अधिक जानकारी का इंतजार कर रहे हैं. साथ ही दोहराया कि अमेरिका इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के ऑपरेशन में शामिल नहीं था. बाइडेन ने डेलावेयर में संवाददाताओं से कहा, हम अभी भी जानकारी जुटा रहे हैं, मैं आपको बता सकता हूं अमेरिका को आईडीएफ कार्रवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं थी या इसमें हमारी कोई भागीदारी नहीं थी. हम अधिक जानकारी एकत्र कर रहे हैं. जब हमारे पास अधिक जानकारी होगी, तो मैं और कुछ कह पाऊंगा. सीएनएन ने शुक्रवार को एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि, इजरायल ने ऑपरेशन के शुरू होने और विमानों के उड़ान भरने के बाद अमेरिका को जानकारी दी थी. अधिकारी ने कहा, हमें इसके बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी और न ही किसी ने पहले हमें सूचित किया था. एक इजरायली अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि यह सूचना हमले से कुछ देर पहले भेजी गई थी.

अमेरिका में हेलेन तूफान से 49 की मौत

अमेरिका । अमेरिका में शुक्रवार को आए हेलेन चक्रवात से 5 राज्यों में अब तक 49 लोगों की मौत हो गई है.अमेरिकी मीडिया हाउस सीएनएन के मुताबिक, तूफान की वजह से आए बवंडर और बाढ़ में कई घर ढह गए. चक्रवात का सबसे ज्यादा असर साउथ कैरोलिना और जॉर्जिया में देखने को मिला जहां कैटेगरी 4 के तूफान से 34 लोगों की मौत हुई है. पांचों राज्यों में तूफान की वजह से कई लोग फंसे हुए हैं, जिन्हें बचाने की कोशिश हो रही है.

बाढ़-भूस्खलन से नेपाल में 50 लोगों की मौत

काठमांडू । नेपाल में लगातार हो बारिश की वजह से आई बाढ़ और भूस्खलन में पिछले 12 घंटे में 50 लोगों की मौत हो गई और सात अन्य लापता हो गए. कावरेपालनचोक, ललितपुर और धनकुटा जिलों में कई दिनों लगातार बारिश जारी रहने के कारण हुए भूस्खलन में कई मकान ढह गए या बह गए. नेपाल पुलिस के प्रवक्ता दान बहादुर कार्की ने कहा, शुक्रवार से बाढ़ और भूस्खलन की 175 से अधिक घटनाएं सामने आई हैं. जिसमें 400 लोग विस्थापित हुए हैं.

सोने की खदान में भूस्खलन, 12 मरे

जकार्ता । इंडोनेशिया के पश्चिमी सुमात्रा प्रांत के सोलोक रीजेंसी में एक सोने की खदान में बड़ा हादसा हुआ है. भूस्खलन के कारण 12 खनिकों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए. एक वरिष्ठ बचावकर्मी ने शनिवार को बताया कि गुरुवार दोपहर भारी बारिश के दौरान हुए भूस्खलन के बाद संचार सुविधाओं की कमी और चुनौतीपूर्ण भूभाग के कारण बचाव अभियान में गंभीर बाधा उत्पन्न हुई है. मलिक ने कहा, 12 लोग मारे गए हैं और 11 घायल हुए हैं.

एमसीडी चुनाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी आप

नयी दिल्ली । दिल्ली नगर निगम की स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य चुनाव को दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने अवैध और अमान्य बताया है. शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सीएम आतिशी ने कहा कि बीजेपी ने कल एमसीडी की स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव कराए जो एमसीडी कानून का उल्लंघन है. उन्होंने कहा कि एमसीडी एक्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव निगम की मीटिंग में ही कराए जाएंगे.

जवानों के हमले में आठ लोगों की मौत, 95 घायल

खार्तूम । पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमले में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 95 अन्य घायल हो गए. उत्तरी दारफुर राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक इब्राहिम खातिर ने बताया, आरएसएफ की गोलाबारी का लक्ष्य एल फशर के दक्षिण में स्थित सूक अल-मवाशी बाजार था, जहां लोगों की भीड़ थी. आरएसएफ ने अभी तक इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है. 10 मई से एल फशर में सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और आरएसएफ के बीच भीषण झड़पें चल रही हैं. संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, एल फशर में लगभग 15 लाख लोग रहते हैं, जिनमें से 8 लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं.

दिल्ली में चार विकलांग बेटियों के साथ पिता ने की खुदकुशी

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. एक पिता ने अपनी चार विकलांग बेटियों के साथ खुदकुशी कर ली. यह घटना वसंत कुंज के रंगपुरी गांव की है. मृतक हीरा लाल (50) की पत्नी की पहले ही मौत हो गई थी. वह अपनी चार बेटियों नीतू (18), निशि (15), नीरू (10) और निधि (8) के साथ रहता था. सभी बेटियां विकलांग थीं और चलने-फिरने में असमर्थ थीं. हीरालाल वसंत कुंज स्थित स्पाइनल इंजरी हास्पिटल में बढ़ई का काम करता था. शुक्रवार को जब हीरालाल के फ्लैट से बदबू आनी शुरू हुई, तो स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी. शुक्रवार दोपहर को फ्लैट का ताला तोड़कर शवों को निकाला गया. पुलिस ने मकान मालिक और अन्य लोगों की उपस्थिति में दरवाजा तोड़ा तो पांच शव पड़े हुए थे. शवों को निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. पुलिस के मुताबिक, फ्लैट में कुछ संदिग्ध घटना होने की सूचना मिली थी.

'शुक्र ऑर्बिटर मिशन' में शामिल हुआ स्वीडन

नयी दिल्ली । स्वीडन आधिकारिक तौर पर इसरो के शुक्र ऑर्बिटर मिशन (वीओएम) में शामिल हो गया है. पिछले हफ्ते केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस मिशन को मंजूरी दी थी. स्वीडिश इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस फिजिक्स कथित तौर पर इसरो को वीनसियन न्यूट्रल्स एनालाइजर इंस्ट्रूमेंट प्रदान करेगा. यह एक हल्का, लो-पावर वाला लेकिन अत्यधिक सक्षम ऊर्जावान न्यूट्रल एटम (ईएनए) विश्लेषक है. वीएनए सूर्य और शुक्र के वायुमंडल एवं बहिर्मंडल से आने वाले चार्ज्ड पार्टिकल्स के बीच परस्पर क्रिया की स्टडी करेगा.

इलेक्टोरल बॉन्ड : बेंगलुरु के स्पेशल कोर्ट ने दिया आदेश

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ दर्ज करें केस

बेंगलुरु । बेंगलुरु में शुक्रवार को एक स्पेशल कोर्ट ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश जारी किया है. निर्मला सीतारमण पर इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिए जबरन वसूली का आरोप लगा है. खबरों के अनुसार जेएसपी के आदर्श अय्यर ने बेंगलुरु में याचिका दायर कर सीतारमण के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश देने की गुहार लगाई थी. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने बेंगलुरु के तिलक नगर पुलिस स्टेशन को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया. इस मामले में सुनवाई की अगली तिथि 10 अक्टूबर तय की गयी है. जानकारी के अनुसार जनाधिकार संघर्ष परिषद ने अप्रैल माह में 42वें एसीएमएम कोर्ट में याचिका दायर की थी.

कश्मीर के कुलगाम में जवान व आतंकियों के बीच मुठभेड़

दो आतंकी ढेर, 4 सुरक्षाकर्मी घायल

जम्मू-कश्मीर । कश्मीर में कुलगाम के आदिगाम देवसर इलाके में शनिवार सुबह से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई है. दोपहर में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया. इलाके में दो-तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका थी. वहीं इस मुठभेड़ में सेना के 3 जवान और कुलगाम के एएसपी घायल हुए हैं. चारों को इलाज के लिए श्रीनगर शिफ्ट किया गया है. कश्मीर जोन पुलिस ने शनिवार सुबह 7:05 बजे एक्स पर पोस्ट के जरिए मुठभेड़ की जानकारी दी. बताया कि पुलिस और सेना ने जॉइंट ऑपरेशन के तहत आदिगाम में सर्च ऑपरेशन शुरू किया. इसी दौरान आतंकियों ने उन पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई. फिलहाल ऑपरेशन जारी है. कुलगाम मुठभेड़ में घायल सुरक्षाकर्मियों को इलाज के लिए श्रीनगर के 92 बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

हथियार बरामद

महाराष्ट्र में 26 नवंबर से पहले होंगे विस चुनाव, आयोग ने दी जानकारी

मुंबई । महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर पहुंची चुनाव आयोग की टीम ने अपना दौरा पूरा कर लिया है. चुनाव आयोग ने बताया कि महाराष्ट्र में 26 नवंबर से पहले चुनाव कराना होगा, क्योंकि नवंबर में महाराष्ट्र विधानसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है. महाराष्ट्र की स्थिति की समीक्षा करने के बाद चुनाव आयोग ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव की तैयारियों के बारे में जानकारी दी.

हरियाणा: कांग्रेस का घोषणा पत्र 'हाथ बदलेगा हालात' जारी

विदेशी रोजगार बोर्ड बनाने का वादा

एजेंसी । चंडीगढ़

कांग्रेस ने हरियाणा विस चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र 'हाथ बदलेगा हालात' के नाम से जारी कर दिया है. चंडीगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा, पार्टी के प्रदेश प्रधान उदयभान और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत उपस्थित रहे. कांग्रेस ने विदेशों में नौकरियों के लिए युवाओं की राह आसान बनाने के लिए हरियाणा विदेशी रोजगार बोर्ड बनाने का वादा किया है. घोषणा पत्र में हिमाचल सरकार की तर्ज पर 18 से 60 साल तक महिलाओं को हर महीने 2 हजार रुपये, किसानों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी व फसल खराब पर तुरंत मुआवजा देने का वादा किया गया है. ओबीसी की क्रीमीलेयर की सीमा 10 लाख तक करने और 25 लाख तक मुफ्त इलाज देने का वादा किया है. वहीं बुजुर्गों, विकलांगों और विधवाओं को 6 हजार रुपये की मासिक पेंशन देने का वादा किया है.

सियासत महंत राजू दास ने राहुल गांधी के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया, कहा-

राहुल गांधी के लिए प्रार्थना करें, उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है

एजेंसी। अयोध्या

अयोध्या राम जन्मभूमि मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हाल में ही एक बार फिर एक ऐसा बयान दिया है, जिसको लेकर सियासत तेज हो गई है. हनुमान गढ़ी के मुख्य महंत राजू दास ने भी राहुल गांधी के बयान पर शनिवार को प्रतिक्रिया देते हुए उसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया.

महंत राजू दास ने कहा, राहुल गांधी का यह कहना कि राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा केवल एक नाच-गान का कार्यक्रम था, बेहद निंदनीय है. मैं इसकी निंदा करता हूं और सभी हिंदूवादी संगठनों और सेकुलर लोगों से अपील करता हूं कि राहुल गांधी के लिए प्रार्थना करें, क्योंकि उनकी बुद्धि खराब हो गई है, भ्रष्ट हो गई है. राम मंदिर के निर्माण के लिए पिछले 500 वर्षों में लाखों हिंदू जनमानस ने त्याग और तपस्या की है. ऐसे में यह कहना कि वहां सिर्फ फिल्मी सितारों को बुलाकर डांस और गाना हुआ, अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी शुरू से ही राम मंदिर का विरोध करती रही है. मंदिर बनने से कांग्रेस को टीस है, कांग्रेस को समस्या है. उनके बयान से यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस को राम मंदिर के निर्माण से असहजता महसूस हो रही है. कांग्रेस हमेशा सदैव सनातन संस्कृति और साधु-संतों का अपमान करती आई है. यह एक स्पष्ट प्रमाण है कि राहुल गांधी बार-बार राम मंदिर का अपमान कर रहे हैं.

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हरियाणा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि अयोध्या में भाजपा क्यों हारी? भाजपा को जनता ने क्यों नकार दिया? क्योंकि वह राम मंदिर के नाम पर वोट लेने चाहते थे, मगर मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में एक मजदूर नहीं दिखा, किसान नहीं दिखा. भाजपा ने अंबानी, अमिताभ बच्चन जैसे लोगों को को बुला लिया. प्राण प्रतिष्ठा में नाच गाना चल रहा था.

राहुल गांधी ने कुछ भी गलत नहीं कहा : अतुल लोंढे पाटिल

मुंबई । कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बयान में कहा कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में एक भी किसान, मजदूर, बढ़ई और स्थानीय लोग नहीं दिखे. उस कार्यक्रम में सिर्फ अंबानी और देश के अमीरों को बुलाया गया था. राहुल गांधी के इस बयान के बाद से देश में सियासत गरमा गई है. कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंढे पाटिल ने कहा कि भगवान राम को हम सब जानते हैं. जब एक धोबी ने भगवान राम से प्रश्न पूछा था, तो उन्होंने सीता को भी अग्नि परीक्षा देने को कहा था. ऐसे में किसी आम आदमी या दलित को वहां प्रवेश नहीं था. इसमें सबका अधिकार था. वहां लोगों को बुलाया गया था, जो सिर्फ दिखावे के लिए आए थे.

पाक फिल्म 'द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट' भारत में नहीं होगी रिलीज

नयी दिल्ली । फवाद खान और माहिरा खान स्टारर पाकिस्तानी फिल्म 'द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट' भारत में रिलीज नहीं होगी. फिल्म 2 अक्टूबर को भारत में रिलीज होने वाली थी. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी फिल्म 'द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट' को भारत के सिनेमाघरों में इजाजत नहीं दी गई है. माना जा रहा है कि यह निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि 2019 से पाकिस्तान में भारतीय फिल्मों पर प्रतिबंध है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फवाद की इस फिल्म को भारत के सीमित सिनेमाघरों में रिलीज होना था. लेकिन राष्ट्रवादी संगठनों के विरोध के कारण इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया है.

अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट तीन लोगों की मौत, सात घायल

एजेंसी । सोनीपत

हरियाणा के सोनीपत में शनिवार को एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई और सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. मामला सोनीपत के खरखोदा थाना क्षेत्र के रिढाऊ गांव का है. बताया जा रहा है कि एक मकान में अवैध रूप से पटाखा फैक्ट्री चल रही थी. इस दौरान घर में कई लोग काम कर रहे थे, तभी जोरदार विस्फोट हो गया. मकान में काम कर रहे 10 लोगों में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को इलाज के लिए खानपुर पीजीआई में भर्ती कराया. एसीपी जीत सिंह बेनीवाल ने बताया कि रिढाऊ गांव के एक मकान में अवैध रूप से पटाखा फैक्ट्री चल रही थी. गैस सिलेंडर फटने की वजह से यह ब्लास्ट हुआ और मकान जमींदोज हो गया. उन्होंने कहा, इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है. इसके अलावा सात लोग घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है. साथ ही वेद नाम के एक शख्स को हिरासत में लिया गया है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)